



११२८

भारत का राजालय

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY,

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १९२।

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च ३०, १९९०/चैत्र ९, १९१२

नं० १९२।

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 1990/CHAITRA 9, 1912

इस भाग थों भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग हांफलन के लिए में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

माणिक नंबरालय

शायातन्त्रियापार नियंत्रण

आदेश संख्या १/९०—९३

नई दिल्ली ३० मार्च, १९९०

ब्रॉन ग्राम्पन्न नाइटरेस में, १/९०

का शा. १९० (अ) :—शायातन्त्रिय नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम, १९४७ (१९१७ का १४) के लक्ष्य-हारा प्रदूष अधिकारी का पालन
वर्तमान द्वाग, लोकप्रीय सरकार, प्रधानमंत्री अफीका/फिजी को
छोड़कर किसी भी देश में १ अप्रैल, १९९० ते ३१ मार्च १९९३ तक
भारत में कच्चे माल और संश्टकों त्रीर उपभोज्यों को बास्तविक
उपयोगिता (आंशोधित) हारा नियन्त्रित जर्नों के अन्तर्गत शायातन्त्रिय
नीति खामोश अनुमति देती है।-

(१) शायातन्त्रिय की जाने वाली वह वर्तमान में समय-समय
पर जारी की गई शावेजनिह सूचना द्वारा यथान्त्रिय शायातन्त्रिय
नियमि नीति, १९९०-९३ (खण्ड-१) के परिणाम २, ३, ५ और ०
के अन्तर्गत न जाती है।

(२) इस लाइसेंस के अन्तर्गत शायातन्त्रिय नीति १९९०-९३

(खण्ड-१) के परिणाम ६ की गई में दिए मर्यादों के अन्तर्गत वर्त्तों को
शायातन्त्रिय की अनुमति नहीं की जायेगी।

(३) वास्तविक उपयोगिता इस लाइसेंस के अन्तर्गत शायातन्त्रिय की गई मर्यादों
के उपयोग एवं उपयोग का नियंत्रित प्राप्त एवं विधिनुसार उचित लेखा
द्वागा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राप्तिकारी या अन्य सरकारी प्राप्तिकारी
को उनके हारा नियित पाय के सीनर गन्तव्य करेगा।

(४) वास्तविक उपयोगिता को इस लाइसेंस के अन्तर्गत शायातन्त्रिय
माल को अपने तथा अप्योगिता का नियंत्रित प्राप्त एवं विधि से उपयुक्त
लेखा द्वागा द्वागा और यथानियित प्राप्ति के अन्तर लाइसेंसिंग प्राप्ति
को अपने अपने सरकार के अधिकारी को प्रस्तुत करता होगा।

(५) माल की नियमि के समय वास्तविक उपयोगिता (आंशोधित)
वास्तविक उपयोगिता के रूप में संबंध प्राप्तिकरण के पास अपने आंशोधित
लाइसेंस/अंशीकरण अधित आंशोधित लाइसेंस पंजीकरण की थी और इस
तारीख विनियोग के उपयोगिता (उपयोग) के विवरण देते हुए और इस
वार्ष की पुस्ति करते हुए सीमा-गण्ड प्राप्तिकारियों को एक घोषणा पर
मेजेना कि (१) ऐसा लाइसेंस/अंशीकरण इद नहीं किया गया है या
शायातन्त्रिय नहीं किया गया है या उसे प्रस्तुत रूप में प्राप्तिकरण नहीं किया

गया है और (2) इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित मरु उनके औद्योगिक लाइसेंस/संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी के पास औद्योगिक यूनिट के रूप में पंजीकरण के नियम और शर्तें और उनके अनुमोदित चरणबद्ध विनियोग प्रायोगिक के बिल्लूल शत्रुघ्नार है। यदि प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अलग से लाइसेंस संचालकरण मंड़ता न हो गई हो तो प्रायातक को सीमा-शुल्क प्राधिकारी की दस्तावेज के लिये हन मंचन में अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होते कि वह लाइसेंस शारीरी है औद्योगिक प्रायोजक के हैं और जिसे गये आयात के लिये एक मंचन में पंजीकृत है और किसे गये आयात के लिये एक है। माल की निकासी के आवश्यक वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक), प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य संबंधित प्राधिकारी द्वारा उनके लिये अनुमोदित चरणबद्ध विनियोग प्रोत्तम यदि कोई हो तो उनकी एक प्रमाणित प्रति भी मैजेंटा।

(6) उन मामलों में जहाँ यूनिट स्वदेशीकरण के चरणबद्ध विनियोग कार्यक्रम के अधीन हैं, वहाँ वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) द्वारा युक्त मामाल्य लाइसेंस के अधीन संघटकों का आयात संबंधित सूची प्रक्रिया के अधीन होता। ऐसी यूनिटों की आयात किये जाने वाले संघटकों की सूची उत्प्राधिकारी द्वारा सत्यागीत करा जाती जाती है जिसमें चरणबद्ध विनियोग कार्यक्रम का अनुमोदन किया था। लषु क्षेत्र की यूनिटों के मामले में यूची मध्यापत्र विकास आयुक्त (लषु उद्योग) यह विली या विकास आयुक्त (लषु उद्योग) की ओर से लषु उद्योग विकास संघ द्वारा होता। जाहिये। ऐसा शुल्क प्राधिकारी संबंधित प्राधिकारी द्वारा सत्यागीत सूची के आधार पर युक्त मामाल्य लाइसेंस के अधीन १११.लि५ संघटकों की निकासी प्रति मानि करते हैं। अधिक वास्तविक उपयोगता को संबंधित प्राधिकारी से संघटकों की साक्षात्कृति सूची साक्षात्कृति करने देता जाना करवाने के ४५ दिन बाद उक्त सूची नहीं मिलती तो सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा आयातित माल की निकासी की अनुमति उपस्थित हस्तोपण के आधार पर देनी किसूची संबंधित प्राधिकारी की जमा करा जी गई थी और नियंत्रक प्राधिकारी, चरणबद्ध विनियोग कार्यक्रम से नियंत्रित समय में नियंत्रण प्राप्त नहीं हुआ। है।

(7) स्वदेशीकरण के जो मामले चरणबद्ध विनियोग कार्यक्रम के अन्तर्गत नहीं प्राप्त हैं, की यूनिटों के मामले में वास्तविक उपयोगता को सीमा-शुल्क निकासी के समय तेसी घोषणा सीमा शुल्क प्राधिकारियों को देनी होती।

(8) ऐसे यूनिट जिनका स्वदेशीकरण विनियोग कार्यक्रम समाप्त हो गया है, उन्हें आयातित माल की निकासी के समय, सीमा शुल्क प्राधिकारियों को ऐसा घोषणा-पत्र देना ज्ञाता कि उनका चरणबद्ध विनियोग कार्यक्रम समाप्त हो गया है तथा आयातित मालों में चरणबद्ध विनियोग कार्यक्रम के द्वारा न स्वदेशीकरण का मामल, अनुसूचित नहीं है।

(9) यही सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात वाले इलेक्ट्रानिक संघटकों पर सूची साक्षात्कृति प्रक्रिया लागू नहीं होती।

(10) जिन वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकारी के अस्थाई पंजीकरण है, वह भी भी इस लाइसेंस के अधीन कर्त्तव्य माल, संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिये पात्र होता।

(11) लषु क्षेत्र में जिन वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) के पास प्रयोजक प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया ऐसा पंजीकरण प्रमाण पत्र है जिसे किया रूप में "अनियम" चिह्नित किया गया है, तो वे भी काढ़े माल, संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिए इन लाइसेंस के अधीन पात्र हैं, जब निकासी के समय यह साथ प्रस्तुत किया जाये कि संबंधित वास्तविक उपयोगता से आयातित माल के लागत बीमा भाड़ा शुल्क के २५ प्रतिशत के बराबर शुल्क के लिये बैंक गोरठी के साथ इस संबंध में एक बाण देता है कि वास्तविक उपयोगता आयातित माल का उचित उपयोग करने वाले यूनिट के समर्थन में प्रायोजक प्राधिकारी से एक प्रमाणात्मक संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

(12) ऐसे लाइसेंस आयात (नियंत्रण) भारत, १९५५ की अनुसूची ६ की शर्त १ के अधीन भी होती।

(13) मानव रिसिट रेडी मोटे सत, मानो कट्टी डॉ/पिटर्ज, ऊ/पटेला ऊ (जो कि मान अवधा कंट्री न की नहीं हैं)/अंगोदा बकरी की बाल (पोहेयर)/अंगोदा बकरी के चिकित्सा बाल (पोहेयर), अंगोदा बकरी के पटेला बाल (पोहेयर) (मान अवधा कंट्री न किये हैं), ऊनी रेम/संशिलिट रेम/पूर्ण रूप से कटी-फटी अवस्था से पहले की अवस्था में रही ऊन के संबंध में पात्र आयातकों को अपनी संविदावें वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास पंजीकृत करवानी पड़ती। आयात तभी किये जायेंगे जब संबंधित संविदाओं पर बाल, आयुक्त, बम्बई द्वारा ऐसे पंजीकरण के साथ के रूप में भोहर लाया जी गई हो। इन उद्देश्य के लिये संविदा की दो प्रतिवाद भवत आयुक्त के पास रखी जाती है और वह आयातक को माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों के प्रस्तुतीकरण के लिये एक प्रतिवाद भवत आयुक्त करवानी पड़ती है। आयात तभी किये जाएंगे जो उद्देश्य के लिये संविदा की दो प्रतिवाद भवत आयुक्त के पास रखी जाती है।

(14) जैसा कि उपर पैरा (13) में दिया गया है वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास संविदा के पूर्व पंजीकरण से संबंधित शर्त के अधीन पात्र वास्तविक उपयोगताओं को विनियोग के लिये मानव नियमित रेम, मोटा सून और धागे भी इस लाइसेंस के अधीन भारतीय राज्य व्यापार नियम (एस टी सी) नहीं विली द्वारा आयात किये जा सकते हैं।

(15) भेड़ा ऐण, ये वो सी रेजिन और तांवा कतरन/नावां भिल स्केल के लिये पात्र आयातकों की अपनी संविदायें महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात-नियमित नीति सेल), उद्योग ५वन, नहीं विली के पास पंजीकृत करवानी जाहिये। महानिदेशक तकनीकी विकास के पास पंजीकरण की प्रक्रिया वही होगी जो ऊपर पैरा १२ में दी गई है।

(16) ३ कामिल रीफा एस बी, १-प्रमोनै-४-प्रियाशल पाइप, राजीन और रेका एस के मामलों में, संबंधित आयातकों को अपने टेक्स संबंधित संचित तथा विकास आयुक्त (इन्स) रसायन तथा खाद्य मंत्रालय, विकास आयुक्त का कार्यालय (इन्स), जाप्पी भवन, नई दिल्ली-१ १०००१ के पास पंजीकृत करवाने होते। आयात केवल पंजीकृत विनियोग के साक्ष्य में संबंधित टेक्सों पर विकास आयुक्त (इन्स) के कार्यालय की मोहर लगने पर ही सकता। इस के लिए टेक्सों की दो प्रतिवाद विकास आयुक्त (इन्स) के पास जमा करवानी होती और वे एक प्रति प्रत्येक पृष्ठ पर मोहर लगा कर आयातकों को बात्त देते। यह प्रति साथ के निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करनी होती। परवती टेक्सों के पंजीकरण के समय पात्र आयातकों को एक विवरण में पूर्व टेक्सों ने आयातित माल के आयात और उसके उपयोग के बारे में जानकारी पंजीकरण प्राधिकारी की सूचना/स्टिकार्ड के सिए देनी होती।

(17) (1) ऊन चिथड़ों/रही ऊन/संशिलिट चिथड़ों के आयात की अनुमति केवल तब दी जायेगी जब कि इनका आयात पूर्ण रूप से कटी-फटी अवस्था से पहले की अवस्था में किया जा रहा हो।

(2) इस प्रयोजन के लिये ऊनी चिथड़ों की परिमाणा इस प्रकार दी गई है:

(क) "नए" ऊनी कपड़े के अवयोग बाहे वह हुने हुए या कहाई किये हुए कपड़े के ही और जो वस्त्रों की कटाई करने के बाद बच जाते हों इनमें वर्जी द्वारा काट दिये गये वास्तविक टुकड़े, त्याग दिये गये नमूने और सैमल के टुकड़े भी शामिल हैं।

(व) "पुराने" ऊनी कपड़े के लिये हुए और कांडे से बुने हुए कपड़ों सहित) जो रही थार्ने के विनिर्माण के लिये आवश्यक हों और उनमें सजावटी मध्ये या फटे हुए कपड़े, मैले कपड़े या ऐसे कपड़े शामिल हों जिनकी सफाई या मरम्भत न की जा सकती हो।

(ग) विषुवि की सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा उनकी प्रधिसूचना में निर्विष्ट आवश्यकताओं के समनुरूप आवश्यक होना चाहिये।

(3) यह परिमाण संश्लिष्ट विषयों के लिये आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।

(4) ऊनी रेस्स/संसिष्ट रेस्स/गोदी ऊन का आयात केवल दो पत्तों अर्थात् बम्बई और विली, आई सी डी के माध्यम से अनुमेय होगा।

(18) कच्चे काजू की गिरी के मामले में, भारतीय काजू निगम, इस संबंध में नीति के अनुसार वास्तविक उपयोक्ता (संसाधन एकत्रों) को वितरण करने के लिये इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात करने के लिये पत्र होगा।

(19) कच्चे काजू की गिरी के मामले में आयात संविदा उसके निष्पादन के 7 दिनों को प्रवधि के भीतर भारतीय काजू निगम के पास आयातक द्वारा पंजीकृत कराई जायेगी।

(20) गैरप्रिभित इस्पात और मिथित की भव (जो विशेषतः आपात-निर्यात नीति, 1990—93 [खण्ड-1] के पैरा 23 (2) के उपपैरा (ii) और (iii) में बताए गए हैं उनके अलावा] जो खुले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन आयात हो सकते हैं के मामले में, पात्र आयातकों की ऐसी संविदा करने की तारीख से 30 दिनों के भीतर या माल के पोतलदान की तिथि और, इनमें जो भी पहले हों, उसी को लोहा एवं इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता या उसके फिसी शेषीय कार्यालय के पास अपनी आयात संविदाओं का पंजीकरण कराना पड़ेगा। लोहा एवं इस्पात विकास आयुक्त के पास पंजीकरण करने की प्रतिवाच वही होगी जो कार पैरा (11) में दी गई है। उन मामलों में जहां संविदा के पंजीकरण के लिए निर्धारित प्रवधि के बाद अनुरोध किया गया हो वहां आयातक को पंजीकरण के लिए संविदा के दस्तावेज प्रस्तुत करने में हुए विलम्ब को क्षमा करने के लिए विकास आयुक्त (लोहा एवं इस्पात) कलकत्ता से आवेदन करना चाहिए। विकास आयुक्त (लोहा एवं इस्पात) गुणवत्ता के आधार पर ऐसे मामलों पर विचार करेंगे और यदि संतुष्ट हुए तो विलम्ब क्षमा करने के बाद संविदा का पंजीकरण करेंगे।

(21) महामारी नाशक और घाम-पात नाशी महित कोटनाशक के मामलों में संबद्ध वास्तविक उपयोक्ता (ओर्गेनिक) प्रत्येक माल के परेवण की निकासी के सात दिनों के भीतर आयातित मद, उनकी भाला और उसके लागत-क्षीमा-भाला मूल्य के द्वारा रुपी विभाग (वनस्पति संश्करण विभाग) नई विली को सूचित करेगा।

(22) पालिसिलिकान सिगाल फिल्डल सिलिकान इनाट/बासे/राहस और बेटसुर्जिकल एड सिलिकान के भ्राता के मामले में आयात संविदा साखपत्र खोलने से पहले इलेक्ट्रोनिकी विभाग, लोकनायक भवन, नई दिली के पास पंजीकृत कराई जाएंगी ऐसे रजिस्ट्रेशन के साक्ष के रूप में इलेक्ट्रोनिकी विभाग द्वारा संबंधित संविदाओं पर योद्धर लगाने के पश्चात् ही आयात किया जायेगा।

(23) ग्रीन और स्नेट्क तेल के मामले में 50,000 रुपए तक आयात किया जा सकता है अर्थात् कि भारतीय तेल निगम, मार्किटिंग डिवीजन, बम्बई ने अनापति प्रमाण पत्र जारी कर दिया हो।

(24) आयात-निर्यात नीति, 1990—93 (खण्ड 1) के परिशिष्ट-6 की सूची के अन्त-1 में उल्लिखित हुए मध्ये मध्ये मामले में प्रियंक उद्योग

के नामों का उल्लेख किया गया है। इन मध्यों के लिए संबंधित उद्योगों में जो हुए केवल वास्तविक उपयोक्ता (ओर्गेनिक) ही आयात के लिए पत्र होंगे।

(25) आयात-निर्यात नीति, 1990—93 (खण्ड-1) भाग 1, सूची-8 परिशिष्ट 6 भीतर आने वाली मध्ये निर्यात/प्राप्तार सब्जनों द्वारा वास्तविक उपयोक्ता (ओर्गेनिक) को विक्री के लिए वास्तविक उपयोक्ता मध्ये ने प्रधीन आयात कर सकते हैं। वास्तविक उपयोक्ता की शर्त को छोड़कर खुले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन मध्यों में आयात पर लागू सभी शर्तें प्रतिरिक्त लाइसेंसों के मध्ये खुले सामान्य लाइसेंसों की मध्यों के सम्बन्ध में समान रूप से लागू होंगी।

(26) आयात-निर्यात नीति, 1990—93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 सूची-8 के भाग 2, के अध्यन आने वाली मध्ये, खुले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन वास्तविक उपयोक्ता (ओर्गेनिक) और अन्य द्वारा भण्डार एवं विक्री के लिए आयात की जा सकती है।

(27) कतरन के रूप में आयातित पीतल/तांबा, पाइप्स और इम्ब्रस के मामले में लम्बाई में उनका आकार 60 सें.मी. से प्रधिक नहीं होना चाहिए जब तक कि उनका आयात हाइड्रोलिक सभी प्रसंह विकल्प में कतरन के रूप में नहीं किया जाता।

(28) अभ्यात-निर्यात नीति, 1990—93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 सूची-11, के अन्तर्गत आने वाली मध्यों का वास्तविक उपयोक्ता (ओर्गेनिक) द्वारा केवल तभी आयात किया जा सकता है जबकि वह इलायकोट्रिक मध्यों के विनियमों पंजीकरण लाइसेंस रखता है।

(29) आयात-निर्यात नीति, 1990—93 (खण्ड-1) सूची-II, परिशिष्ट-6 में आने वाली मध्यों का आयात तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग यायल इंडिया लि. (ओ. आई. एल.) भारतीय गैस प्राधिकरण जो ड्रोलियम भारतेशन के संबंध में डाइविंग सेवाओं के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग/आयल इंडिया लिमिटेड/भारतीय गैस प्राधिकरण से मंविदा प्राप्त कर रही हैं/कर सकती हैं। ऐसी यूनिटों को निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग/आयल इंडिया लिमिटेड, भारतीय गैस प्राधिकरण से इस बात का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए कि आयात की गई मध्ये उन्हें प्रवान की गई निवादन के निष्पादन के लिए अपेक्षित है।

(30) खुले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन आयातित माल मुख्य निर्वातक आयात-निर्यात, नई दिली की विना अनुमति के नियम के लिए अनुमेय नहीं है।

(31) उन लाइसेंसों के प्रधीन आयात द्वारा संबंध ओर्गेनिक एकक का उत्पादन स्वीकृत प्राकृतिक धमता से प्रधिक नहीं होगा और स्फ्रेंड एकक अपने अनुमोदित वरणवद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अनुपालन का सुनिश्चय करेंगे।

(32) इस प्रकार आयात किया जाने वाला माल विभिन्न अफीका सप किंजी में तैयार घथवा विनिर्मित नहीं किया गया हो।

(33) खुले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन आयात के लिए अनुमित कच्चा माल, संबंधित और उपभोज्य का भारत की पोतलदान लेप के माध्यम के आधार पर आयात व नियम नीति 1990—93 (खण्ड-1) की प्रवधि के द्वारा आयात करना अनुमित होगा यदि मध्ये खुले सामान्य लाइसेंस से नहीं बदला जाता। तथापि पक्के आयोग अपारिवर्तीय खांडे गए साझ-पत्र द्वारा समर्थित और 28 फरवरी, 1993 से पहले स्थापित आदेशों के बारे में उनका पोतलदान 30 जून, 1993 तक हो सकता है।

(34) उपर्युक्त शर्त सं. 32 में दी गई व्यवस्था के आवृज्जू भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मध्य के मामले में, सरकार को ऐसी संघर्ष सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक

सूचना जारी करने की तारीख से पहले पाव आयातकों द्वारा खोले गए और स्वापित किए गए अपरिवर्तनीय सांख्यक द्वारा नमित पदके प्रादेशिकों में ही पौत लदान किया जाना चाहिए। ऐसे संरक्षण के लिए अपरिवर्तनीय सांख्यक के अतिरिक्त अन्य कोई पदकी व्यवस्था नहीं होगी।

(35) यदि किसी मात्र के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य नियंत्रण या विनियम लागू हो तो इस लाइसेंस का उसको प्रयोज्यता पर योई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(36) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोक्ताओं (आंधोगिक) आयातकों को किसी ऐसे आधार/अनुपालन में किसी समय भी उम्मीद, रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो इसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करते हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी:—इस आदेश के प्रयोगनार्थ “लाइसेंसिंग वर्ष” और अगला “लाइसेंसिंग वर्ष” का जहां भी “अमल” आता है उसका बही अर्थ है जो 1990—93 की आयात एवं नियात नीति (अण्ड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल सं. आईपी सं 3/5/90]

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 1/90—93

New Delhi, the 30th March, 1990

OPEN GENERAL LICENCE NO. 1/90

S.O. 280(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji raw materials, components and consumables by Actual Users (Industrial) subject to the following conditions :—

- (1) The items to be imported are not covered by Appendices 2, 3, 5 and 8 of Import & Export Policy for 1990—93 (Volume I) as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette
- (2) Instruments other than those listed in Appendix 6 of the Import & Export Policy for 1990—93 (Volume-I) shall not be allowed to be imported under this Licence.
- (3) The raw materials, components and consumables are required by the Actual User (Industrial) concerned for his own use, i.e. subject to the “Actual User” condition
- (4) The Actual User shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority, or any other Government authority within such time as may be specified by it.

(5) Actual User (Industrial) at the time of clearance of the goods, shall furnish to the Customs authorities a declaration giving particulars of their industrial licence/registration as Actual User with the concerned authority, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration and the end-product(s) of manufacture, and affirming that (i) such Licence/Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative and (ii) the items imported under this Licence are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority concerned as an industrial unit and their approved phased manufacturing programme. In cases where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed/registered as an industrial unit and eligible to the import made. The Actual Users (Industrial) shall also furnish at the time of clearance of goods, a certified copy of phased manufacturing programme, if any, approved for them by the sponsoring authority or other concerned authority.

(6) Import of components under Open General Licence by the Actual Users (Industrial) shall be subject to List Attestation procedure in cases where the unit is under a Phased Manufacturing Programme of Indigenisation. Such units should get the list of components to be imported attested by the authority which approved the Phased Manufacturing Programme. In the case of Small Scale units the list attestation should be by the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi or by the Small Industries Development Organisation (SIDO) on behalf of DC(SI). The Customs authorities will allow clearance of imported components under Open General Licence on the basis of list attested by the concerned authority. Where an Actual User does not receive the list of components duly attested by the concerned authority within 45 days of the date on which the list was submitted for attestation, the Customs authorities shall allow clearance of the imported consignment on the basis of a declaration by the Actual User to the effect that the list was submitted to the concerned authority and that they have not got the decision from the Phased Manufacturing Programme approving authority within the prescribed time limit. Where import is cleared on such declaration, the components cleared and their quantity/value shall be intimated by the Actual User to DGTB/Textile Commissioner/DC(SI) within 30 days of clearance through Customs.

(7) In the case of units which are subject to the Phased Manufacturing Programme of Indigenisation, the Actual User shall furnish

- a declaration to that effect to the Customs authorities at the time of Customs clearance.
- (8) In the case of units whose Phased Manufacturing Programme of Indigenisation is over shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance of the imported consignment a declaration to the effect that their Phased Manufacturing Programme of Indigenisation is over and that the imported items do not include those which have been or were scheduled to have been indigenised during the Phased Manufacturing Programme period.
- (9) The List Attestation Procedure will not be applicable for import of electronic components allowed under Open General Licence
- (10) The Actual User (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence.
- (11) The Actual Users (Industrial) in the small scale sector having registration certificate issued by the sponsoring authority specifically marked "provisional" will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence, or production of evidence, at the time of clearance, that the Actual User concerned has furnished a bond with a Bank guarantee for a value equal to 25 per cent of the c.i.f. value of the goods imported, to the effect that the Actual User shall furnish to the licensing authority concerned a certificate of the sponsoring authority in support of the unit having properly utilised the imported material or a certificate from the Director of Industries that it has gone into production.
- (12) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (13) In respect of man made fibre, tow, yarns, raw wool|greasy wool|scoured wool (not carded or combed)|angora goat hair (mohair)|greasy angora goat hair (mohair)|scoured angora goat hair (mihair) (not carded or combed), woollen rags|synthetic rags|shoddy wool in completely pre-mutilated condition, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Textile Commissioner, Bombay. Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by the Textile Commissioner, Bombay, as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract shall be lodged with the Textile Commissioner. He will return one copy to the importer, duly stamped, on each page, for production to the Customs at the time of clearance of goods. At the time of registration of subsequent contract, the eligible importer shall also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation|disposal of the imported material in respect of all contracts earlier registered.
- (14) Import of man-made fibres, tow and yarn under this licence can be made by the State Trading Corporation of India (STC), New Delhi for distribution, to eligible Actual Users subject to the condition regarding prior registration of contracts with the Textile Commissioner, Bombay as in condition (13) above.
- (15) In the case of Soda Ash, PVC Resin and Copper Scrap|Copper Mill Scale, all eligible importers shall be required to register their contracts with the DGTD (Import and Export Policy Cell), Udyog Bhavan, New Delhi. The procedure for registration of contracts with the DGTD shall be the same as in condition (13) above.
- (16) In the case of 3 Formyl Rifa SV, 1-Amino-4-methyl Piperazine and Rifa-S, the concerned importer shall be required to register their contracts with the Joint Secretary and Development Commissioner (Drugs), Department of Chemical and Petrochemicals Office of the Development Commissioner (Drugs), Shastri Bhavan, New Delhi-110001. Imports shall be made only after the connected contracts have been stamped by the office of the Development Commissioner (Drugs), as evidence of such registration. For this purpose two copies of the contract should be lodged with the office of the Development Commissioner (Drugs) and they will return one copy to the importer, duly stamped on each page for production to the Customs at the time of clearance of goods. At the time of registration of a subsequent contract, the eligible importer should also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation of the imported material in respect of contracts earlier registered for information|record of the registering authority.
- (17) (i) Import of woollen rags|shoddy wool|synthetic rags will be allowed only when these are imported in completely pre-mutilated condition.
- (ii) Woollen rags for this purpose are defined as under :
- (a) 'New'—waste woollen cloth woven or knitted which is left after a garment had been cut out including genuine tailor cutting piece ends, discarded pattern bunches and sample bits;
- (b) 'Old'—Rags of woollen textiles fabrics including knitted and crocheted fabrics which are required for manufacture of shoddy yarn and may consist of articles of furnishing or clothing or other clothing so worn out, soiled or torn as to be beyond cleaning or repair;

- (g) The mutilation must conform to the requirements specified by Customs authorities in their notifications.
- (iii) This definition shall apply mutatis-mutandis to synthetic rags.
- (iv) Imports of Woollen rags|synthetic rags|Sheddy wool will be allowed through two ports only viz. Bombay and Delhi ICD.
- (18) In the case of raw cashewnuts, Cashew Corporation of India will also be eligible to import under this licence for distribution to the Actual Users (Processing Units), in accordance with the Policy in force in this regard.
- (19) In the case of raw cashewnuts, the import contract shall be registered by the importer with the Cashew Corporation of India within a period of 7 days of its execution.
- (20) In the case of non-alloy steel and alloy steel items (except those specifically mentioned in sub-paras (ii) and (iii) of para 26(2) of Import-Export Policy, 1990—93 (Volume-I), importable under Open General Licence, all eligible importers shall be required to register their imports contracts with the Development Commissioner (Iron & Steel), Calcutta, or with any of his regional offices, within thirty days from the date of entering into such contracts or the date of shipment of goods, whichever is earlier. The procedure for registration of contracts with the Development Commissioner (Iron and Steel) shall be the same as in condition (13) above. In cases where the request for registration of contract is made after the stipulated period, the importer shall apply to the Development Commissioner (Iron & Steel), Calcutta, for condoning the delay in submission of the contract documents for registration. The Development Commissioner (Iron & Steel) may consider such cases on merits and, if satisfied, register the contract after condonation of delay.
- (21) In the case of insecticides including pesticides and weedicides, the Actual Users (Industrial) concerned shall, within seven days of the clearance of each consignment, send to the Department of Agriculture (Plant Protection Division), New Delhi, particulars of the items imported, the quantity and the c.i.f. value thereof.
- (22) In the case of Polysilicon, single crystal silicon ingots|bars|rods import contract shall be registered with the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi, before opening letter of credit. Import shall be made after the connected contracts have been stamped by the Department of Electronics, as an evidence of such registration.
- (23) In case of greases and lubricating oils import can be made upto Rs. 50,000 provided
- India Oil Corporation, Marketing Division, Bombay has issued no objection certificate.
- (24) In respect of certain items mentioned in Appendix 6, List 8, Part I, of Import & Export Policy 1990—93 (Volume I) the names of specific categories|industries eligible for import have been mentioned for these items; only those categories|the Actual Users (Industrial) engaged in the respective industries will be eligible to import under this licence.
- (25) Items covered under Appendix 6, List 8, Part-I of the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I) can also be imported against Additional Licences by Export Houses|Trading Houses as per policy All the conditions applicable to import of items under Open General Licence, except the Actual User condition, will equally be applicable in respect of import of Open General Licence items against Additional licences.
- (26) Items covered under Appendix 6, List 8, Part II of the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I) can be imported under Open General Licence by the Actual Users (Industrial) and others for stock and sale.
- (27) In the case of brass|copper pipes and tubes imported as scrap their size shall not exceed 60 cms in length, unless they are imported as scrap in hydraulically pressed briquettes.
- (28) Items covered under Appendix 6, List 10 of the Import & Export Policy, 1990—93 (Volume I) can be imported only by the Actual User (Industrial) holding a Manufacturing Licence|Registration Certificate for electronic items.
- (29) Items appearing in Appendix 6, List 11, of the Import & Export Policy for 1990—93 (Volume I) can be imported by Oil & Natural Gas Commission|Oil India Limited (OIL)|Gas Authority of India Limited (GAIL) and by units receiving contracts for diving services in support of petroleum operation from ONGC|OIL|GAIL. Such Units should produce to the Customs authorities, at the time of clearance, a certificate from ONGC|OIL|GAIL to the effect that the items imported are required for execution of the contracts awarded to them.
- (30) Goods imported under Open General Licence are not permissible for export without the written permission of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.
- (31) By import under this Licence, the production of the industrial unit concerned shall not exceed the licensed|authorised capacity, and the unit concerned shall ensure adherence to its approved phased manufacturing programme.

- (32) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (33) Shipment of raw materials, components and consumables under Open General Licence can be made on through consignment basis to India during the currency of the Import and Export Policy for 1990—93 (Volume-1) unless the item has been shifted from the Open General Licence. However, in respect of firm orders backed by irrevocable letters of credit opened and established before the 28th February, 1993 by Actual Users (Industrial) for use in his factory, shipment can be made upto the 30th June, 1993.
- (34) Notwithstanding what has been provided in Condition No.(33) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No firm commitment other than irrevocable letters of credit will be eligible for such protection.
- (35) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (36) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC|3|5|90]

प्रादेश सं. 2/90—93

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 2/90

का. ना. 281(अ):—आयात-नियति (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) को खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा सरकारी राजपत्र में समय समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा यथासंशोधित 1990—93 (खण्ड 1) की आयात और नियति नीति के परिणाम-1, भाग ब्र में विधिष्ठित विवरण के पूर्जीगत माल का दक्षिणी अफ्रीका संघ/फ्रीडकर किसी भी देश से 1 अप्रैल 1990 से 31 मार्च 1993 तक निम्नलिखित अलौं के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है:—

(1) आयातक, महानिवेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या राज्य के सम्बद्ध उत्पाद निदेशक या ग्रन्थ सम्बद्ध प्रयोजक या सरकारी प्राधिकारी, जो भी हों, के साथ पंजीकृत एक ऐसा वास्तविक उपयोक्ता (प्रीयोगिक या गैर-प्रीयोगिक) हो जिसे ऐसे मर्वों को अपने निजी कारखाने, व्याणियक प्रतिष्ठान, संस्थान,

आपात्कार्य उपयोक्ता या उपयोक्ता के अधीन आयात करता है। पूर्जीगत माल के आयात की सुविधा प्राप्तपत्र द्वारा युक्तिहासीनी की जाती है।

(2) हम प्रत्यारोपित माल नगदीय।

(3) (1) विणेप शेषी के लिए सूचीबद्ध पूर्जीगत माल उत्तरी शेषी के अन्तर्गत आने वाले वास्तविक उपयोक्ता द्वारा आयात किया जा सकता है तथापि, 'मरीन उपकरण' 'मापक यन्त्र' 'जांच उपकरण' 'कैलेंजिंग मरीनरी' एवं विविध मर्वों के शीर्षकों के अन्तर्गत आने वाली मर्वों का आयात मरीन वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत किया जा सकता है। यदि वास्तविक उपयोक्ता खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत किसी अन्य शेषी द्वारा आयात के लिए अनुमेय पूर्जीगत माल का आयात करने का इच्छुक है तो उसका आयात महानिवेशक, तकनीकी विकास ने इस प्रमाण-पत्र के आधार पर सीमांशुलक द्वारा अनुमति किया जाएगा कि यह मद उत्तरांश में उपयोग के लिए अनुमित है।

(2) परिणाम-1, भाग-ब्र की प्रविधि सं. 3(1) के अधीन कम सं. 1, 17, 28, 29, 34, 35, 45, 47, 52, 63, 64, 73, 75, 76, 77, 78, 81, 82, 83, 92, 93, 101, 107, 122, 127, 130 और 135 के अधीन सूचीबद्ध मरीन उपकरणों के बारे बारे सी/री पत्र सी।

(3) "खुले और कलाई मरीनरी" के सामान्य को देखते उन्हीं यूनिटों को अनुमति होगी, जो विदेशी वर्षी में सर्वश्रेष्ठ उपयोक्ता नियांति 20% (सूची या मात्रा) तक कर रहे हैं। इस आयात का अस्तायुक्त से एक प्रभाग पत्र एवं एक प्राधिकारी के समझ प्रस्तुत करना होगा।

(4) पुराने पूर्जीगत माल कम्प्यूटर/कम्प्यूटर वस्त्र गिरजम पेरीकेल खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन का आयात अनुमति नहीं किया जाएगा।

(4) अतिरिक्त पुर्जे (जहाँ अनुमेय भा प्रतिवर्त्तन किम्बा के) जिसमें मूल्य उपस्कर के मूला के 15% तक उपयोक्ता और दूलिंग भी जामिल हैं का आयात भी खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत किया जा सकता है। यदि नेमें अतिरिक्त पुर्जे, उपसाधिक और दूलिंग 15% से अधिक मूल्य के तिए अपेक्षित हैं, तो वास्तविक उपयोक्ता ने उस वास्तविक मूल्य को निर्दिष्ट करते हुए जिसके लिए खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत मूल्य उपस्कर के अतिरिक्त पुर्जे उपसाधिक दूलिंग के आयात की अनुमति दी जा सकती है कि निकित अनुमति महानिवेशक, तकनीकी विकास से प्राप्त करनी चाहीदी है और उसे निकामी के तिए सीमांशुलक प्राधिकारी के पास प्रस्तुत किया जाए।

(5) अतिरिक्त पुर्जे, उपसाधिक और दूलिंग या तो मूल्य उपस्कर के साथ या उसके बावजूद आयात किए जाने के तिए अनुमति किए जाएं, लेकिन मूल्य उपस्कर के पृष्ठभूमि से पहले नहीं।

(4) विषयालीन पूर्जीगत माल के आयात द्वारा प्रावेश का उत्पादन लाइसेंस प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा।

(5) आयातित माल की निकामी के समय वास्तविक उपयोक्ता (गैर-प्रीयोगिक) को सीमांशुलक प्राधिकारी के द्वारा एवं स्थानान्वयन, सिनेमा अधिनियम अधिकारी संबंधित स्थानीय कानून जिसके द्वारा उनको आयात करने का हक है, के अन्तर्गत वर्तमान वैध पंजीकृत प्रमाण-पत्र मूल रूप में अधिकारी कोटी प्रति प्रस्तुत करनी होगी।

(6) यह लाइसेंस आपोजक प्रायोजक प्रायिकरणों के लाइसेंसियन एवं व्हार्सिंग लाइसेंस औद्योगिक साइर्सेंस प्रायोजक प्रायिकरण का व्हैल देने वाले प्रायोजक औद्योगिक लाइसेंस प्रायिकरण की मध्या और इनके और विनियमी की अंत तक उभाव (वि.) और वह पुरित करने द्वा कि (1) वे व्हैल लाइसेंस प्रायोजक प्रायिकरण न जो इन किए गए हैं या वापर लिए गए हैं या अन्यथा लाप ये प्रयत्न में हैं और (2) आयातित माल औद्योगिक उपकरण के रूप में उनके औद्योगिक लाइसेंस प्रायोजक प्रायिकरणी के पास पंजीकरण की शर्तों के बिन्दुक अनुसार हैं, एक औपचार्य वापर सम्बद्ध सीमा-शुल्क प्रायिकरणों को प्रस्तुत करेगा। उन मामलों में जहां सम्बद्ध प्रायोजक प्रायिकरणी द्वारा अन्य में लाइसेंस पंजीकरण संभव नहीं दी गई है, आयातक को सीमा-शुल्क प्रायिकरणी की सन्तुष्टि के लिए इस सम्बद्ध में अन्य कोई प्रमाण प्रस्तुत करने द्वारा कि वह लाइसेंसधारी है औद्योगिक प्रायोजक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए भी पात्र है।

(7) नेपा आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका अथा किंवा ऐसे बनावा या विनियमी त किया गया हो।

(8) यहे सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमति मणीनी और उपायकारक वा पोतनवान आयात और विवरित नीति 1990-93 की अवधि के द्वारा जब तक कि मद को यहे सामान्य लाइसेंस से हटा नहीं दिया जाना अनुमित है। ऐसे मामलों में जहां पहली संविदा मिल गई है और किसी मुद्रा डैलर (डैक) के साथ 25 कर्वरी, 1993 से पूर्व पंजीकृत की गई है तो पांसलदान 31 मार्च, 1994 तक किया जा सकता है। विनेंग मामलों में जहां माल की डिलीवरी का समय अधिक अस्त्री तो, मुख्य नियंत्रक आयात नियन्त, नई दिली यहे सामान्य लाइसेंस के अधीन पोतनवान की नियन्त्रित की जाए वहा गवाने हैं।

(9) उपर्युक्त गर्ने (8) के होने हुए भी यदि सरकारी राज्यपद में लोकहित में प्रकाशित मार्खेजनिक सूचना द्वारा किसी मद को यहे सामान्य लाइसेंस से निकाला जाता है, गरकार यह प्रधिकार मुरक्कित रखता है कि उम समय सीमा, जो को गई पवारी संविदा के मद्दे पोत लवान किया जाना चाहिए और मार्खेजनिक सूचना को जारी करने की नियन्त्रित की पूर्व विदेशी मुद्रा बैंक के माध्यम पंजीकृत होना चाहिए, जो नियरित कर सकती है।

(10) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदित, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के अधीन होगा।

(11) यदि जिसी माल के आयात के समय उनके आयात पर प्रभाव डालने हुए कोई अन्य नियेष्य या विनियम लाग द्वारा तो इस लाइसेंस का उसकी प्रायोजन्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(12) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपगोक्तव्यों (औद्योगिक) आयातक का किसी ऐसे आभार अनुपालन में किसी समय भी उन्मुक्ति दियायत या छुट प्रदान नहीं करता तो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिए लाग अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

OPEN GENERAL LICENCE NO. 2/90

S.O. 281 (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Capital Goods of the description specified in Appendix I, Part B of Import and Export Policy for 1990-93 (Volume I,) as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions :—

- (1) The importer is an Actual User (Industrial or Non-Industrial) registered with the DGTD or the concerned State Director of Industries or other sponsoring or Government Authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his factory, commercial establishment, institution, professional office or other premises concerned, subject to "Actual User" condition. The facility for import of capital goods is also available to units holding letters of intent.
- (2) The goods so imported shall be new.
- (3) (i) Capital goods listed for a particular category can be imported by the Actual Users falling under the same category. However, items appearing under the heading 'Machine tools', 'Measuring instruments', 'Testing instruments', 'Packaging machinery', and 'Miscellaneous items', import can be made under Open General Licence by all Actual Users. If an Actual User wants to import an item of capital goods permissible for import under Open General Licence by another category, its import shall be allowed by the Customs on the basis of a certificate from the DGTD that the item is also required for use in his industry.
- (ii) NC/CNC versions of the machine tools 1, 17, 28, 29, 34, 35, 45, 47, 52, 63, 64, 73, 75, 76, 77, 78, 81, 82, 88, 92, 93, 101, 107, 122, 127, 130 and 135 under Entry No. 3(i) of Appendix 1, Part B will not be permitted.
- (iii) Import of "Open end spinning machines" will be allowed under OGL, only to units exporting 20% (by value or by volume) of the best year's production during the preceding two years. A certificate to this effect from Textile Commissioner may be produced before the customs authorities.
- (iv) Import of second-hand capital goods computer/computer based systems and peripherals will not be allowed under Open General Licence.
- (v) Spares (whether permissible or restricted types) including accessories and toolings

upto 15 per cent of the value of the main equipment can also be imported under Open General Licence. If such spares, accessories and toolings are required for a value more than 15 per cent, the Actual User should obtain written clearance from the DGTD, New Delhi, indicating the actual value upto which such spares/accessories/toolings may be allowed for the main equipment under Open General Licence, and produce the same to, the customs authorities for clearance.

- (vi) Spares, accessories and toolings may be allowed to be imported either alongwith the main equipment or subsequent thereto, but not before the arrival of the main equipment.

(4) By import of the Capital Goods, in question, the production of the applicant shall not exceed the licensed/authorised capacity.

(5) The Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the imported goods furnish to the Customs authorities the original or a photostat copy of the currently valid Registration Certificate held by them under the Shors and Establishment Act, Cinematographic Act or concerned local statute, entitling them to effect the import.

(6) The Actual Users (Industrial) shall produce to the Customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his Industrial Licence/Letter of Intent/Registration, as an industrial unit with the concerned authorities, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Letter of Intent/Registration and the end product(s) of manufacture, and affirming that (i) such Licence/Letter of Intent/Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative; and (ii) the items imported are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Letter of Intent/Registration with the sponsoring authority as an industrial unit. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit and is eligible to the import made.

(7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.

(8) Shipment of machinery and equipment allowed for import under Open General Licence can be made during the currency of the Import & Export Policy 1990-93 (Volume I) unless the item has been shifted from Open General Licence. In cases where firm contract has been entered into and

registered with the foreign exchange dealer (bank) before the 28th February, 1993, shipment can be made upto the 31st March, 1994. In specific cases where delivery period is still longer, the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi may allow shipment under Open General Licence upto a further extended period.

- (9) Notwithstanding anything provided in Condition No. (8) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contract entered into and registered with foreign exchange dealer (Bank) before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available for contracts other than those duly registered with a foreign exchange dealer (Bank).
- (10) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (11) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or the regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported;
- (12) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial or Non-Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC|3|5|90]

आदेश सं. 3/90/93

खाली सामाल्य लाइसेंस मं. 3/90

का आ. 282 (प्र).—1 अप्रैल 1990 से 31 मार्च, 1993 तक आयात तथा निर्यात (निवेदित) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के त्रै 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके हुए केन्द्रीय सरकार एन्ट्रेंट्री विभाग अफिलियॉ और किसी संघ को छोड़कर विषय के किसी भी देश से सरकारी गवर्नमेंट में गारंचनिक सूचना जारी करके समय-नियम पर यथासंशोधित 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक की आयात-निर्यात नीति (छाण-1) क परिविष्ट 2, 3, 8 या 10 में प्रदित्त पर्याम से विश्व अधिकृत अनिवार्य पूर्जी के प्रयोग में अवैधित तथा प्रयोग के विरुद्ध उत्पादित, अनुसंधान उपकरण, नियन्त्रण और प्रयोगशाला उत्पादक श्रीर सूचना उत्पादणों महिना, लाइसेंसिंग वर्ष के प्रत्येक माह की पढ़ी तिथि को इष्टिवाया उत्पादन किए जा रहे पंजीयन माल क प्रबन्धन के लिए योग्यता और वास्तविक उपयोगकार्यों द्वारा आवेदन की जानी वाली उपयोग के विरुद्ध उत्पादित, अनुसंधान उपकरण, नियन्त्रण और प्रयोगशाला उत्पादक श्रीर सूचना उत्पादणों महिना, लाइसेंसिंग वर्ष के प्रत्येक माह की पढ़ी तिथि को इष्टिवाया उत्पादन किए जा रहे पंजीयन माल क प्रबन्धन के लिए योग्यता और वास्तविक उपयोगकार्यों (प्रोशोगिक अवधारणा गैर-प्रोशोगिक) द्वारा उत्पादन कारों की सामान्य सनुष्ठान देनी है :—

- (1) वास्तविक उपयोगका (प्रोशोगिक) निकासी के समय भीमा शक्ति प्राप्तिकारियों को यथा उपयुक्त आवेदन विश्व अधिकृत लाइसेंसों/

पंजीकरण प्रमाण-पत्रों प्रयापि औद्योगिक लाइसेंस/औद्योगिक एकक के रूप में सम्बद्ध प्राविधिकारी के पास पंजीकरण की संतुष्टि दिनांक और विनिमित्त अन्तिम उत्पाद का विवरण देने हुए एक ऐसा जीवणा पत्र हैं जिसमें इस बात की पुष्टि होगी कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है। अन्यथा वापिस नहीं किया गया है। जिन मामलों में संबंधित प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा पृथक पंजीकरण संझा आवंटित नहीं की गयी है, आयातक सीमा-एन्ऱ्स प्राधिकारियों की सम्बुद्धि के लिए अन्य कोई प्रमाण-क्रम प्रस्तुत करेगा कि वह लाइसेंसधारी/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए पात्र है।

- (2) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगिता (गैर-श्रौतोगिता) द्वाकान और स्थापना अधिनियम, सिनेमाटोग्राफिक अधिनियम अथवा उपयुक्त स्थानीय अधिनियम के अन्तर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाणपत्र की भल प्रथा फोटोस्टेट (ब्रेंडमार्क समय में बंध) प्रति जो उनको आयात के लिए अस्विकृत करती हो, सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करें।

(3) संगणक प्रणाली के मामले में, अनुमेय अतिरिक्त पुर्जों के आयात की अनुमति आयातित संगणक के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के 5 प्रतिशत पर या ऐसी अनिवार्य संगणक प्रणाली की खरीद मूल्य के 2 प्रतिशत अथवा संगणक जो कि फोटो बनाने वाली मशीनों का एक अधिक अंग है, के 5 प्रतिशत पर या ऐसी जाएगी। आयातित माल की निकासी के समय जैवा भी मामला हों, आयातित को सीमा-शुल्क प्राधिकारी को सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव (व्यवसायी) या संबंधित प्रायोजित प्राधिकारी की लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य या संगणक प्रणाली के खरीद मूल्य को प्रदर्शित करते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए। उन्हें इस मंबंद्ध में एक घोषणापत्र भी देना चाहिए कि त्रिस परेण्य की निकासी की जानी है उसके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य अतिरिक्त उसी अवधि में इस प्रकार से पहसु ही आयात किए गए माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य अनुमेय सीमा से ज्यादा नहीं हो। सनदी/लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव को आवेदक फर्म या उसकी सहायक शाखाओं का भागीदार या संकालक या कमेचारी नहीं होता चाहिए।

(4) कम्प्यूटर मैटोनेन्स कारपोरेशन लि. (सी.एम.सी.) पुराने ग्रीष्म-रिकॉर्ड पुर्जों/उपभोज्य और तकनीकी प्रशिक्षण माल का आयात, आयातित कम्प्यूटर सिस्टम के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य की पांच प्रतिशत के समग्र मूल्य के भीतर अपनी जिम्मेदारी में अनुरक्षित किए जाने वाले या ऐसे मालिकों द्वारा भानीटर, किए जाने वाले इसी प्रकार के सिस्टम जो कि अपने को सी.एम.सी. के साथ पंजीकृत कराएं। आयातित माल की निकासी के समय सी.एम.सी. को सीमाशुल्क प्राधिकारियों को सनदी/लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव (कार्यरत) का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें उसकी अपनी जिम्मेदारी के अन्तर्गत अनुरक्षित आयातित कम्प्यूटर या सी.एम.सी. के साथ पंजीकृत स्वामियों द्वारा अनुरक्षित इसी प्रकार के नियमों का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य दिया गया हो।

(5) राज्य बिजली बोर्ड, परियोजनाओं और उपकरणों, जो बिजली उत्पादन और वितरण के कार्य में लगे हैं, पत्तन व्यास और मिचाई विमान/परियोजनाएं विभागीय उपकरण भी यु.सा.ला के अधीन आगातकालीन अतिरिक्त पुर्जे (अनुमित और नीर-अनुमित अतिरिक्त पुर्जे दोनों) वित्त मंत्रालय या प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा विदेशी मुद्रा को रिहाई के शर्तानन्दीन आयात कर सकते हैं। तथापि, यदि ऐसे आयातों के अतिरिक्त पुर्जे

का मूल्य 25 रुपये रु. से अधिक हो तो उसकी दूसरी मद्दत-
निवेशक, ताफ़ातीकी विरास से साझाभित करवानी प्रयोगित
होगी।

- (6) उपर्युक्त किसी भाव के बाबत जूदा भी, उपर्युक्त 3 में उल्लिखित प्रत्यय शर्तों के अध्यवौन कम्प्यूटर भिस्टम के सामग्रे में ऐसे अनुभेद पृष्ठों के आवाह की अनुमति भी समय के भीतर दी जाएगी।

(7). वे लघु धैत्र के एकक जिनके पास मन्त्रद्वय प्रयोजित प्राधिकारियों के अनिम पंजीकरण हैं, वास्तविक उपयोक्ताओं को ऊपर चिरिदिष्ट शर्तों के अनुरूप इस लाईफैस के अन्वर्तन मात्र आयात करने के पाव सौंदर्य।

(8) वास्तविक उपयोक्ता जूदा ल-डॉन वे: प्रत्यर्ति आपनिव माल के उपयोग का नियर्धारित रूप और किंवित के उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य मरकारों प्राधिकारियों को उनके द्वारा विभिन्नका समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।

(9) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त 1 के भी अनुरूप होगा।

(10) इस तरह आयात किया जाने वाला माल अधिकारी का संघ और किसी में वैयार अथवा विनेमित न किया गया हो।

(11) यूने सामान्य लाईफैस के अन्वर्तन आयात के लिए अनुभावित ऐसे माल का पोनमध्यान आयात-नियंत्रित नीति, 1990-93 भी अवधि के औरान यदि वे आइटम यूने सामान्य लाइसेंस से बदल न विए गए हो, किया जा सकता है। इन समस्तों में जहाँ पक्के ठेके कर दिए गए हैं, और विवेकी मुद्रा डॉलर (वैक) के पास 28 फरवरी, 1993 से वहाँ पंजीकृत करा दिए गए हैं, पोनमध्यान 31 मार्च, 1994 तक किया जा सकता है। उन विशिष्ट मामलों में, जहाँ डिनीउरी अवधि नम्बर हो, मुक्त नियंत्रण, आयात-नियंत्रित नई विस्तीर्ण यूने सामान्य लाइसेंस के अन्वर्तन घोषित नहीं लशन की तिथि में पृष्ठि कर सकते हैं।

2) उपर्युक्त शर्त 1. (11) में दो नई वायात के बाबत भी जोहड़ित में साकारों ग्रजपत्र में म.वैज्ञानिक मूक्ताना जारी करके यूने सामान्य लाइफैस में से ली गई किसी भी मद के मामगने में, सकारात्मकोंपैरी समय सीमा निवारित करने का प्राधिकार है जिसके द्वारा सावेतनाह मूक्ताना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्वापित किए गए प्रापत्रिवर्तीय साखन-पत्र द्वारा साधित पत्रके आवेदों/संविदा बशर्ते कि प्रत्यनाशोन मविशा ल.वैज्ञानिक मूक्ताना जारी होने से पूर्व किसी विवेणी गुद्धा के आवागी (वैक) के पास विधिवत् रूप में पंजीकृत हों या कर्म के मद्दे पारदर्शन किया जाना चाहिए। अदेशोंको प्रत्यक्ष किसीके म.मने में ऐसे संश्लेषण उपलब्ध नहीं होगा।

(13) यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालती हुए कोई अन्य नियंत्रण या वित्तिम जागू जोता हुग ल-इमेन का उमसी प्रयोगता तात्परी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(14) प्रमुख लैंसेस कानूनिक उत्तराधिकारी (आधारिक) गैर-
आधारिक /आधारिक को किसी दैश आमार/ अनुपालन से
किसी समय भी उभयकृत खियावत या सूच प्रवान नहीं करता
जो उसी अन्य कानूनों के विविधानों को शामि के तहत पूर्ण
करने हों। आधारिकों को उसके लिए जाग अलग सभी
एकत्री के प्रत्यक्षण जौ अनुपालन करती छहिये।

ORDER NO. 3190—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 3190

S.O. 282(E).—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (3 of 1947), the Central Government hereby give general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji "permissible" spares, i.e. all those parts required as spares, other than the items appearing in Appendices 2, 3, 8 or 10, in the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume 1), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, as are required for their own use for maintenance of Capital Goods, including accessories, ancillary equipment, control and laboratory equipment and safety appliances, installed or in use as on 1st April of the licensing year by the Actual Users (Industrial or Non-Industrial), subject to the following conditions :—

- (1) The Actual User, (Industrial) will furnish to the Customs authorities, at the time of clearance, a declaration giving particulars of their Industrial Licence|Registration Certificates, as appropriate, namely, Number and Date of Industrial Licence|Registration with concerned authority as industrial unit and end-product(s) manufactured, and solemnly affirming that such Licence|Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases where a separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed|registered as an industrial unit and is eligible to the import made.
- (2) The Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the goods, furnish to the Customs authorities, the original or a photostat copy of the Registration Certificates (Currently valid) held by them under the Shops and Establishment Act Cinematographic Act or appropriate local statute, entitling them to effect the imports.
- (3) In the case of computer systems, import of permissible spare parts will be allowed at 5 per cent of the c.i.f. value of imported computers or two per cent per annum of the purchase price of the indigenously manufactured computer systems or five per cent of the cost of the photocomposing machines of which computer is an integral part. At the time of clearance of the imported goods, the importers should furnish to the Customs authorities, a certificate from Chartered|Cost Accountant or Company Secretary (in practice) or the sponsoring authority concerned showing the c.i.f. value of the purchase price of the computer system, as the case may be. They should also furnish a declaration to the effect that the c.i.f. value of such goods already imported during the same financial year does not exceed the permissible limit, including the c.i.t. value of the consignment to be cleared. The Chartered|Cost Accountant or Company Secretary should not be a partner or a director or an employee of the applicant firm or its associates.
- (4) The Computer Maintenance Corporation Limited (CMC) shall be eligible to import tools, consumables and technical training material, testing equipment as also second-hand and reconditioned spares within the overall value of 5 per cent of the c.i.f. value of the imported computer systems being maintained by them. At the time of clearance of the imported goods CMC should furnish to the Customs authorities a certificate from a Chartered|Cost Accountant or Company Secretary (in practice) showing the c.i.f. value of the imported computer systems maintained under their own responsibility or similar systems maintained by owners who registered themselves with the CMC.
- (5) State Electricity Boards, Projects and undertakings engaged in production and distribution of electricity, Port Trusts and Irrigation Departments|Projects, Departmentally run undertakings shall be eligible to import emergency spares, both permissible and non-permissible spares, under Open General Licence subject to release of foreign exchange by the Administrative Ministry or the Ministry of Finance. Such imports will, however, require list attestation by DGTD if the value of spares exceeds Rs. 25 lakhs.
- (6) Notwithstanding anything provided above import of non-permissible spares will also be allowed in the case of computer systems within the overall limits mentioned in condition (3) above subject to other conditions.
- (7) Small Scale Units having provisional registration with the sponsoring authorities concerned will be eligible to import goods under this licence, subject to the Actual User condition.
- (8) The Actual User shall maintain proper account of utilisation of the goods imported under this licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (9) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 & 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (10) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.

(11) Shipment of such goods allowed for import under Open General Licence can be made during the currency of the import and export Policy 1990—93 (Volume-I) unless the item has been shifted from Open General Licence. In cases where firm contract has been entered into and registered with the foreign exchange dealer (bank) before the 28th February, 1993, shipment can be made upto the 31st March, 1994. In specific cases where delivery period is still longer the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi may allow shipment under Open General Licence upto a further extended period.

(12) Notwithstanding anything provided in Condition No. (11) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contracts provided the contract in question has been duly registered with a foreign exchange dealer (Bank) before the date of issue of the Public Notice or firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

(13) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

(14) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial or Non-Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC|3|5|90]

आदेश सं. 4 / 90—93

खुला सामग्र्य साइर्स सं. 4 / 90

का. आ. 283(ग्र) :—प्रायात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार बहिण अफीका संघ फिजी को छोड़कर विषय के किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1988 से 31 जानवर, 1990 तक सरकारी राजपत्र में समय समय पर जारी की गई सार्वजनिक सुचना द्वारा यथासंशोधित नींवे विधिव्यवस्था के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

1. विदेश में मरम्मत के पश्चात लागत बीमा भाड़े के प्राप्तार पर नियुक्त अवधार भूमाल (लागत बीमा भाड़ा) पर जो कि आयातित मरीनी (इलेक्ट्रोनिक और कम्प्यूटर उप जूड़वारों के लागत बीमा भाड़ा मूल्य का 30 प्रतिशत) के लागत बीमा भाड़ा मूल्य का 10

प्रतिशत से अधिक न हो अथवा एक लाख रुपये, इनमें से जो भी कम हो, मरीनी का (टिकाऊ उपभोज्य की दौड़कर) पुनः प्रयत्न किया जा सकता है वर्षते कि संसामान शुल्क प्राधिकारी इस बात में अनुमत हो कि पुनःआयातित मरीनी है जिसकी विदेश में मरम्मत के लिए भेजा गया था।

2. 2,000 रुपये मूल्य तक के व्यापार मरीनों मूल्यों पत्रों और अस्पत्रों के मुफ्त उपहार।

3. मरीनी और संवेद स्पानर्स, जाय और निर्माण, अत्युत्थान मार्किनों से संभारित वे व्यापक और इंडिया (माइक्रोफिल्म सर्विस) जो मुफ्त में संभारित किए जाते हैं, और जिनका लोई भी व्यापक मूल्य नहीं है।

4. एक वैष्णव में अधिकतम 20,000 रुपये के लागत बीमा भाड़ा मूल्य तक के मुफ्त में संभारित किए जाने वाले मूल तहनों की जीर व्यापार संबंधी नमूने जिनमें वनस्पति वौज मधु मध्यमियाँ, चाय और नये भेषज शामिल नहीं हैं।

5. वास्तविक तकनीकी तथा जाय के व्यापारिक नमूने जो 1000 रु. लाभत भाड़ा मूल्य से अधिक नहीं और एक परेयण में हों, जाय बोर्ड, कलकत्ता की सिफारिश पर मुफ्त सप्लाई किये जा सकते हैं, तो उसकी सिफारिश को माल की निकासी के सन्दर्भ सीमा शुल्क प्रतिकारियों को प्रस्तुत करना होगा।

6. मुकाबले में संभारित की जाने वाली मूल विज्ञापन संबंधी वह सामग्री जो एक ही परेयण में 2,000 रुपये के लागत बीमा भाड़ा मूल्य से अधिक नहीं है।

7. विवेशी संभरकों द्वारा मुकाबले में संभारित माल या ऐसा माल जो जहले आयात किया गया हो परन्तु जो उपयोग के लिए लुटिपूर्ण या अनुपयुक्त पाया गया हो या आयात के बाद औं गया हो दूट फूट गया हो, उसके बदले में किसी बीमा कम्पनी द्वारा तथ किए गए बीमा (लम्बाई) या समुद्री और शिर्मार्ता के दावे के मद्दे आयातित माल बताते कि :—

(क) प्रति स्थापन वाले माल का पोन्तदान पहले आयात किए गए माल के सीमाशुल्क के भाड्यम से निकासी की विधि से 24 महीनों के भीतर किया गया हो या मरीनों अथवा उसके पुर्जों के मामले में यदि ऐसी व्यवधि 24 मरीनों से अधिक हो तो पौल लाभान गारन्टी अवधि के भीतर किया गया हो।

(ख) जिस मामले में विवेशी संभरक द्वारा माल का प्रतिस्थापन इन शर्त पर किया गया हो कि आयातिक प्रतिस्थापन के लिए बीमा और या भाड़े का भुगतान करेगा और घन परिवर्त करते समय इस संबंध में वस्तावेजी सांख्य प्रस्तुत किया गया हो तो ऐसी मामले के प्रतिरिक्त किसी भी प्रकार के घन परेयण की अनुमति नहीं दी जाएगी :—

(ग) प्रति स्थापन माल की निकासी के समय नियन्त्रित वस्तावेज नीमा शुल्क प्रतिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे :—

(1) मुफ्त में प्रतिस्थापन के मामले में विवेशी संभरक के साथ के रूप में यह प्रवर्णित करते हुए मूल पत्र-कि माल मुफ्त संभारित किया जा रहा है।

(2) नाइक्स ऐजेंट से या जिसी प्रथा शाविहत बीमा लंबों शर्क से सर्वेक्षण प्रमाणपत्र या मरीन या उसके पुर्जों के मामले में अवस्थायी स्वावलम्बी सुनदी ईजीनियर (या

सरकारी विभागों और मर्जनिक खेत्र के स्थानों के मामले में मूल्य दार्ये (प्रभागी) से इस संबंध में प्रसंशणपत्र या पहरे आयात किया गया माल दास्तव में कुट्टिपूर्ण बदल में प्राप्त किया गया था और उसके प्रतिस्थापन की आवश्यकता थी;

(3) जिन मालों के उपर्युक्त उप खंड (क) में निर्दिष्ट ३५ मर्हानों की अवधि के बाद पौत्र लाशन किया गया हो तो उस मामले में मर्हानों या उनके उत्तीर्ण के लिए विदेशी गंभीर या माल परेपक द्वारा गारंटी की अवधि प्रदर्शित करते हुए साक्षम;

(4) नए मिशनों द्वारा परेपक थले प्रतिस्थापन आयात के मामले में जैमा कम्पनी द्वारा मार्गे एवं भूत्तात्त्व का साक्षम। लेकिन यह सरकारी विभागों के मामले में आवश्यक नहीं होगा वशर्तें कि प्रेषित घन को प्राप्त करने के लिए विदेशी मूल्य वित्त मंत्रालय (आधिक कार्य विभाग) ब्रेझामनिक मंत्रालय द्वारा रिहा की गई हो। प्रतिस्थापन आयात की अनुमति बीमा कम्पनी द्वारा निर्णीत गांग के मूल्य तक की दी जाएगी, परन्तु इस धनराशि में २ प्रतिशत की वृद्धि की अनुमति प्रतिस्थापन के रूप में आयात की जाने वाली मर्हानों के न्यूल्य में वृद्धि के कारण दी जा सकती है।

8. भारत के औपचार्य नियंत्रक, नई दिल्ली के पूर्व लिखित अनुमोदन के साथ और उनके द्वारा निर्दिष्ट किसी घर्त के अपेक्षन शेष विषयक परेपकों के लिए मुफ्त में संभवित भेजवा और औपचार्य औपचार्य नियंत्रक का अनुमोदन भाल की निकासी के समय, सीमा शुल्क प्राधिकारियों की मनुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

9. विभेदी समरसों द्वारा भारत में थोक एजेन्टों को मुफ्त में संभवित भेजवा औपचार्यों के मूल आयात नमूने जो एक परेपण में लागत-बोमा-भाड़ा मूल्य में १० हजार रुपये से अधिक न हों और भारत के औपचार्य नियंत्रक, नई दिल्ली के लिखित निकासी के नाथ जो माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

10. भारत के औपचार्य नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित निकासी जो माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी, के अधार पर मुफ्त में या भूत्तात्त्व पर मन्त्रालय भाल की जाएगी।

11. पश्चात्तलन आयुष्टत, भारत सरकार, नई दिल्ली की सिकारिया पर मुफ्त आयात भूत्तात्त्व पर भेजे गए पशु ट्रैकिंग लिस्ट में मर्हानों पानन-ट्रैकिंग भोग शामिल हैं, के लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत दी जाती है।

12. कोटनाशी प्रधिनियम, 1962 के अंतर्गत गठित पंजीकरण समिति द्वारा जारी किए गए पंजीकरण के आधार पर और कोटनाशी प्रधिनियम, 1968 की अनुदूवों में सम्मिलित मर्हों के लंबवंध में समिति द्वारा लिखित रूप में डेलीचित माला तथा उक्त प्रधिनियम की अनुदूवी में प्रसम्मिलित मर्हों के संबंध में भारत सरकार के संवेदन दुर्ला संवाहकार के लिखित अनुमोदन पर मुफ्त मन्त्रालय द्वारा गये कोटनाशी (महामारी और घासपात माली सहित) के तकनीकी और आयात नमूने भाल के समांशोद्धन के लिए प्रस्तुत किए जाने हैं।

13. डार्किं अम सं. (5), (10) से (12) में दर्शाए गई भर्तों के संबंध में, जहाँ पर अपेक्षित में भेजी गयी हों, अनुमेय माल के आयात की अनुमति उपलेखः या बूद्धिमत्ता पैकिन में नहीं होगी और प्रेषित ८०,००० माफन्साफ अक्षरों में नमूने विक्री के लिए नहीं; अंकित होते।

14. इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित व्यापार सूची-पत्र एवं परिस्कर, द्वाके एवं बूद्धिमत्ता और नक्कोंकी प्रथवा आयात नमूने आयात के लिए उपयोग के लिए है और उन्होंने वेज नहीं जाएगा, और अन्यथा रूप से हस्तांकरण नहीं किया जाएगा।

15. इस अवधिया के अन्तर्गत आयात नमूनों के रूप में अंतिम उपयोगको माल के आयात की अनुमति नहीं हो जायेगी। तथापि औपचार्यिक लाइसेंस पंजीकरण प्राप्त व्यापार वस्तुओंका इसके विनियम के लिए ऐसी मर्हों को तकनीकी नमूनों के रूप में आयात करने के लिए पात्र होते।

16. यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव ढालो हुए कोई अन्य विवेद्य या विनियम लागू हो तो उस लाइसेंस का उपयोग व्यापार नहीं हो पाएगा।

17. प्रस्तुत लाइसेंस वस्तुवाक उपयोगकर्ताओं (औपचार्यिक) आयातक किसी ऐसे आयात/अनुपालन से किसी समय भी उत्पन्न, रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या अधिनियमों का शर्तों के तहत पूर्ण फारंग हो। अद्यतर्वर्षों का उत्तर लिए लागू अन्य समा कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करता चाहिए।

[फाइल सं. आई.पी.सी. ३/५/९०]

ORDER NO. 4/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 4/90

S.O. 283(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission with effect from the 1st April, 1990 to the 1st March, 1993 for importation of the goods specified below, (as amended from time to time by issue of Public Notice in the Official Gazette), from any country, except the Union of South Africa and Fiji :

- (1) Re-import of items (excluding consumer durables) after repairs abroad, free of charge on c.i.f. basis or on payment (c.i.f.) not exceeding 10 per cent of the c.i.f. value of the imported machinery (30 per cent of the c.i.f. value of the imported parts or sub-assemblies in the case of electronic and computer sub-assemblies) or Rs. 1 lakh, whichever is lower, subject to the satisfaction of the customs authority that the item reimported is the same which was sent abroad for repairs.
- (2) Free gift of trade catalogues and circulars upto a value of Rs. 2,000.
- (3) Blue prints and drawings (including micro films) relating to machinery and plant sites, work and building research data, supplied free of charge and having no commercial value.
- (4) Bona fide technical and trade samples supplied free of charge not exceeding Rs. 20,000 in c.i.f. value, in one consignment, excepting vegetable seeds, bees and new drugs.

- (5) Bona fide technical and trade samples of tea supplied free of charge not exceeding Rs. 1,000 in c.i.f. value, in one consignment, on the recommendation of the Tea Board, Calcutta, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (6) Bona fide advertising material supplied free of charge not exceeding Rs. 2,000 in c.i.t. value, in one consignment.
- (7) Goods supplied free of charge by foreign suppliers or imported against an insurance (marine) or marine-cum-erection insurance claim settled by an Insurance Company in replacement of the goods previously imported but found defective or otherwise unfit unsuitable for use of lost/damaged after import provided that :
- the shipment of replacement goods is made within 24 months from the date of clearance of the previously imported goods through the Customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof where such period is more than 24 months ;
 - No remittance shall be allowed, except for payment of insurance and freight charge where the replacement of goods by the foreign suppliers is subject to the payment of insurance and/or freight by the importer and documentary evidence to this effect is produced at the time of making the remittance ;
 - the following documents shall be produced to the satisfaction of the Customs authorities, at the time of clearance of the replacement goods :—
 - original letter from the foreign supplier as evidence of goods being supplied free of cost in the case of the replacements ;
 - a survey certificate issued by the Lloyds Agents or any other authorised insurance surveyors or in the case of machine or parts thereof, a certificate from a professional independent Chartered Engineer (or Chief Executive in the case of Government Departments and Public Sector Undertakings) to the effect that goods previously imported were actually received in defective condition and required replacement ;
 - evidence showing the period of grant fees given by the foreign manufacturers of consignees in the case of machines or parts thereof, where shipment takes place after the period of 24 months stipulated in sub-clause (a) above ;
- (iv) evidence of settlement of claim by the insurance company, in the case of replacement import involving fresh remittances. This will however not be necessary in the case of Government departments, provided foreign exchange has been released by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Administrative Ministry to cover the amount to be remitted. Replacement imports will be allowed upto the value of the claim settled by the insurance company but an increase upto ten per cent of this amount may be allowed owing to the increase in the value of the machinery to be imported in replacement.
- (8) Drugs and medicines supplied free of charge for clinical trials with the prior written approval of the Drugs Controller of India, New Delhi and subject to any conditions laid down by him. The approval of the Drugs Controller shall be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.
- (9) Bona fide trade samples of drugs and medicines supplied free of charge to the sole agents in India of the foreign suppliers, not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value in one consignment on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.
- (10) Human vaccines and sera supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of customs authorities at the time of clearance.
- (11) Animal vaccines including poultry vaccines, supplied free of charge or against payment, on the specific recommendations of the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (12) Technical and trade samples of the insecticides (including pesticides and weedicides), supplied free of charge, on the basis of the registration issued by the Registration Committee set up under the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968) and the quantity specified by the Committee in respect of items included in the Schedule to the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968), and on the written approval of the Plant Protection Adviser to the Government of India in respect of items not included in the Schedule to the said Act, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.

- (13) In respect of items covered by Sl. Nos. (5) and (10) to (12) above, where the items are supplied free of charge, import of the permissible material shall not be allowed in consumer or retail packing and the consignment shall be clearly marked "sample not for sale."
- (14) Trade catalogues and circulars, blue prints and drawings, and technical or trade samples imported under this licence are for the use of the importers themselves and shall not be sold or transferred otherwise.
- (15) Import of finished consumer goods as trade samples will not be allowed under this provision. However, import by actual users holding Industrial Licence[Registration] Letter of Intent for manufacture of the same will be eligible to import such items as technical samples.
- (16) This Licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported.
- (17) This Licence does not confer any immunity exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial)importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC[3|5|90]

प्रावेश सं. 5/90—93

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 5/90

का. आ. 284(अ) :-- आयात तथा विभाग (नियंत्रण) प्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रबन्ध अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं दूरात्मक नियंत्रण गती के लिये किसी भी

- भारत सरकार, विभाग एवं प्रोटोकोली विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसंधान एवं विभाग पूर्विणे।
- केन्द्रीय अधिकारी द्वारा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विभागिक प्रबन्ध अनुसंधान प्रयोगालाएं उच्च विभाग भविष्यान तथा प्रसारात्मक।
- भारत सरकार द्वारा स्थापित टेस्ट हाउस प्रबन्ध अधिकारी के मानक छंगों (बोर्ड एस) द्वारा मान्यता प्राप्त।

का उनके द्वारा अपेक्षित कर्त्तव्य साल, मंष्टकों, उपभोजनों यांत्रिकीय उपकरणों, उप साधकों और अतिरिक्त पुर्जों की मध्यों का विभिन्न अधिकारी विभिन्न प्रयोग अधिकारी और फिल्म संघ की ओङ्कार किसी भी दृश्य में 1 अप्रैल, 1988 में 31 मार्च, 1990 तक भारत में आयात के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :--

- आयात निकायी के समय सीमा वर्त्त प्राविकारियों को केन्द्रीय अधिकारी द्वारा सरकार जो भी हो, द्वारा प्रपत्ती मान्यता का विभाग देते हैं। और यह प्रोटोकोल करते हुए कि प्राविकारिय में उनके लिए अपेक्षित है, एक प्रोटोकोल प्रस्तुत करेगा। अनुसंधान और विभाग एककों के मामले में, यह यह

भी घोषणा करेगा कि आयातित माल अनुसंधान और विभाग के लिए आवश्यक है।

(2) भारत सरकार, विभाग एवं प्रोटोकोली विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसंधान एवं विभाग मूल्यों में शिर उपभोजन माल तथा उपकरणों को अनुसंधान एवं विभाग के उद्देश्य के लिए आयात करते के लिए पाव बोर्डी। अनुसंधान एवं विभाग उद्देश्यों के लिए अपेक्षित व्यवधारणिक प्रेष्ट उपभोजन माल या आयात भी खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयात किया जा सकता है यद्यने कि एक वर्ष में एक नम्बर से प्रधिक कोई आइटम आयात किया जाए और उस एकल आइटम का मूल्य 5 लाख रुपये से अधिक न हो। अनुसंधान और विभाग संस्थान के प्रधान को यह प्रमाणित करता है अपेक्षित लोगों कि पूर्जीत माल और उपकरणों की प्रतिवर्द्धित मद्दें अधिक आयात किए जाने वाले व्यवधारणिक प्रेष्ट उपभोजन द्वारा उपभोजन का आवश्यकता अनुसंधान एवं विभाग कार्यों के लिए अपेक्षित है।

(3) इस प्रावेश संघर्ष मानीशरी का आयात अनुमति नहीं किया जाएगा।

(4) कम्प्यूटर/कम्प्यूटर सर्वरसेट/कम्प्यूटर, पैरेकरलस का आयात भी इन्सेट्रोलिकी विभाग से पूर्व स्वीकृति प्राप्त करते के पश्चात खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन किया जा सकता है। नियमित, सभी अधिकारी द्वारा द्वारा द्वारा सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत अनुसंधान कम्प्यूटर और कम्प्यूटर सिस्टम के आयात के लिए इन्सेट्रोलिक विभाग की पूर्व स्वीकृति देने परावधक नहीं होगी।

(5) इस प्रकार आयातित माल का उत्तमता अधिक विनियमित विधियां अप्रैल के संघ और फिल्मों में न किया गया है।

(6) आवश्यक येड उपभोजन इन्सेट्रोलिक का पर्याल्य मर्गीनों और उपभोजनों माल का आयात करता अनुमति मही होगा।

(7) अनुसंधान एवं विभाग के प्रयोगालाई किसी भी प्रकार के जो वित एवं तन्त्राली माइक्रोप्रोग्रामिज के आयात के मामले में, सीमांगत निकायी के समय सीमांगत प्राविकारियों की संतुष्टि के लिए भालू सरकार, कृषि विभाग के प्रशासन अधिकृत की पूर्व अनुमति प्रमुख करती चाहिए।

(8) आयातक पत्तन से पाल की निकायी के 30 दिनों के अंतर नीचे संकेतिक प्राविकारी को प्रदेश पार लाख रुपये अवधार इसमें अधिक मूल्य के लिए उसके द्वारा आयातित माल का विवरण प्रस्तुत करेगा :--

(1) अनुसंधान एवं विभाग एककों और ईजानिक तथा अनुसंधान प्रयोगालाएं जैसे के मामले में विभाग एवं प्रोटोकोली विभाग, नई विलो एवं मूल्य नियन्त्रक, आयात-नियंत्रित की भी इसकी सूचना दी जाए।

(2) इन्सेट्रोलिक भवित्वों के अंदर में इन्सेट्रोलिक विभाग, विलो को।

(3) लकड़ी की विभाग महानियेश्वर मर्ग दिल्ली को उस मामलों में जिसमें एक उनके पास पंजीकृत किया गया हो।

(4) चिकित्सा दवा और उच्च शिल्प संरचनाएं भी हो, के मामले में, केन्द्रीय अधिकारी द्वारा सरकार के रांचु प्रशासनीय मंत्रालय की।

- (9) यह लाइसेंस आयात (विप्रवाण) आदेश, 1955 की अनुदृती-5 में शर्त 1 के द्वारा दी गई।
- (10) ऐसा मान निना किया जिसकी अवधि को बाहे वह अन्तिम छठ भी ही 31 मार्च, 1993 को या उससे पहले भारत को लदान कर दिया गया हो अथवा फरवरी 1993 के अंतिम नियम को या उससे पहले गई और अधिकारी भवा क अपार्टमेंट (बैंक) के साथ पंजोड़न पक्षी गंधिदा के गुड़/भण्डानी/शान्ति/प्रतिरक्षा युज़ी के मामले में अप्रैल 31 अप्रैल 1994 की प्रवक्ता इससे पहले भारत को परंपरा के माध्यम से लदान कर दिया गया हो।
- (11) उपर्युक्त शर्त सं. 10 में दो गई अवस्थाएँ बावजूद भी निम्नलिखित से सहारी राष्ट्रपति में सर्वजनिक सूचना जारी करें खुले नामांय नामांयन में से लो गई किसी की नद के नामले पर संस्कार को ऐसी समय सोमा निर्वाचित करने का अधिकार है जिसके द्वारा गार्वमिति सूचना जारी करने की तरीख से पहले गांधी आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किया गया अन्तर्विनायक माध्यम द्वारा समर्पित पक्षके अद्देशों के मुद्रे प्राप्तनाम किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के अद्देशों के मामले में निम्न कोई सुरक्षा अवस्था उपलब्ध नहीं है।
- (12) यदि माल के आयात के समय उसके ग्राहक पर प्रभाव आकर्षण कोई निरेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (13) यह लाइसेंस किसी भी आमार या दिनी किसी भी शर्त का प्रत्याक्षल करने से किसी भी नमूने उन्मुक्ति, रिकायन या छोल प्रयोग नहीं करना है जिस आमार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोग (अवैधिक) या आयात अन्य कानूनों या विनियोगों के अधीन है या आयातकों को उसे न.ग् अन्य सर्व कानूनों की शर्तों का पालन करना न हो।

[फाइल में आई पी. नं. 3/5/90]

ORDER NO. 5/90—93.

OPEN GENERAL LICENCE NO. 5/90

S.O. 284(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1990, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji, items of raw materials, components consumables, machinery, equipment, instruments, accessories, tools and spares, required by any (i) Research and development units recognised by the Department of Science & Technology Government of India or the Department of Scientific and Industrial Research, Government of India, (ii) Scientific or research laboratories, institutions of higher education and hospitals recognised by the Central or State Government and (iii) Test Houses set up by the Government of India or recognised by the Bureau of Industrial Standards (B.I.S.) subject to the following conditions :—

- (1) The importer shall produce to the customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of its recognition by Central or State Government or Bureau of Industrial Standards, as the case may be,

and declaring that the items imported are required for its own use. In the case of R&D units, they shall also declare that the imported item is required for R&D purposes.

- (2) Research & Development units recognised by the Deptt. of Science & Technology, Govt. of India or the Department of Scientific and Industrial Research, Government of India shall also be eligible to import for research and development purposes, capital goods and instruments appearing in the Restricted lists. Import of professional grade consumer goods required for research and development purposes can also be made under OGL subject to the condition that not more than one number of an item is imported in a year and the value of a single item does not exceed Rs. 5 lakhs. The head of the Research and Development institution will be required to certify that the Restricted items of Capital goods and instruments or professional grade consumer durables sought to be imported are required for research and development purposes.
- (3) Import of second-hand machinery will not be allowed under this provision.
- (4) Import of computer/computer sub-systems, computer peripherals can also be made under O.G.L. after obtaining prior clearance of the Department of Electronics. However, prior clearance of the Department of Electronics will not be necessary for import of computers and computer systems allowed under Open General Licence by all persons for their own use.
- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (6) Import of office machines and consumer goods other than professional grade consumer durables will not be permitted.
- (7) In the case of import of live and attenuated micro organism in any form for R&D purposes, prior permission from the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India in the Department of Agriculture shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (8) The importers shall furnish to the authorities mentioned below within 30 days of the clearance of goods from customs, the particulars of the goods so imported by them, for a value each of Rs. 1 lakh or more :—
- (i) Department of Science & Technology, Deptt. of Scientific & Industrial Research, New Delhi in the case of R&D units and Scientific and Research Laboratories, under intimation to the CCI&E New Delhi.

- (ii) Department of Electronics, New Delhi, in respect of electronic items.
- (iii) DGTB, New Delhi, in the case of units registered with them.
- (iv) Administrative Ministry of the Central or State Government concerned, as the case may be, in the case of hospitals and institutions of higher education.
- (9) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (10) Such goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March 1993 or, in the case of machinery/equipment/spares shipped on or before 31st March 1994 against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before last date of February 1993 without any grace period whatsoever.
- (11) Notwithstanding any thing provided in Condition number (10) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (12) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (13) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other law applicable to them.

[File No. IPC/3/5/90]

प्राप्ति सं. 6/90—93

द्वारा सामान्य लाईसेंस सं. 6/90

का. आ. 285(अ) :— आयात वथा नियाँग (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने पर केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा नियन्त्रित जारी के अधीन वक्षण अफीका भंड/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना के द्वारा यथायोग्यता आयात एवं नियाँत नीति 1990—93

(खंड 1) के परिणाम-3 में निहित संबंध मर्दों के मामले उचित भनोतीत नावजनिक धोत्र (सरणीधृढ़) अधिकारों द्वारा इस परिणाम से विट्ठ-शुग माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।

- (1) आयात इस प्रयोगन के लिए सरकार द्वारा रिक्त की गई विदेशी मुद्रा के महे किया जाएगा।
- (2) आयात माल का वितरण मध्य भूमि व्यापिकरण द्वारा निर्धारित नीति और क्रियाविधि के अनुसार किया जाएगा।
- (3) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण घटकीका मध्य/फिजी में तेयार अवयव विनियमित न किया गया हो।
- (4) भारत को ऐसे माल का लदान बिता किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो 30 मियांग, 1994 को या इसमें पूर्व परेप्यन के माध्यम से कर दिया जाते हैं। यार्थे 51 मार्च, 1993 को या इसमें पहले पक्के आदेश कर दिया गया हो।
- (5) उपर्युक्त जारी सं. 4 में भी गई अवश्य के बावजूद भी लोक-हित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके द्वारा सामान्य लाईसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पाव आयातकों द्वारा खोले गए और स्थानित किए गए अपरिवर्तनीय साक्षपत्र द्वारा समर्पित पक्के आदेशों के मद्दे दोनोंदान किया जाना चाहिए।
- (6) यह लाईसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 जारी-1 के भी अधीन होगा।
- (7) इस प्रकार के माल का आयात करने वाले लागू दाइ मार्टिरें या उसके प्रायात को प्रभावित करने वाला विनियात इन लाईसेंस के अन्तर्गत किसी भी व्रतार के नाम द्वारा जारी को प्रभावित नहीं करेगा।
- (8) यह लाईसेंस ऐसे किसी भी ग्रामार्थ या ऐसी ही भी गर्व का अनुपालन करने से किसी भी मध्य उत्पक्ष, रियायत या दीन प्रदान नहीं करता है जिन ग्रामार्थ वा गाँव ने दिया वाचन-विधिक उत्पादन (प्रोड्यूसिंग) या ग्रामार्थ वा ग्रामार्थ कानूनों या विनियमों के प्रतीत हैं। आयातहीं को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

[फाइल सं. आई. पी. सी. 3/5/90]

ORDER NO. 6/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 6/90

S.O. 285(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993 to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji, the goods of the description specified in Appendix 5 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by designated Public Sector (Canalising) Agencies mentioned against the relevant items in the said Appendix, subject to the following conditions :—

- (1) The imports shall be made against the foreign exchange released by Government for the purpose.

- (2) Imported goods shall be distributed by the Canalising agency concerned in accordance with the Policy and Procedures laid down.
- (3) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (4) Such goods and shipped on through consignments to India on or before 30th September, 1994 without any grace period, whatsoever, provided firm order is placed on or before 31st March 1993.
- (5) Notwithstanding anything provided in Condition number (4) above, in the any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.
- (6) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the (Control) Order, 1955.
- (7) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods of any other prohibition or regulation, affecting the imports thereof in force, at the time which such goods are imported.
- (8) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/5/90]

आदेश नं. 7/90-93

खुला मागात्य लाइसेंस नं. 7/90

का. आ. 286(अ) :— आयात नियन्त्रण (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदल अधिकारों का प्रदेश करने के दृष्टि द्वारा गर्वार प्रबंधन जिगो, ज़ुनारों, मोर्डम, बाइज एवं पेटर्स (ज़ीन रोलर ड्रिंग महिन), बोल्डम (दागा क्रिकेट के लिए मोर्डम महिन) और प्रेम गहित (और प्रेग और ओर्जों) मरकारी गतिपथ में ममता समय पर जारी की गई मार्जिनिक सूचना द्वारा — यथासंशोधन 1990-93 की आयात नियन्त्रण नीति (खंड-1) के परिणाम-1 द्वारा क 2 और 3 (भाग क में प्रदेश में 'भिन्न') और उनके पुत्रों के भाग में आयात की मामात्य, अनुमति 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक दक्षिण प्रफीक्ता मध्य/पिंजी को घोषकर किए भी देश में निम्ननिविष जारी के अधीन देनी है।—

(1) आयातक याने निजी मंस्थान में उपयोग के लिए ऐसी मद्दत की आवश्यकता रखते हुए महानिदेशक, लकड़ीकी त्रिकाल, नई विल्फी या संयुक्त गति के उद्योग नियंत्रण या अन्य संवद

प्रोजेक्ट प्राधिकारी, जो भी हो, के नाम पंजीकृत एक वास्तविक उपयोक्ता (ओडोगिक) हो,

- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए नियन्त्रण का होगा।
- (3) ओडोगिक अनुमति पंजीकरण अर्थात् ओडोगिक एकक के रूप में वास्तविक उपयोक्ता को जारी किए गए ओडोगिक लाइसेंस/पंजीकरण संस्था तथा दिनांक और विनिर्माण अनुमति उत्पाद के द्वारा देने हुए संबद्ध वास्तविक उपयोक्ता (ओडोगिक) माल की निकासी के समय संबद्ध सीमानुसार प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र यह शपथ भेजे हुए प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण न सो रह किया गया है न वापस लिया गया है और न अन्य प्रकार से अप्राप्ति किया गया है, जिन मामलों में संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी व्हारा अलग पंजीकरण संस्था प्राविद्यन न की गई हो उनमें आयातक मोमा शुल्क प्राधिकारियों का संतुष्टि के लिए अन्य उचित साइट प्रस्तुत करेगा।
- (4) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुमूलीकी 5 में ज्ञात सं. 1 के भी अधीन होगा।
- (5) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिण आंतरिक संघ और किनी में ज्ञावित या विनिर्मित न हों।
- (6) ऐसे माल का वोतावलान 31 मार्च, 1993 को या इसमें पूर्व भारत को प्रेषण के अधीन से या फरवरी का अन्तिम तिथि को या उनमें पहले खोले गए अपरिवर्तनीय साक्षणों के लिए पक्के आदेशों के मध्ये 31 मार्च 1994 को या इसमें पूर्व कर दिया गया हो और जो कुछ भी हो, इसमें किसी फिल्म की नियायी व्यवस्था की स्थीरता नहीं ही जाएगी।
- (7) उपर्युक्त शर्त संस्था 8 में दी गई व्यवस्था के नावनुद मी नोकटित में मरकारी गतिपथ में गर्वार्जनिक सूचना जारी करने के द्वारे सामान्य लाइसेंस में से भी गई किनी भी मर के मामले में मरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने वा अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की नारीब से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साक्षण पत्र द्वारा समर्पित पक्के आदेशों के मध्ये दोतावान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में किसी भी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती।
- (8) इस प्रकार का माल आयात करने समय लागू बोर्ड भी नियंत्रण अधिकार उनके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (9) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोक्ता (ओडोगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की जर्नी के अधीन आता हो उसे वायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उत्तराधिकार दृष्ट या दील प्रदान नहीं करता है। आयातक ये इस लिए सागू अन्य कानूनों का अनुपालन करता चाहिए।

[फार्म नं. 3/5/40 — आई. ए. सी.]

ORDER NO. 7/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 7/90

S.O. 286(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Jips, Fixtures, Dies and

Patterns (including contour roller dies), Moulds including moulds for diecasting), and Press Tools (other than those appearing in Appendices 1 Part A, 2 and 3 Part-A of the Import and Export Policy 1990—93.(Volume-I) and Parts thereof, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions :—

- (1) The importer is an Actual User (Industrial) registered with the (DGTI), or the concerned State Director of Industries or other sponsoring authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his own undertaking.
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture.
- (3) The Actual Users (Industrial) concerned shall produce to the satisfaction of the customs authorities concerned at the time of clearance a declaration giving particulars of his Industrial Licence Registration Certificate, namely, the Number and Date of the Industrial Licence|Registration issued to the Actual User as an industrial unit and the end-product(s) manufactured, and affirming that such Licence|Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, he shall produce appropriate other evidence to the satisfaction of the customs authorities.
- (4) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of Such Africa and Fiji.
- (6) Such goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, 1993 or on or before 31st March, 1994 against firm orders for which irrevocable Letters of Credit are opened on or before the last date of February 1993, without any grace period whatsoever.
- (7) Notwithstanding anything provided in Condition No. (6) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (8) Nothing in his Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the

import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

(9) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[File No. IPC|3|5|90]

आदेश नं. ४/९० - ७३

बुका, नामांन लाइसेंस नं. ४/९०

का. आ. 287(अ) :— आयात तथा निर्गत (निःशर) अधिकार 1947 (1947 का 18) के खंड 3 दाय प्रति गतीय वर्ष १९९० होने हुए केंद्रीय सरकार द्वारा निःशरिता गतीय के अयात रजिस्ट्रेशन अधिकार मध्ये फिजा को छोड़कर किसी भी देश से १ अप्रैल, १९९० से ३१ जून, १९९३ तक तेल स्था प्राकृतिक गैस प्रायोग (गो. एन. जी. सी.) प्रायत्र इंडिया लि., भारतीय गैस प्राधिकरण नि., में भारत स्वर्ग यात्रा नि. और भारतीय स्टॉल प्रधिकरण लि. (एम. ए. आई. एल.) द्वारा कच्चे माल को मदों, संघटकों, उत्तरोत्तम मशालग उत्तराण और घन्त, उत्तराधर्मों औजारों और प्रतिक्रिया युज़ों (फिन्डु उत्तरोत्तम माल को लाइसेंस चाहे, उसका उत्तरोत्तम किसी भा प्रकार बयों न किया गया हो) भारत में प्रायार्थ करने का समान्य अनुमति देता है।

(1) तेल एवं प्राकृतिक गैस प्रायोग (गो. एन. जी. सी.) आयात इंडिया लि. और भारतीय गैस प्राधिकरण नि. द्वारा करने के लिए अनुमति मई वैद्युति निःशर निःशर। एवं प्रायार्थ १६ गैस मंत्रालय के अधान तेल उत्तरोत्तम में देशीय अमता के दूषिकोण पर अधिकार प्राप्त समिति ने देशीय दूषिकोण से प्रत्युति प्रदान कर दी है। इसके लिए साध्य सोमा शुल्क प्राधिकारियों का प्रयुक्त होता होगा। तथा (4) और (4) के अधान देशीय अमता के दूषिकोण से स्वाकृति प्राप्तिकरण नहीं होगा। परिणाम—१ भाग वा में वा गई गतायारा, और अनुमय प्रतिक्रिया युज़ों के आयात के लिए तेल उत्तरोत्तम माल को लाइसेंस प्राप्त समिति का अनुमति का आवश्यकता नहीं होगा।

(2) मैमंस भारत स्वर्ग निःशर नि. द्वारा याता गया न के लिए प्रत्युति कों गई वे मर्द होंगा जिनका महानिधन तथाता विकाय नई विलंग ने देशीय दूषिकोण से अनुमति प्रदान कर दी हो। परिणाम—१ भाग 'ख' में दी गई अमता तथा प्रयुक्त प्रतिक्रिया युज़ों के प्रायात के लिए स्वेच्छा दूषिकोण से निकासी आवश्यक नहीं होगा। मनुद्वा इनीश्ट्रुमेन्ट उपकरण और पुज़े हैं, तथा दूरसंचार उत्तराण शामिल हैं फिन्डु इस तंत्रि के परा ६ (१७) के प्रतीकान्त आने वाले दूरसंचार उपकरणों के अवाया आयात के बल इनीश्ट्रुमेन्ट द्वारा अनुमति देने के परानां शुल्क प्रत्युति किया जाएगा। यदि तेसे निःशरों का दूष २५ रु. से अधिक होगा तो परा ६ (१७) के अन्तिम आने वाले दूर संचार उपकरणों के लिए दूर संचार विभाग (दूर संचार समिति) का पूर्व प्रत्युमति आवश्यक होगी। इस बारे में माध्य मीमा, शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) भारतीय इस्पात प्राधिकरण नि. द्वारा आयात के लिए प्रत्युति मर्द वैद्युति युज़ों द्वारा उत्तरोत्तम और बुलाया (मायार नामा एवं इस्पात अमता में) इस्पात संबंधी की परियोजनाओं के आधुनिकीकरण के लिए अपेक्षित है और जो स्वेच्छोंकोण से अचिक्ष की आवश्यकता (इस्पात के अन्तर्गत अधिकृत समिति द्वारा मुक्त है)। इस प्रमाण का प्रमाण मीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा। परिणाम—१, भाग—३ और अनुदित शिविरियों युज़ों में वा गई अमता तथा आयात के लिए

स्वदेशी निकासी अधिकात नहीं होती हैंगी। आयात के बारे में प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मुद्रा विदेशी मुद्रा के मद्दे में हो किया जाएगा। परिणाम-। भाग-न्यू और अन्य मिल अनिवार्य पुर्जे में दो गई योगान्तरों के आयात के लिए अधिकृत समिति द्वारा निकासी आवश्यक नहीं होती हैंगी।

(4) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किए जाएंगे लेकिन नीचे के पैरंगे (5) पार (6) में आने वाले को छोड़कर।

(5) जहां सवित्र मविवाद उस विदेशी ठेकेशर को दो गया है, जो कार्य के निष्पादन के लिए उपकरण आवा है, वशतें कि (क) ऐसे उपकरणों के आयात के लिए भूगतान न किया जाना हो और (ख) तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, मैरेस आयात इंडिया लि./भारतीय गैस प्राधिकरण लि., यह बचत दे कि कार्य को समाप्ति पर ऐसे उपकरण पुर्जे नियात कर दिए जाएंगे उन मुद्दों जिनकी व्यपत अधिकार प्राप्त गुम अथवा खराब अवयवों स्टॉच हो चुकी हैं, को छोड़कर जिन्हें तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, भारतीय लेल लिए तथा भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा प्रसारित किया गया है। धर्म आयातित उपकरण प्रोजेक्टर या केमरा जो किसी मद के साथ जुड़ा हुआ है और जो उसके पुर्जे के रूप में होता है ऐसी कंट्रूमर ड्यूरेकल्स का आयात, ओ.एन.जे.सी. मुद्रा उपकरण के राहे उसका पुर्जे नियात करने के लिए दिए जाने वाले के गवान होता है।

(6) जहां भवेश्वर मस्गांव डाकम लि., अवया मर्वेजनिं थंक्स के इसी प्रकार के किसी अन्य उक्तम का आफ-शोर/प्रान-शोर मर्विं द्वारा आवाता है और विवेशं हंजानियरों/विवेशंजों को सेवाएं कार्यों को पूरा करने में लगा हुआ है और ऐसे हंजोनियरों/विवेशंजों कार्यों के निष्पादन वे लिए आयात, यंत्र और उपकरण लाते हैं, वशतें कि (क) विवेशं आवाता माल के आयात का भूगतान नहीं करना होगा और (ख) मर्वेजनिं डाकम या अन्य सार्वजनिक थंक्स का गंगान यह बचत देता है कि आयातित ओजार यंत्र और उपकरण उस कार्य को पूरा होने के पश्चात पुर्जे नियात कर दिए जाएंगे।

(7) आयात "वास्तविक उपयोगका" गति के अवान होता है।

(8) यह लाइसेंस आयात (नियन्त्रण) अधिकार, 1955 का अनुसूची-५ का गति-१ के अधाने होता है।

(9) इस तरह आयात किया गया भाव विधिग्रन्थ अकाता मंथ में और फिजा में नैवार अधिकार विनियमन न किया गया है।

(10) भारत को ऐसे माल का लबान विन: किसी व्यापारी अवधि के जाए जो कुछ भी हो, लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्ण परेयन के माध्यम से कर दिए जाते हैं या मणीनरी आर अनिवार्य पुर्जों के मामले में इसका लदान लाइसेंसिंग वर्ष का फरवरी का अनिम तिथि की इससे पूर्ण विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारा (बैंक) के साथ पंजीकृत को गई पक्की सविष्य के मद्दे अधाने लाइसेंसिंग वर्ष को 31 मार्च को या इससे पूर्ण कर दिया जाता है।

(11) उपयोगन गति स. 10 में वे गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में मरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करने के बावजूद लाइसेंस में से नी गई किसी भी मद के मामले में, मरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने को न रीख से पहले कल्पे भान, मंधटकों और उपभोज्य के मामले में योने गए और अधिकार विन: गए, अपार्टमेंट वाल्पत्र द्वारा सर्वानु यसके प्रादेशों के मद्दे और पुंजीगत माल और अनिवार्य पुर्जों के मामले में विदेशी मुद्रा व्यापारी (बैंक) के साथ किए गए और पंजीकृत किए गए पक्के ठेके के मद्दे पोत-नदान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के मार्देशों के मामले में किसी प्रकार की मुद्रा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती।

(12) इस प्रकार का आयात करने समय लागू कोई भी नियेव अवया उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के प्रभावित किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(13) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार पर या ऐसे किसी भी नीति का पालन करने के किसी भी समय उन्मुक्ति विवायत या दोष प्रशान्त नहीं करता है जिस भाभार या जने के लिए वास्तविक उत्तरान्त (श्रीधोगिक) या आयात अन्य कानूनों या विनियमों के प्रयोग हो। आयातकों को उसम लागू अन्य भी कानूनों को शर्तों का पालन करना चाहिए।

[फाइल में, ग्राह.पी.सं.-3/5/90]

OREDR NO. 8/90-93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 8/90

S.O. 287(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji, items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment instruments accessories, tools and spares (but not consumer goods however described), by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Limited, Gas Authority of India Limited, M/s. Bharat Gold Mines Limited and Steel Authority of India Limited (SAIL) subject to the following conditions, namely :—

- (1) The items permitted for import by the Oil India Ltd. and Gas Authority of India Ltd., Oil and Natural Gas Commission (ONGC), shall be those cleared by the Empowered Committee on Indigenisation in the Oil Industry under the Ministry of Petroleum and Chemicals from indigenous angle. Evidence to this effect shall be produced to the customs Authorities. Indigenous clearance will not be required under (5) and (6) below. Clearance by the Empowered Committee on Indigenisation in the Oil Industry will not be necessary for import of machinery appearing in Appendix 1, Part B and permissible spares and for imports under World Bank funding.
- (2) The items permitted for import by M/s. Bharat Gold Mines Ltd. shall be those cleared by the DGTB, New Delhi from indigenous angle. No indigenous clearance will be necessary for import of machinery appearing in Appendix 1, Part B and permissible spares. In respect of any electronic item, including marine electronics and Communications equipment covered under para 7(13) of the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume-I), prior clearance of the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under para 7(13),

prior clearance of Department of Telecommunications (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. The customs authorities will allow clearance under Open General Licence on production of evidence to this effect.

- (3) The items permitted for import by the Steel Authority of India Limited shall be those required for the modernisation projects of the Steel Plants at Durgapur, Rourkela and Burnpur (Indian Iron and Steel Company) and cleared by the Empowered Committee under the chairmanship of Secretary (Steel) from indigenous angle. Evidence to this effect shall be produced to the customs authorities. Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose. Clearance by the Empowered Committee will not be necessary for import of machinery appearing in Appendix I Part B) and permissible spares.

(4) The import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose, except under (5) and (6) below.

(5) Where a service contract has been awarded to a foreign contractor, who brings equipment for execution of work, provided that (a) import of such equipment is not to be paid for and (b) the Oil and Natural Gas Commission|Oil India Ltd.|Gas Authority of India Ltd. undertakes that such equipment shall be re-exported after completion of the work except those items consumed or irretrievably lost or damaged or scrapped, duly certified to this effect by Oil and Natural Gas Commission, Oil India Limited and Gas Authority of India Limited as the case may be. If the imported equipment is fitted with any item such as projector or camera which forms its part, the import of such consumer durables shall be subject to ONGC|Oil India Ltd.|GAIL undertaking their re-export alongwith the main equipment.

(6) Where an off-shore/on-shore contract is awarded to M's. Mazagaon Docks Ltd. or to any other similar undertaking in the public sector, and services of Foreign Engineers|Specialists are engaged for completion of the work, and such Engineer Specialist brings tools, instruments and equipment for execution of work, provided (a) the import of the goods, in question, is not to be paid for, and (b) M's. Mazagaon Docks or the concerned public sector organisation undertakes that the imported tools, instruments and equipment shall be re-exported after completion of work.

(7) The import shall be subject to "Actual User" condition.

- (8) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

(9) The goods so imported have not been produced or manufacture in the Union of South Africa and Fiji.

(10) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1993 or in the case of machinery and spares, these are shipped on or before 31st March, 1994 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February, 1993 without any grace period what-so-ever.

(11) Notwithstanding anything provided in Condition number (10) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established in the case of raw materials, components and consumables and against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) in the case of capital goods, before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

(12) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force at the time when such goods are imported.

(13) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from any obligation or compliance with any requirement of which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC(3)5(90)]

प्रादेश नं. ७/९०—९३

गुरु भाष्य आदिपा म. ५/१०

का आ. 288(ग्र).—प्रायत्न कथा निर्यातः (नियंत्रण) अधिनेत्रम्, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मंत्रालय एवं द्वारा सामान्य स्पष्ट में निम्नलिखित ग्रान्ति के अधीन 1 अपैरिल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक प्रयोग हड्डियां, हंडियन ग्रन्त्रालय साथौदूर तिलू पबल इस विधि और अन्य उन प्रयोग ग्राहकों को जो आई अटीए के गद्दा में और इसके अन्तर्गत विशिष्टकृत स्थिरणों को प्रतिरिद्धि पुर्ती द्वारा देना सामग्री 1990-93 (खण्ड-1) की आयतन नियर्यात नीति के परिविस्तुत प्रायत्न के प्रशंसन व्याप्र व्याप्र व्याप्र व्याप्र भौज भौज नेहरू नो छोटासर एवं ग्रामपाल के द्वायर और द्वयम्, अधिकारी नक्शोंहों द्वायर और उपर द्वायर नियर्यात और रक्षण ग्रामपाल के उपरोक्त सम्बद्ध निवेशन भौज अन्त

तकनीकी माहित्य और संबंधित परीक्षण और प्रगतिशील उपकरणों को आयात करने का व्याप्रति कर प्रवान करना है।—

1. कोई भी उपभोज्य सामान जौहे उपका किसी भी प्रकार से उल्लेख करने का किया गया हो, इस छुटे सामान्य लाइसेंस का व्यवस्थाओं के प्रधान उमे आयात करने की स्वीकृति नहीं ही जाएगी।
2. आयातित मद्दे "वास्तविक उपयोक्ता शर्त" के प्रधीन होंगी।
3. निकाम्ट के मध्य आयातक प्रथरलाइम और आई.टी.ए के असंगत वर्तमान मद्दत्या के अंदरूनी को दर्शाते हुए भीमा शल्क प्राधिकारियों को इक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा।
4. प्रश्नोक्तिव्य/इनियम प्रथरलाइम के मालिक जाहे निजा या गावंजनिक थेब के बीं, छुता सामान्य लाइसेंस के प्रधान अपने प्रथरलाइम के रख-रखाव के लिए, भीमा शुल्क को हम आण्य का साध्य प्रस्तुत करने पर, प्रतिक्रिया पुर्जी (अनुमेय और प्रतिक्रिया दोनों) का आयात कर गकते ही, कि अतिरिक्त पुर्जी के आयात का निकाम्ट महानियंश नागरिक उड़ायन, नई दिल्ली ने कर दा है।
5. आयातित शाल दक्षिण अफ्रीका भव और फिजी मे और यहाँ उभादित या विनियित कर्ता होने चाहिए।
6. भारत को माल का लदान बिना किसी रिवायती अधिक के चाहे जो कुछ भी हो 31 मार्च 1993 को या इसमे पूर्व परेशण भायम से कर दिए जाने हैं।
7. उपर्युक्त शर्त गं. 7 मे दी गई व्यवस्था के बावजूद भा लोकहित मे गम्भारी राजपत्र मे गावंजनिक सूचना जारी करके यहे सामान्य लाइसेंस मे ऐं जी मई की भी मद के मामते मे भर्तकार की ऐंसी भवा भीमा नियंत्रित करने का अधिकार है जिसके द्वारा मावंजनिक रुचना जारी करने की तरीके से पहले पाक आयातको द्वारा खोने गए और स्वाप्ति किए गए मारिंसारा गावंपत्र द्वारा समर्थित पर्स्क आदेशों के मद्दे पाक लदान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामते मे फिरी प्रशार की सुख्ती व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगा।
8. यह लाइसेंस आयात (नियतण) आदेश 1955 की अनुसूचा-5 का शर्त 1 के अधिन द्वौगा।
9. इस प्रयोग के माल का आयात करने भवय नामे कोई भी नियंत्र व्यवस्था उपर्युक्त आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्नत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।
10. यह लाइसेंस ऐंसी किसी भी आयात या ऐंसी किसी भी शर्त का अनुपातन करने से किसी भी समय उत्सुकिश, वियायत या दोष प्रदर्शन नहीं करता है, प्रिय आयात या शर्त के पिया वास्तविक उपयोक्ता (आयातका) अन्य आनंदों या विनियमों के अंतर्नत हो आयातको भी उपर्युक्त अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

[फार्म म. प्राइ.पा.सी. 3/5/90]

ORDER NO. 9/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 9/90

S.O. 288(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby

gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to Air India, Indian Airlines, Vayudoot Limited, Pawan Hans Limited and other Airlines who are members of the IATA and other categories specified hereunder, to import spares, consumables excluding greases and lubricants covered by Appendix 5, Part B to the Import and Export Policy, for 1990—93 (Volume J), aircraft tyres and tubes, manuals, technical drawings, illustrations and other technical literature pertaining to the fleet of aircraft operated and maintained by them and the associated test and training equipment, subject to the following conditions, namely :—

- (1) No consumer goods how-so-ever described shall be imported under the provisions of this Open General Licence.
- (2) The imported items shall be subject to the "Actual User" condition.
- (3) The importer shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of the airline and its current membership of the IATA.
- (4) Owners of executive/training aircrafts, whether in private or public sector, can import spares (both permissible and restricted) under Open General Licence, for maintenance of their aircrafts, on production of evidence to the customs that import of the spares has been cleared by the Director General of Civil Aviation, New Delhi.
- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (6) Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1993 without any grace period whatsoever.
- (7) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (6) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (8) This licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, at the time when such goods are imported.

- (10) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[F. No. IPC(3)5(90)]

अन्वेण से । १०/९०--१३

खुदा सामान्य लाइसेंस मे. 1/090

का. अ. २४९(अ) :—आवान तथा निर्गति (निरंकण) अधिनियम, १९४७ (१९४७ अ. १८) के लाई ३ द्वारा प्रदल अधिकारों का प्रयोग करते हुए के द्वीय असार मण्डारी राजपत्र में एक मार्वरनि र सूक्तना जटी करके समय-समय पर था। मण्डोभेद इसमें संबंध अनुभूति में विशिष्टिकृत अधीरों की सदौं का, प्रतोक मद के सामों संकेतिह पाव वास्तविक अपयोग और द्वारा १ यैतै, १९९० में ३१ मार्च १९९५ तक दिशिणों अफीका संघ/किसी की ओङ्कार किसी भी देश से नियोनेबन गते के द्वावान भारत में आवान करने की सामान्य शर्त में देती है : -

- (1) अन्तर्गती में प्रत्येक मद के सम्बन्ध में विभिन्न सूची भी उत्तर और विविधिट उद्देश्य के लिए आवाज़ दिया जाएगा।
 - (2) संक्षेप अन्तर्गती में क्रम सं. 2, 4, 5 और 6 पर उन्निसविं चिकित्सा औजार आदि वैज्ञानिक औजार और सोटर वाहन पथा कुपि ट्रैक्टोर के विभिन्न पूर्जों के माध्यम से, पाल आयातक इस प्रावधान के अवधीन उसी विशेष वर्षे पर पहले से हो आयातित ऐसे भाग के लागत लोमा भाड़ा मुद्रा के बारे में, मीमा यूनिक प्राधिकारी फौट निकामी के सम्बन्ध पाठ्यणा दिये जाएं।
 - (3) मीठर काल्पन और बार्बिट्रैक्टोर के अभिरिक्षण पूर्जों के माध्यम से आयातक की सीमा शुल्क वालिकारी को, माटर शुल्क विधिविधाय, 1939 के सर्वीन कानों के अध्ययन भूततात छुट के साथ्य महिन, मंवर वाहन या ट्रैक्टर वा इंजीनरण प्रमाणान्तर भी प्रमुखः करना दृष्टा।
 - (4) पुराने कम्प्यूटर कम्प्यूटर ट्रैक्टर गिर्डा का ज्ञान अनुभित नहीं किया जाएगा।
 - (5) वे माझे नहीं बिश्वास वर्ष जी. 31 मार्च को या उससे पूर्व नियन्त्रिती विद्यालयी अवधीन के जाहे आ भी हो, भारत को परेवण के बरिए भजे गए थे।
 - (6) आर्पुर्का शक्ति सं. (5) में से यह व्यवस्था के बावजूद भी लोकशित में सरकारी राजपत्र में विभिन्न सूचनाएँ जारी करके खुले यामात्य लाइसेंस में से लो गई किमी भा. नद के गामणी में, सरकार को ऐसी मध्य सीमा निर्माण करने का विधिवार है जिसके द्वारा सार्वजनिक भूता जारी करने की तारीख से पहले पन्न आयातकों द्वारा खाले गए और आपारपन किए गए प्रार्थवर्तनीय खाता पन्न द्वारा समर्थित पक्के आदेशों के मध्य पांच-तीन लाख जाना वाहिए। आगे प्रकार के आदेशों के मामाने में फिरो यात्रा वी सुरक्षा व्यवस्था नाम्य नहीं होती।
 - (7) आयात "वास्तविक उत्तरवात" गति के अधीन दीया।
 - (8) पठ नाम्यांग आयात (नियंत्रण) वादेश 1935 का यान्युक्त का शर्त-1 के अधीन होता।

- (9) इस प्रकार के माल का वास्तव में आयात करने समय लागू कोई भी नियंत्रण अवश्य। उगम का प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत हितों भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।

(10) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आमाद या नेसी किसी भी ग्राहक का अनुपालन करने से किसी भी समय उत्पन्नित विधायन, या डाक व्यवस्था नहीं करता है जिन अमाद या घर के विधि वास्तविक उपयोगका (ओरोगिक) या आयातक अस्त्र कानूनों पर विस्तरों के आधार हैं। आमादकों की उसे लागू आव्य सभी कानूनों की फ़र्मां का पालन करना चाहिए।

[फाल्गु नं. आई पी. भी. ३/५/९०]

खुले मामला नं. 10/90, दिनांक 30 मार्च, 1990 के
द्वितीय प्रगति।

मैं. मत्र पात्र शायरिंग, गृहणी सीमा और
श्रयानि विरुद्ध का उपेक्षण

1 2

१. चेपज और औलधा

- (1) श्रम्भाल और विवितमासंस्थानों द्वारा उनके स्वयं के ग्रांटिंग के लिए बधाने कि किसी भी समय में प्रति श्रायतित माल का लाभन वीमा भाड़ा मूल्य एक लख स्पा में अधिक नहीं होता।

(2) यदि भी अक्षित हारा उमके निची उपरोक्त के लिए बधाने कि किसी भी एक समय में १५ लाख माल का लाभन वीमा भाड़ा मूल्य इस हवाई स्पा में अधिक नहीं होता तो

2. (क) चिकित्सा जिसमें प्राणी विकितस्या आपेक्षकता और दस्त प्रिकित्स्या संबंधी औजार, उपचारण और प्रयत्न और बदलाई के प्रूजन और उनके अनुषेधों एवं दस्त चिकित्सा गामन भी शामिल है।

(ख) आदान प्रियति नोनि 1970-73 (खण्ड-1) के परिणाम में सूची में दस्ताई मई शास्त्र चिकित्सा के विषय शामिल है।

(1) अस्पायद या चिकित्सा संभाषणी द्वारा उनके स्वयं के उपचार शायातिन माल का नाम रिम भाइ मूल्य प्रक विनीय वर्त के दौरान वार लक्ष्य होए भ अधिक नहीं होगा।

(2) पंजाई चिकित्सकों द्वारा उनके स्वयं के डायोग के विषय शायातर्फ रिम से शायातिन माल का नाम और भाइ मूल्य प्रक विनीय वर्त के दौरान दम हमार काण में अधिक नहीं होगा।

3. एन्स-डैटर्सीफाइर सेक्टर

असाम और नियोलाजिकल किंवितकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बगर्ते कि किसी भी एक समय में उनके आधारित माल का लागत भासा भाड़ा मूल्य एक लाख रुपए ऐ अधिक नहीं होता।

4. वैज्ञानिक प्राचीन साहस्र औजार एवं विज्ञान तकनीकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग और उनके स्वयं के उपयोग के लिए (इस संबंध में सामाजिक प्राधिकारियों को मात्र प्रस्तुत करने पर) बगर्ते कि एक वित्तीय व्यापार के द्वारा ऐसे आवश्यक माल का लागत वीमा भाड़ा मूल्य दर ज्ञान रुपए से अधिक नहीं होता।)

5. परीक्षण शास्त्रण, परीक्षण औजार और सम्बन्ध

ग्राम और इनिंग को मिफारिश प्रस्तुत करने पर उनके स्वयं के उपयोग के लिए एक वर्ष में घराम ड्वारा लागत (लागत भासा भाड़ा) लक के कुल मूल्य के लिए औषध तथा शुगार प्रगति अनु अधिनियम, 1940 के अन्तर्गत अनुमोदित परीक्षण प्रयोगशालाएं।

6. मोटर वाहन और कृषि इंजिनों के अर्थात् एक पुर्जे

(i) वह व्यक्ति जिसके पास आयानि वाहन है, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वर्ष के द्वारा इस द्वारा द्वारा लागत वीमा भाड़ा मूल्य लक।
(ii) वह व्यक्ति जिसके पास आयानि पाइल/कृषि इंजिन है, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के द्वारा लागत पाल द्वारा रुपए लागत वीमा भाड़ा मूल्य नहीं।

7. अव्यायमान रेडियो सेंचार उप-संग्रह जिसमें किटम, उपमालिक (अन्तीम, रात्रि सोटर, को-लाइट, स्टीलिंग वेव रेडियो किट मैट्रिक्स) विवर, अव्यायमान रेडियो के विवर और पाइल भासी के विवर गमत्वा हो।

इसेंभी रेडियो अव्यवसारीयों द्वारा उनके वित्तीय वर्ष के लिए (एन रेडियो में सामाजिक प्राधिकारियों को मात्र प्रस्तुत किया जाए) बगर्ते कि एक वित्तीय वर्ष में आयानि किए गए तो भी मालका लागत वीमा भाड़ा मूल्य दरमार रुपए में अधिक न हो भारत सरकार संचार मंत्रालय आयरलेन गोजना एवं समत्रय मन्त्र की पूर्व अनुमति के लिए आयानि माल किसी भी पर्याप्त व्यक्ति को हस्तान्तरित नहीं किया जाएगा।

I. ई फोक्सेसी रैड (एच पीए)

1820--1860 किलो हर्ट्ज	150 बाट
3500--3700 किलो हर्ट्ज	150 बाट
3900--3900 किलो हर्ट्ज	150 बाट
7000--7100 किलो हर्ट्ज	150 बाट
1400--14350 किलो हर्ट्ज	150 बाट
18068--18168 किलो हर्ट्ज	150 बाट
21000--21450 किलो हर्ट्ज	150 बाट
24890--24990 किलो हर्ट्ज	150 बाट
28000--29700 किलो हर्ट्ज	150 बाट

II. वेरी हाई फोक्सेसी (बी एच पीए)

फोक्सेसी रैड	आउट-पुट लिमिट
--------------	---------------

144--146 बिग हर्ट्ज

25 बाट

III. अल्ट्रा हाई फोक्सेसी (यू एच पीए) माइक्रो

फोक्सेसी रैड	आउट-पुट पावर लिमिट
1268--1300 मेगा हर्ट्ज	25 बाट
3300--3400 मेगा हर्ट्ज	25 बाट
5775--5840 मेगा हर्ट्ज	25 बाट

टिप्पणी:—वृत्तसापत के प्रयोजनार्थ फोक्सेसी ट्रान्सिस्टरों में या 10 एम एच जैड या 15 एम एच जैड मालक फोक्सेसी लिमिट मूल्यांश भी शामिल हैं।

8. निम्नलिखित भूमूलम विद्युत या अधिक के कम्प्यूटर और कम्प्यूटर आधारित सिस्टम, बगर्ते कि आयानि एक खेत में सभी अविनियोग द्वारा अपने व्रेणों के लिए किया गया है:—

(क) आपरेटिंग सिस्टम सीपीयूरेयर + के ल्यूनेस 32 विट वर्ड लेन्स वाले सी.पी.यू.एच मध्यिक गाँव में सौरी।

(ख) 5090 एम.वी. ना अधिक + की डिफ्रॉस्टारेन फैसिटो।

(ग) ल्यूनेस 100 एम.वी. गिर का "एडीओर ईंडिविल्यू" खाले सामान्य लाइनेस की दृम भूवित्रों के अंतर्गत अभिनवों की भूव्या 10 नक्कों सौमिल होगी नवायि, विनाम में वर्क लेन्स शामिल नहीं हैं।

"9 निम्नलिखित विनियिकरण (क) यानों की मूल वैसिय के बस श्रीर ट्रक के टापर

1000X 20-16 पी आर

1000X 20-14 पी आर

900X 20-16 पी आर

900X 10-14 पी आर

900X 20-12 पी आर

(रियल लग श्रीर मेमी-न्या

प्रकार के नाइलान टापर)

विनियिक जो गेमे यानों के विनियिक में उस टापरों की वृद्धि करते हैं।

(ख) 50 वर्ड वाले अविनियन

1939 (1939 का +)

शी धारा 68 के खण्ड (ख)

में नियिक ल्यू लेन्स परि-

वहन उपकरण।

1	2	3	1	2	3	
(ग) राज्य महक परिवहन उपकरण संगम जो सोमाइटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1960 (1960 का 21) के प्रधीन रजिस्ट्रीकृत सोमाइटी है तेब्बिा 1956-66 की रजिस्ट्रीकरण सं. एम-2815 तरीका 2 प्रगत, 1965।			1. एग्रजीस्ट रेस एनलाइंजर 2. स्पोकमीटर 3. ब्रेक ट्रेनिंग मशीन (ब्रेक आइनेमों सोटर) 4. हैंड लाइट एम ट्रेस्टर 5. फॉन्ट ल्लील एलाइनमेंट ट्रेस्टर 6. शोक एब्रोवर्स ट्रेस्टर 7. एच डिट्रेन्टर 8. ल्लील स्पाइनिंगर 9. इंजिन परफॉर्मेंस के वास्तविक ट्रेस्ट के लिए लिंग ट्रेस्टर 10. सिगनलिंग इक्षिपमेंट ट्रेस्टर 11. स्पीडोमीटर स्टर 12. ब्रेक एनलाइंजर (स्वाम में भल्कोदून की मात्रा मापने के लिए) 13. सिम्प्लेटर (कुणल इंडांसिंग के रिफलेक्शन के प्रशिक्षण के लिए मशायक के रूप में सिम्प्लेटर प्रकार के शेडोप्राफ)			
(घ) यानों के घटामियों के ऐसे संगम जिनमें उन दायरों का उपयोग किया जाता है और वे उन स्थान में भारत सरकार के अधीक्षित विभाग या अन्य नियाय जो संबंधित सरकार द्वारा उन दायरों का आयात करने के लिए प्राधिकृत हैं और जो उन रूप में भारत सरकार के अधीक्षित विभाग द्वारा इस नियमित उनके द्वारा बनाई गई स्कीम के अनुमार अनुमीदित हैं।						
(इ) प्रथिकारी, प्राधिकारी, उपकरण किसी राज्य सरकार के प्रधीन विभाग या अन्य नियाय जो संबंधित सरकार द्वारा उन दायरों का आयात करने के लिए प्राधिकृत हैं और जो उन रूप में भारत सरकार के अधीक्षित विभाग द्वारा इस नियमित उनके द्वारा बनाई गई स्कीम के अनुमार अनुमीदित हैं।						
10. (1) स्पष्ट फिल्में	दूरदर्शन औत इंडिया रेडियो भारत का राष्ट्रीय फिल्म अभिनेत्रागार राष्ट्रीय फिल्म एवं दूरदर्शन संस्थान और भारतीय बाल फिल्म सोमाइटी अपने उपयोग के लिए, उनके नाम में गरकार द्वारा रिलीज़ की गई विदेशी मूद्रा के आधार पर।					
(2) बीडिंगी फिल्में	दूरदर्शन और भाल इंडिया रेडियो उनके नाम में सरकार द्वारा रिलीज़ की गई विदेशी मूद्रा के आधार पर।					
(3) प्रधानत बज़रों के लिए अभीष्ट विदेशी रूप फिल्मों के बीडिंगी राइट्स	भारतीय बाल फिल्म सोमाइटी अपने उपयोग के लिए सरकार द्वारा उनके नाम में रिलीज़ की गई विदेशी मूद्रा के आधार पर।					
11. न्यूज़ फिरांग नहिं प्राइडियो-विज़वूल न्यूज़ या भ्राइडियो-विज़वूल न्यूज़ मैटोरियल	केन्द्र सूचना एवं प्रमाणण मंत्रालय द्वारा यथा प्रमाणित वास्तविक उपयोक्ता।					
12. परिवहन उपयोग द्वारा अप्रेक्षित नियन्त्रित उपकरण	दुकान/प्राविष्ठान स्थानीय कानून के प्रधीन पंजीकृत सरकारी विभाग/विभाज और नक्षाप।					

under the Motor Vehicles Act, 1939. Importers of Motor Vehicle spares will be required to produce the Pass Book issued by the Chief Controller of Imports and Exports at the time of customs clearance, of motor vehicle spares.

- (4) Import of second-hand computer/computer based system shall not be allowed.
- (5) The goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, 1993 without any grace period, whatsoever.
- (6) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (5) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

- (7) Import shall be subject to "Actual User" condition.
- (8) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when they are actually imported.
- (10) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[Fine No. IPC|3|5|90]

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of
Imports & Exports

Schedule to O.G.L. No. 10/90, dated the 30th March, 1990

Sl. No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import
1.	Drugs and medicines	<ul style="list-style-type: none"> (i) Hospitals and medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed one lakh rupees; (ii) Any individual, for his personal use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed ten thousand rupees; and (iii) Registered medical practitioners, for their own professional use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed twenty-five thousand rupees;
2. (a)	Medical including Surgical, Optical and Dental instruments, apparatus and appliances and replacement parts and accessories thereof and Dental materials.	<ul style="list-style-type: none"> (i) Hospital and Medical institution for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed four lakhs rupees, in a financial year.
(b)	Sutures and needles for surgical purposes appearing in List 5 in Appendix 6 of Import and Export Policy, 1990–93 (Volume I).	<ul style="list-style-type: none"> (ii) Registered medical practitioners for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed ten thousand rupees, in a financial year.
3.	X-ray intensifying screens.	Hospitals and radiological clinics for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed one lakh rupees.

Sl. No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import
4.	Scientific and measuring instruments and chemicals.	Professionals in the fields of science, technology, engineering and medicines, for their own purpose (to which effect evidence shall be produced to the Customs authorities) provided the c.i.f. value of such imported goods shall not exceed rupees ten thousand in a financial year.
5.	Testing equipment, testing instruments and chemicals.	Testing Laboratories approved under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, of a total value not exceeding Rs. 50,000/- (c.i.f.) in a year for their own use, on production of recommendation of State Drugs Controller.
6.	Space parts of motors vehicles and agricultural tractors.	(i) Persons owning imported vehicles for their own use, upto a c. i. f. value of Rs. ten thousand in a financial year. (ii) Persons owning imported agricultural tractors for their own use, upto c.i.f. value of rupees five thousand in a financial year.
7.	Amateur radio communication equipment including kits, accessories (including antennas, rotary motors, feed lines standing wave ratio bridge) instruments, spare and components. The equipment is to conform within the following frequency ranges and/or limitations:	By licensed radio amateurs for their own purpose (evidence shall be produced to the Customs authorities to this effect) provided the c.i.f. value of such goods imported in a financial year does not exceed Rs. 20,000. Goods imported shall not be transferred to any individual or any party without prior permission of the Wireless Planning & Coordination wing of the Ministry of Communications, Government of India.

I. High Frequency Band (H.F.)

Frequency Range	Output power limit
1820-1860 KHz	150 Watts.
3500-3700 KHz	150 Watts.
3890-3900 KHz	150 Watts.
7000-7100 KHz	150 Watts.
14000—14350 KHz	150 KHz
18068-18169 KHz	150 KHz
21000—21450 KHz	150 KHz
24890-24990 KHz	150 Watts
28000—29700 KHz	150 Watts.

II. Very High Frequency (VHF)

Frequency Range	Output power limit
144—146 KHz	25 Watts.

III. Ultra High Frequency (UHF)/Microwave.

Frequency Range	Output power limit
1266—1300 MHz	25 Watts.
3300—3400 MHz	25 Watts.
5725—5840 MHz	25 Watts.

NOTE : The H.F. transreceivers also incorporate either 10 MHz or 15 MHz standard frequency reception facility for calibration purposes.

8. Computers and computer based systems of the following minimum configuration or above, provided import is made in one consignment:—

(a) CPU with minimum of 32 bit word length with the operating systems software + (b) the main memory of 64 MB or above on each CPU +(c) the Disc. storage capacity of 5000 MB or above +(d) I+O Bandwidth of minimum 100 mb/Sec.

Under this facility of Open General Licence, the number of terminals will be restricted to 10 only. However, the configuration will not include any Workstation.

9. Bus and truck tyres of the following specifications :—

1000 × 20—16 PR
1000 × 20—14 PR
900 × 20—16 PR
900 × 20—14 PR
900 × 20—12 PR

(nylon tyres in ribbed, lug and semi-lug varieties).

10. (i) Feature films
(ii) Video films
(iii) Video rights of foreign feature films primarily intended for children.

11. Audio-Visual News or Audio-Visual Views material including News Clippings.

12. Equipment/instrument required by Transport-Industries, namely :—

- (1) Exhaust gas analyser
(2) Smokemeter
(3) Brake testing machine (Brake Dynamo Meter).
(4) Head light aim tester
(5) Front wheel alignment tester.
(6) Shock absorber tester
(7) Play detector
(8) Wheel spinner

- (9) King tester for actual test of engine performance.
(10) Signalling equipment tester.
(11) Speedometer tester.
(12) Breath analyser (for measuring alcohol content in breath).
(13) Simulator (Shadowgraphs types of simulator as an aid for training the reflection of efficient driving).
(14) Testing equipment required for testing collapsible steering column.
(a) Manufacturers of original chassis of vehicles and use the said tyres in the manufacture of such vehicles.
(b) State Road Transport Undertaking referred to in Clause (b) of section 68A of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939).
(c) Association of State Road Transport Undertakings, being a society registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860), vide Registration No. S-2815 of 1965-66, dated the 2nd August, 1965.
(d) Associations of owners of vehicles in which the said tyres are used and approved as such by the Department of Industrial Development of the Government of India in accordance with the Scheme framed by them in this behalf.
(e) Officer, authority, undertaking, Department of other body under a State Government, authorised by the concerned Government to

import the said tyres and approved as such also by the Department of Industrial Development of the Government of India in accordance with the Scheme framed by them in this behalf.

Doordarshan, All India Radio, National Film Archives of India, Film and Television Institute of India and Children's Film Society of India for their own use on the basis of foreign exchange release by the Government in their favour.

Doordarshan and All India Radio on the basis of foreign exchange release by the Government in their favour.

Children's Film Society of India for their own use on the basis of foreign exchange release by the Government in their favour.

Actual Users as certified by the Union Ministry of Information and Broadcasting.

Government Departments/Garages and Workshops registered under the local law applicable to Shop & Establishment.

बादीन सं. 11/90—93

लूपा। सोमाच्य साइरेस सं. 11/90

का.आ. 290(अ) :-आयात एवं नियोग (निवेशन) प्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) के बंद 3 द्वारा प्रवत् प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार जहाज के मरम्मत कार्यों में लगे हुए वास्तविक उपयोगों को 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक निम्नलिखित शर्तों के प्रधीन (1) पूरीत भाल, (2) कच्चे भाल, (3) संघटकों, (4) उपभोज्यों एवं (5) प्रतिरिक्त पुज़ों का किसी भी बेंग से आयात की सामान्य अनुमति देती है, परन्तु उक्तियों अनुसार संव और फिरो इसमें शामिल नहीं हैं : -

(1) आयातक, महानिवेशक, जहाजिरानों, बम्बई के पास जहाजों की समस्त करने वाले एक के रूप में घोषित हैं।

(2) बस्टर बाइडिंग परिसर में भाल का आयात किया जाएगा। आयातकों को जहाजों की मरम्मत करने के उद्देश से माल को कस्टम बाइडिंग परिसर से बाहर आयात करने की अनुमति दी जाएगी। मरम्मत करने के बाद मर्दों को कस्टम बाइडिंग परिसर के बाहर भाल की मरम्मत के लिए प्रयोग की गई मर्दों के बंधन में थोक के सीमा शुल्क समाप्त होता और महानिवेशक (पौन परिवहन) बम्बई को आवधिक विवरणिका भेजी जाएगी। आयातक को उचित लेक्षा-जोखा रखना होगा जो मुश्य नियंत्रक आयातनियों के लिए रखेगा।

(3) आयातक माल का उपयोग समझी जहाजों को मरम्मत के लिए आदेष वे जहाज भारतीय हों या विवेशी विन मंत्रालय, राजस्व विभाग भी अधिसूचना सं. 211/83-बस्टर और सं. 212/83-कस्टम, दोनों दिनांक 23 जून 1983 के उपलब्धों के अनुसार किया जाएगा।

(4) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में संबंधी वास्तविक उपयोगों का नेतृत्व और उनका लागत दीमा भाड़ा मुश्य तथा जहाजों की मरम्मत से कमाई गई विवेशी मुद्रा का नेतृत्व एक द्वारा विधिवत प्रमाणित करकर बंधन साइरेस प्राधिकारी एवं महानिवेशक, जहाजिरानी, बम्बई को प्रस्तुत करेगा।

(5) आयातक, महानिवेशक, जहाजिरानी द्वारा उनको जारी किए गए पर्जोकरण प्रमाण पत्र में की गई गर्भी शर्तों का पालन करेगा।

(6) इन प्रकार का माल आयात करते मध्य लागू कोई भी नियंत्रण प्रबंधन उसके आयात को प्राप्तित करने वाले विनियर इन लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार से माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(7) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या नेतृत्व भी जो गर्भी का अनुपालन करने से किसी भी वस्तु उन्मुक्ति दिया या दीन प्रदान नहीं करता है, जिस आयात या गर्भ के लिए वास्तविक उत्तरीक्षण (वौद्याधिक) अस्थि कानूनों या विनियमों के अधीन हों। आयातकों को उनके आगे अस्थि कानूनों को गर्भों का पालन करना चाहिए।

[फ. सं आई पो सं. 3/5/90]

ORDER NO. 11/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 11/90

S.O. 290(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to the Actual Users engaged in ship repairing work for import of (i) capital goods, (ii) raw materials, (iii) components, (vi) consumable, and (v) spares, from any country, except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions, namely:

- (1) The importer is registered with the Director General of Shipping, Bombay as a ship repairing unit;
- (2) The goods shall be imported in Customs bonded premises. The importer shall be allowed to take the imported goods outside the Customs bonded premises for the purpose of carrying out ship repairs. The items shall be brought back to the Customs bonded premises after carrying out the repairs. In respect of items consumed for the purpose of carrying out ship repairs, a periodical return shall be submitted to the Collector of Customs of the area and Director General of Shipping, Bombay. The importer shall maintain a proper account which will be open to inspection by the Chief Controller of Imports and Exports.
- (3) The imported goods shall be used in repairs of ocean-going-vessels, whether Indian or foreign, in accordance with the provisions of Ministry of Finance, Department of Revenue, Notification No. 211/83-CUSTOMS and 212/83-CUSTOMES both dated the 23rd July, 1983.
- (4) At the end of each financial year, the Actual User concerned shall give an account of the items and their c.i.f. value, imported and used in the ship repairing work and the amount of foreign exchange earned in ship repairs, duly certified by the Bank, to the licensing authority concerned, and the Director General of Shipping, Bombay. This return shall be sent through the Customs Officer attached to the Unit concerned.

- (5) The importer shall comply with all the conditions laid down in the Registration Certificate, issued to him by Director General of Shipping.
 - (6) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
 - (7) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) imported may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC(3)5/90]

अद्वैता सं १३/७०-९३

खल; सामान्य लाइसेंस मं. १२/९०

का. या. 291(अ) :—आयात तथा निर्यात (निर्वहन) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने वाले केंद्रीय सरकार परददारी । अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक दक्षिणी अफ्रीका संघ/फिजी के प्रतिरित किसी भी देश के सरकारी विभागों (केंद्रीय अधिकारी राज्य) अथवा सरकारी प्रबंधा सरकार द्वारा निर्वहन परियोजना से किसी भी भारत के भारत में आयात की निम्नलिखित पार्टी के ग्रहीत मामात्य अवश्यि होती है :—

- (1) भारत सरकार और संवैधित विवेशी सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार विषयाधीन माल का निःशुल्क आयात किया जाना है।
 - (2) आयातिन माल भारत सरकार और संवैधित विवेशी सरकार के बीच किए गए संगत समझौते के अनुसार और इस संबंध में प्रणालीमनिक संप्राप्ति अपेक्षा गंभीरति परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रभागीत निकायों के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा।
 - (3) ऐसे माल का प्रेषण भारत में 31 मार्च 1993 को अवश्य उससे पूर्व, बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो भी हो, लदान किया जाना है।
 - (4) ऐसा माल दिनिन अकोर्स मंध नथा किलो में उत्तरादित अवधि विनिमय नहीं हो।

६. हम लाइसेंस के अन्तर्गत दो संग्रहालयों के बीच हुए समझौते के अधीन भारत में परियोजना का निपटादात करने के लिए भारत शाने वाले विदेशी विदेशी के विकल्पना ग्राम्यान के आवास की अनुमति भी निकासी के अपव विद्यार्थिनक संत्रालय अथवा संबंधित परियोजना का इन संबंध में प्रक प्रमाणपत्र प्रमुख करने पर वी जापानी आवासित माल जिसका छोरा प्रमाणपत्र में दिया जाता है भारत याकार और संबंधित विदेशी भारत के साथ हुए समझौते के अनुसार दिया गया है। आपात हम शर्त पर भी हूँगा कि जोरी प्री संवित विदेशी विदेशी अपने कार्य पूर्ण कर भारत में जाने लगे तो (उपरोक्त माल से भिन्न) अन्य माल वा पुनः निर्माण किया जाएगा।

३. यदि मान के आजात के भवित्व घटायाते पर प्रभाव राखने वाला कोई नियम या विनियम लागू होता तो इस लाइसेन्स का उत्तर पर कोई प्रभाव नहीं।

4. ५८ गद्यनेत्र पर्से लिखि भी आधार पर ऐसी किंगो भी नहीं कि द्रव्याकृत कला में किंचि भी उपर असंतुष्टि व्यक्त की दैनिक प्रदर्शन

नहीं करता है जिस प्राभार या भार्त के लिए वास्तविक उपभोक्ता (आधो-
गिक) या प्रायातक मन्य कानून (नौ) या विनियमों के प्रधीन हो।
प्रायातक के उसे लागू मन्य सभी कानून की भार्तों का पालन करता
जाहिए।

[फाइल सं. आई. पी. सी. ३/५/९०]

ORDER NO. 1290-93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 12|90

S.O. 291 (E). In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa, and Fiji, any goods by Government Departments (Central or State) or projects owned or controlled by Government, subject to the following conditions, namely:—

- (i) The goods, in question, are imported free of cost, in pursuance of an agreement between the Government of India and the foreign Government concerned.
 - (ii) The goods imported are in accordance with the relevant agreement entered into between the Government of India and the foreign Government concerned and a certificate to this effect issued by the administrative Ministry or the Project Authority concerned shall be produced to the Customs authorities at the time of clearance.
 - (iii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before the 31st March, 1993, without any grace period whatsoever.
 - (iv) The good so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.

2. Under this Licence, import will also be allowed of personal effects of foreign expert coming to India under Government to Government agreement for the execution of a project in India on production of a certificate of the Administrative Ministry or the Project Authority concerned at the time of clearance, to the effect that imported goods (to be mentioned in the certificate) are in accordance with the agreement entered into by the Government of India with the foreign Government concerned. The import shall also be subject to the condition that the goods (other than consumables) are to be re-exported as soon as the foreign expert concerned leaves India after completion of his assignment.

3. Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

4. This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[F. No. IPC|3|5|90]

प्रादेश सं. 13/90-—92

ब्रुला भारतीय लाइसेन्स मं. 13/90

का.प्रा. 292(ए) :—आयात एवं निर्यात (रिंजनक) प्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) के अध्यक्ष 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केवलीय सरकार दक्षिण अफ्रीका मंथ और फ्रिजी को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित ग्राहकों के अधीन वास्तविक उपभोक्ता द्वारा 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक सरकारी राजपत्र में समय समय पर दी गई सार्वजनिक सूचना द्वारा यथासंशोधित आयात एवं निर्यात नीसि 1990—93 (खंड 1) के परिस्थिटि-6 की सूची-1 में दिया गया रत्न एवं ग्राम्भण उद्योग के लिए प्रयोक्तिक मर्यादाओं, उपस्कर परीक्षण उपकरणों और अन्य अधिकारों और सहायक मुद्रों के आयात के लिए सामान्य अनुमति देती है, जिनका सम्बाप्त रत्न एवं ग्राम्भण निर्यात संबंधित परिषद प्रणिक्षण मंस्थान और रत्न एवं ग्राम्भण उद्योग, साम्बन्धित केवलीय प्रणिक्षण संस्थानों के उपयोग हेतु रत्न एवं ग्राम्भण के लिए निर्यात संबंधित परिषदों द्वारा किया गया है।

- (1) आयात "वास्तविक उपभोक्ता" ग्राहकों के अधीन होगा,
- (2) इस तरह से आयात माल तया विनियमित होगा,
- (3) रत्न एवं ग्राम्भण के पंजीकृत नियन्तक माल की निकासी के समय सीमा ग्रुप प्राधिकारियों को द्वारा पंजीकरण का यठ विवरण देने हुए कि वे रत्न एवं ग्राम्भण नियति संबंधित परिषद के पास नियन्तक के रूप में पंजीकृत हैं और यह राष्ट्र नियति नहीं हुए, यह घोषणा पत्र प्रस्तुत करने के उचित पंजीकरण न हो रहा किया गया है, न वापस दिया गया है न अन्यथा रूप से अप्रभावी किया गया है। स्वर्णकारों और गिर्लाकारों को गहकारिता समिति और रत्न एवं ग्राम्भण से सम्बन्धित अंतर्राष्ट्रीय प्रणिक्षण संस्थान इसी प्रकार ये सरकारी समिति के रूप में अपने पंजीकरण के विषय में एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगी।
- (4) रत्न और ग्राम्भण उद्योग में सम्बद्ध केवलीय प्रणिक्षण संस्थानों रत्न एवं ग्राम्भण के लिए अनुसंधान एवं विकास प्रयोगालालाओं, रत्न प्रणिक्षण प्रयोगालाला की सीमा ग्रुप प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए संबंधित प्राधिकारी को साम्यता ददनि हुए एक प्रभाव पत्र प्रस्तुत करना चाहिए।
- (5) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/किंगी में उत्पादित ग्राहक विनियमित न हो।
- (6) ऐसा मान 31 मार्च, 1993 की प्रथमा उम्मे गहने किसी भी स्थायित्व के विनाश को परेगण के मध्यम से लाद दिया गया हो,
- (7) उपर्युक्त ग्रन्थ मं. (6) में दी गई अवधारणा के बावजूद भी योक्तृत में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करने वाले सामान्य लाइसेन्स में से सी गई किसी भी मद्दत के माध्यम से सरकार को ऐसी सामग्री सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिस के द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख पे पहले पात्र आयातकों द्वारा योगे गए और रथागि

किए गए अपरिवर्तनीय सांख्यिक द्वारा समर्पित पद्धक आईसी के मद्दे पोन लक्षण किया जाना चाहिए। प्रत्ये प्रकार के भास्तुओं में इस प्रकार कोई संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।

- (8) यह लाइसेन्स आयात (निर्यात) अद्येश 1955 को अनुमूल्य-5 की गति-1 के प्रधान होगा।
- (9) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्राप्त डालने वाला कोई नियंत्रण या विधिय लागू होगा तो इस लाइसेन्स का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (10) यह लाइसेन्स ऐसे किसी भी आधार या ऐसी किसी भी गति का अनुपालन करने से किसी भी समय उत्पादित रियायत या डील प्रदान नहीं करता है जिस आधार या गति के लिए वास्तविक उपभोक्ता (अधीक्षणिक) या आयात अन्य कानूनों या विधियों के अधीन हो। आयातकों द्वारा उनमें लागू अन्य सभी कानूनों की गति का उल्लंघन करना चाहिए।

[पा. म. आई.टी.सी. 3/5/90]

ODER NO. 13|90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 13|90

S.O. 292(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April 1990 to the 31st March, 1993, for import of machinery, equipment, testing apparatus, tools and implements, required for Gem and Jewellery Industry appearing in List I of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by Actual Users as certified by Gem and Jewellery Export Promotion Council, Training Institutes and Research & Development Laboratories for Gem and Jewellery, Gem Testing Laboratories, Registered Exporters of Gem and Jewellery, Co-operative Societies of Goldsmith and artisans, Export Promotion Councils for Gem and Jewellery for us, in the Institutes set up by the Council, and Regional Training Institutions connected with Gem and Jewellery Industry, from any country except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions, namely:—

- (1) The import shall be subject to "Actual User" conditions.
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture.
- (3) Registered Exporters of Gem and Jewellery will furnish to the Customs authorities at the time of clearance of goods, a declaration giving particulars of their registration as exporters with the Gem and Jewellery Export Promotion Council and affirming that such registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. A Co-operative Society of goldsmiths and artisans and Regional Training Institutions connected with Gem and Jewellery industry will, likewise, furnish a declaration about registration as a co-operative Society, etc.
- (4) Regional Training Institutes connected with the Gem and Jewellery Industry, Research and Development Laboratories for Gem and Jewellery and Gem

Testing Laboratories shall furnish a certificate indicating recognition by the concerned authority to the satisfaction of the Customs authority.

(5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.

(6) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March 1993 without any grace period whatsoever.

(7) Notwithstanding what has been provided in condition No. (6) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

(8) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order 1955.

(9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof in force at the time when such goods are imported.

(10) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[F. No. IPC|3|5|90]

आदेश स. 14/90—93

खसा सामान्य लाइसेंस स. 14/90

का.आ. 293 (म) :- आयात, निर्यात (नियंत्रण अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 हारा प्रदल अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक दक्षिण अफ्रीका संघ और फिजी को छोड़कर विषय के किसी भी देश से निम्नविवित शर्तों के अधीन (क) सरकारी विभाग (केन्द्रीय या राज्य), (ख) विभागीय संस्थाएं, (ग) रेलवे, (घ) आक, (छ) दूरसंचार, (ज) दूरवाणि, (छ) आकाशवाणी, (ज) राज्य विद्युत बोर्ड सार्वजनिक धन के अन्तर्गत उपकरण परियोजनाओं, (झ) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक धन के अधीनियक संस्थानों को पूँजीगत माल, कच्चे माल, संधटकों, उपभोज्य और अतिरिक्त पुर्जों का आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

1. परिणियट 1 भाग-क में आने वाला पूँजीगत माल और परिणियट-8 में आने वाले उपकरण आयात के लिए अनुमेय नहीं होते : अन्य पूँजीगत माल के आयात के लिए (परिणियट 1, भाग-ख के अन्तर्गत आने वालों को छोड़कर) महानिदेशक तकनीकी विभाग की पूर्व निकासी अनिवार्य होती है। मेरीन इलेक्ट्रोनिक्स और दूरसंचार उपस्कर सहित किन्तु इसे नीति के पैरा 6(17) में आने वाले दूरसंचार उपस्कर को छोड़कर किसी अन्य इलेक्ट्रोनिक्स के मामले में यदि ऐसे आयातों का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक हो जाती है तो इलेक्ट्रोनिक्स विभाग से पूर्व निकासी अनिवार्य होती है। परा 6(17) में आने वाले दूरसंचार उपस्कर के लिए दूरसंचार विभाग (दूरसंचार आयोग) से पूर्व निकासी देनी आवश्यक होती है।

ए. दूरसंचार विभाग (दूरसंचार आयोग) से पूर्व निकासी देनी आवश्यक होती है ऐसे आयात का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक है।

2. जिस, जुड़तारों, भाइज और नमूने (कटूर गोलर डाइज सहित) मोल्ड्स (डाइकास्टिंग के लिए मोल्ड महित) और प्रैम टूल्स का आयात भी किया जा सकता है।

3. परिणियट -2, भाग ख और 3 में आने वाले कच्चे माल, संधटकों उपभोज्यों और अतिरिक्त पुर्जों के संबंध में महानिदेशक तकनीकी विभाग और इलेक्ट्रोनिक्स विभाग (यदि किसी इलेक्ट्रोनिक्स पर किन्तु इस नीति के पैरा के 6(17) में आने वाले दूरसंचार उपस्कर को छोड़कर का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक हो जाता है) से पूर्व स्वीकृति देनी अनिवार्य होती है। पैरा 6(17) में आने वाले दूरसंचार उपस्कर के लिए दूरसंचार विभाग (दूरसंचार आयोग) पूर्व निकासी देनी आवश्यक होती है ऐसे आयात का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक है।

4. सारणी बद्द मर्बों का आयात अनुमेय नहीं होगा।

5. प्रशासकीय मंत्रालय दित मंत्रालय अधिक कार्य विभाग द्वारा दी गई विवेशी मुद्रा के मद्द आयात किया जाएगा।

6. दूरवाणि और आकाशवाणी, सूचना एवं प्रमाणण मंत्रालय के अनुमंडल और उसके लिए भी गई विवेशी मुद्रा के आधार पर प्रदर्शन फिल्मों, दीड़ियों और टेप माउण्ड टेपों के आयात के लिए भी पात्र होगा।

7. सार्वजनिक क्षेत्र के राज्य विद्युत बोर्ड/परियोजनाएं/संस्थान जो विज्ञानी के उत्पादन में लगे हुए हैं व प्रशासकीय मंत्रालय केन्द्रीय विद्युत विभाग/वित्त मंत्रालय (अधिक कार्य विभाग) द्वारा दी गई विवेशी मुद्रा, के मद्द ही अतिरिक्त पुर्जों के आयात की मुद्रिता ने सकते हैं। परिणियट 2, भाग ख, 3 और 10 में आने वाले प्रतिबंधित अतिरिक्त पुर्जों के आयात के लिए महानिदेशक तकनीकी विभास से पूर्व निकासी अनिवार्य होती है। किसी इलेक्ट्रोनिक्स पर के सम्बन्ध में किन्तु इस नीति के पैरा 6(17) में आने वाले दूरसंचार उपस्कर को छोड़कर मद्द ऐसे आयातों का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक है तो इलेक्ट्रोनिक्स विभाग की पूर्व अनुमति देनी अनिवार्य होती है। पैरा 6(17) में आने वाले दूरसंचार उपस्कर के लिए दूरसंचार विभाग (दूरसंचार आयोग) से पूर्ण निकासी देनी आवश्यक होती है। पैरा 6(17) में आने वाले दूरसंचार उपस्कर के लिए दूरसंचार विभाग (दूरसंचार आयोग) से पूर्ण निकासी देनी आवश्यक होती है। मह युविधा पत्रन स्वासों, सिचाई विभाग परियोजना प्राधिकरणों, विभागीय रूप से चलाए जा रहे घोषणाग्रन्थ संस्थानों और रेलवे को भी उपलब्ध होती है।

8. रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक संस्थान, जूने सामान्य लाइसेंस के अधीन परिणियट 1, भाग ख में आने वाले पूँजीगत माल, परिणियट 2, 3, 5 और 8 में आने वालों से भिन्न कच्चे माल, संधटकों, उपभोज्यों और अतिरिक्त पुर्जों का आयात करने के लिए पात्र होते हैं। लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान इस प्रकार के आयातों के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा संबंधित यूनिट को अबंटित विवेशी मुद्रा से अधिक मूल्य का कुल आयात मही होता है। और सोयाशुल्क के निकासी के समय आयातक यूनिट इस संबन्ध में एक धोणा पत्र प्रस्तुत करेगा कि निकासी के अधीन पढ़ते ही निकासी किए गए माल का मूल्य लाइसेंसिंग वर्ष में संबंधित आयातक यूनिट की रक्षा मंत्रालय द्वारा इस उद्देश्य के लिए भी गई कुल विवेशी मुद्रा की घनराशि उथाता नहीं है।

9. (1) कच्चे माल, संधटकों, उपभोज्यों और अतिरिक्त पुर्जों का आयात जूने सामान्य लाइसेंस के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उत्पादन रक्षा मंत्रालय के अधीन आने वाले उत्पाद भी आमिन है, कि द्वारा विवेशी मुद्रा की रिहाई और परिणियट-2, भाग-ख और 3 में आने वाले कच्चे माल, संधटकों, उपभोज्यों और अतिरिक्त पुर्जों के लिए देशी वृद्धिकोण से पूर्व निकासी के आधार पर किया जा सकता है। मेरीन इलेक्ट्रोनिक्स प्रौद्योगिकी दूरसंचार उपस्कर सहित किन्तु आयात नीति 1990—93 अंड 1 के पैरा 6(17) में आने वाले दूरसंचार उपस्कर को छोड़कर किसी

यानि हेतुक्षेत्रिक सरकार के मालें में पर्याप्त तारे आवश्यकों का मूल्य 25 लाख रुपये वा उपरी होना चाहिए तो उत्तेक्षेत्रिक विभाग से बुने निकाली अनिवार्य होगी। आयात नीति 1990—93 (बाणी-1) के दिग्गजार 6 (17) में आने वाले दूर-संचार उपस्कर के लिए दूर-संचार विभाग (दूर-संचार यात्रियों) से पूर्व निकाली देनी याचक्षण होगी अदि ऐसे आवास का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक है। परिणाम-1, भाग-क और भाग-ब में आने वाले के अलावा पंजीयत माल के आवास का मूल्य यदि 1.5 करोड़ रुपये से अधिक है तो मन्त्रिव (प्रौद्योगिक विकास) की अध्यक्षता में दूरीगत माल की मूल्य समिति का अनुमोदन अपेक्षित होगा। खुले सामान्य आइटेम के अधीन आयात तकनीकी विकास महानिवेशालय (डी. जी. टी. डी.) द्वारा सूची सालाहांकन और वित्त मंत्रालय (प्राथिक कार्य विभाग) द्वारा विदेशी मुद्रा की रिकार्ड के प्राधार पर अनुमित होगा। 1.5 करोड़ रुपये मूल्य तक के पंजीयत माल का आवास परिणाम-1 भाग-क और भाग-ब में आने वाले के अतिरिक्त देशीय निकासी और वित्त मंत्रालय (प्राथिक कार्य विभाग) द्वारा विदेशी मुद्रा की रिहाई के आधार पर खुले सामान्य आइटेम के अधीन अनुमित होगा। सीमानुल्क प्राथिकारी इस सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के भावार पर निकासी अनुमित करें।

(2) पंजीयत माल, कच्चे माल, संषट्कों उपभोज्यों तथा अतिरिक्त पूजीयों के खुले सामान्य आइटेम के अलावा आयात की उपर्युक्त मुविधा विदेशी मुद्रा एवं स्ववेशी दफ्टरकोण से मिकासी के आधार पर जैसाकि उपर दिया गया है, खुले सामान्य आइटेम के आवास के किए अनुमित मर्दों के अलावा मर्दों का आवास करने के लिए रक्षा मंत्रालय के अधीन संग्रहार्थी उपकरणों को भी उपयोग होगी।

10. निकासी के समय सीमानुल्क प्राथिकारीयों के समक्ष महानिवेशक तकनीकी विकास/उत्तेक्षेत्रिकी विभाग दूर-संचार विभाग द्वारा स्वीकृत देशीय दफ्टरकोण से स्वीकृत एवं विषम विदेशी मुद्रा का याकृष्णक मादाय प्रस्तुत करना होगा।

[फाइल नं. आई.पी.नी. 3/5/90]

ORDER NO. 14/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 14/90

S.O. 293(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to (a) Government Departments (Central or State), (b) Departmentally run Undertakings, (c) Railways, (d) Department of Posts, (e) Department of Telecommunications, (f) Doordarshan, (g) All India Radio, (h) State Electricity Boards/Underaking/Projects under the public sector, and (i) Public Sector Industrial undertakings to import Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares from any country except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions, namely :—

(1) Capital Goods appearing in Appendix I Part A and Instruments appearing in Appendix 8 will not be allowed for import. For import of other Capital Goods (except those appearing in Appendix I, Part B) prior clearance of DGTD will be necessary. In the case of any electronic items, including marine electronics and communication equipment, but excluding telecommunication equipment covered under para 7(13) of Import-Export Policy, 1990—93 (Volume-I) prior clearance from the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under the said para 1(13), prior

clearance of Department of Telecommunications (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs.

(2) Import of jigs, fixtures, dies and patterns (including contour roller dies) moulds (including moulds for diecasting) and press tools can also be made.

(3) In respect of raw materials, component, consumables and spares appearing in Appendices 2 (Part B) and 3, prior clearance from DGTD and Department of Electronics (if the value of any electronics item excluding telecommunication equipment covered under para 7(13) of Import-Export Policy, 1990—93 (Volume I) exceeds Rs. 25 lakhs) will be necessary. For telecommunication equipment covered under para 7(13) prior clearance of Department of Telecommunications (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs.

(4) Import of canalised items will not be allowed.

(5) Import is made against foreign exchange released by the Administrative Ministry/Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) for the purpose.

(6) Doordarshan and All India Radio shall also be eligible to import exposed films, video tapes and sound tapes on the basis of release of foreign exchange therefor.

(7) State Electricity Board/Projects Undertakings in the Public Sector and engaged in the production of electricity will have the facility for import of spares only against release of foreign exchange by the Administrative Ministry/Central Electricity Authority/Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). Prior clearance from DGTD will be necessary for import of Restricted Spares appearing in Appendices 2 (Part B), 3 and 10. In respect of any electronic item excluding telecommunication equipment covered under para 7(13) of Import-Export Policy, 1990—93 (Volume I), prior clearance of Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under the said para 7(13) prior clearance of Department of Telecommunications (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. This facility will also be available to Port Trusts, Irrigation Departments/Project Authorities, Departmentally-run-Undertaking and Railways.

(8) Public Undertakings under the Ministry of Defence will be eligible to import under Open General Licence Capital Goods appearing in Appendix 1 (Para B), raw materials, components, consumables and spares other than those appearing in Appendices 2, 3, 5 and 8. The total value of imports shall not exceed the foreign exchange allocated to the industrial unit concerned by the Ministry of Defence for the purpose of such imports during the licensing year and at the time of clearance through Customs, the importer unit shall submit a declaration to the effect that the value of goods under clearance/already cleared does not exceed the total amount of foreign exchange released for the purpose by the Ministry of Defence to the importing unit concerned for the licensing year.

(9) (1) Import of raw materials, components consumables and spares can be made under Open General Licence by Public Sector undertakings on the basis of release of foreign exchange. Prior clearance from indigenous angle will be necessary for raw materials, components, consumables and spares appearing in Appendices 2 (Part B), and 3. In respect of any electronic item including marine electronics and communications equipment but excluding telecommunications equipment covered under Paragraph 7(13) of the Import-export Policy for 1990—93 (Volume I), prior clearance from Department of Electronics will be necessary, if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. For telecommunications equipment covered under the said paragraph 7(13) of the Import-Export Policy for 1990—93 (Volume I), Prior clearance of Department of Telecommunications (Telecom Commission) is necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. Import of Capital goods other than those appearing in Appendix 1, (Part A and Part B) of a value higher than Rs. 1.5 crores will require the approval of Capital Goods Main Committee headed by Secretary (Industrial Development). Import will be allowed under Open General Licence on the basis of list attestation by the Directorate General of Technical Development (DGTD) and release of foreign exchange by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). Import of Capital goods upto a value of Rs. 1.5 crores (other than those appearing in Appendix 1 (Para A and Part B)) will be allowed under Open General Licence on the basis of indigenous clearance and release of foreign exchange by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). The customs authorities shall allow clearance on the basis of evidence produced to this effect.

(2) The above facility for import of capital goods, raw materials, components consumables and spares under Open General Licence on the basis of release of foreign exchange and indigenous clearance, as detailed above, will also be available to public sector undertakings under the Ministry of Defence for import of items other than those allowed for import under Open General Licence.

(10) Necessary evidence of release of foreign exchange and indigenous clearance from DGTD/Department of Electronics/Department of Telecommunications as mentioned above will be required to be produced to the customs authorities at the time of clearance.

[File No. IPC|3|5|90]

आनेज सं 15/90-93

आया सामाध्य लाइसेन्स सं 15/8

का.आ. 294 (ग्र) :- आयात एवं निर्यात (निर्यात्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सरकारी राजपत्र के समय-समय पर जारी की गई यथा सशेषित सर्वेजनिक सूचना के द्वारा केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा सभी भारत से संलग्न अनुसूची में विशिष्टहृत विवरण की मद्दों का अकीका संघ किसी की छोड़कर किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक भारत में आयात करने की सामाध्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देते हैं:—

- (1) कम स. 1 में शामिल "आद्यात अनुमति" के मामले को छोड़कर इस भारत से संलग्न अनुसूची में शामिल अन्य सभी मध्ये किसी भी व्यक्ति द्वारा ठाकरे और बिक्री करने के उद्देश्य के लिए आयात की जा सकती है।
- (2) "आद्यात साहित्य" के मामले में आयात की अनुमति के बाल मान्यता प्राप्त शैक्षिक वैज्ञानिक, तकनीकी और अनुसंधान संस्थान विभागों, अनुसंधान और विकास कार्यों में सभी ही आद्यातिक पूर्णिटों, पंजीकृत विकासकारों, अस्पतालों, परामर्शदाताओं, मान्यता प्राप्त वाणिज्य मंडलों, उत्पादकता परिषदों, प्रबन्ध संघों और व्यावसायिक निकायों को उनके निजी उपयोग के लिए वी जाएगी। फिल्मों के आयातक (जोड़े वैज्ञानिक या वीडियो हो) तकनीकी सहायता के रूप में फिल्म सेंसर के केन्द्रीय थोर्ड से प्राप्त एक प्रमाण-पत्र कि आयातित फिल्म "पूर्णतया शिक्षाप्रब्र" है, सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करें।
- (3) मालों के मामले में, सभी पाल नियंत्रिकाओं को भारतीय राष्ट्रीय हृषि सहकारी विषयन संघ (नेफड) के पास सवयं को पंजीकृत कराना होगा। आयात तभी किए जायेंगे जबकि ऐसे पंजीकरण के साथ के रूप में संबंधित संविदा पर नेफड द्वारा मुहर सगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिए अनुबन्ध की प्रति नेफड को दी जानी चाहिए। वे उसकी एक प्रति के प्रत्येक १४ पर विधिवत् मुहर लगाकर आयातक को लौटा देंगे, जो भाल की निकासी के समय सीमाशुल्क कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी।
- (4) ग्रौषष्ठ मद्दों के मामले में, जहाँ कहीं आवश्यक हो, ग्रौषष्ठ व अधिगत प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन वध लाइसेंस रखने की आवश्यकता पूर्ण कर देनी चाहिए।
- (5) खजूर, होम्पोपथिक ग्रौषष्ठियों, कैमर निरोषक भवजों, जीवन रक्षक भवजों और मपरिष्कृत भवजों के मामले में, परम्परागत छोटे पैकिंग में भी आयात अनुमेय होगा।
- (6) (1) आयात-नियंता नीति, 90—93 के परिशिष्ट 6 की सूची 2 में आने वाले जीवन रक्षक उपस्कर के आयातकर्ता को महानिवेशक, तकनीकी विकास अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंता द्वारा इस प्रयोजन के लिए नामिन अन्य किसी अधिकरण द्वारा किये गए वैद्य प्रमाण-पत्र को सीमाशुल्क निकासी के समय प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
- (2) जीवन रक्षक उपस्करों के आयातक भी मणीनों के लाभ अथवा अन्य से ऐसे उपस्करों के आयात के लिए पाल होगा।
- (7) खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित माल का नियंत मुख्य नियंत्रक आयात-नियंता को लिखित अनुमति के बिना अनुमेय नहीं है।
- (8) इस प्रकार आयात किया गया भाल दक्षिणी अफ्रिका/विजियो परिवहनी अफ्रिका संघ/किंजो में उत्पादित या विनिर्णीमित न ही।
- (9) कर्जा बजत/संधार उपस्करों जिसमें कर्जा के नवीकरण और परिवर्तक पर काम करने/प्रयोग करने के सिस्टम और डिवाई-सिस मध्ये शामिल हैं के मामले में आयातक नान कन्वेंशन एनर्जी स्लोट विभाग, ब्लांक नं. 14, लोधी रोड, सां जो और कम्पलैक्स नई दिल्ली-3 को सीमाशुल्क से माल को निकासी के 15 दिनों के भीतर आयातित उपस्कर से भवंधित निम्नलिखित सूचना देनेगा :—
 - (1) आयातित उपस्कर का विवरण।
 - (2) उपस्कर सांगत—वीमा —भाइ। मूल्य

- (3) प्रायांत्रित उपरकर पर चुनाई गई सीमा शुल्क को धनराशि
 (4) वह देगा जिससे प्रायात्र किया गया ।
- (10) केवल उन व्यक्तियों, जो कि इसीकटीसाइड अधिनियम, 1968 के अन्तर्गत पंजीकृत हैं के द्वारा जिम्बेलिक एसिड का आयात अनुमति किया जाएगा ।
- (11) ऐसा मान भारत को प्रेरण के माध्यम से किसी भी रियायती अधिकार के बिना लाइसेंसिंग वर्ण को 31 मार्च 1993 को या उससे पहले पोत पर लावा गया हो ।
- (12) उपर्युक्त शर्त सं. 10 में दी गई व्याप्ति के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में मार्वेजनिक सूचना जारी करके खोले सामान्य लाइसेंस में से सी गई किसी भी मद के मामले में, सरकार को किसी समय सीमा निवारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पास आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय सांख्यिक द्वारा समर्थित पर्याकरण के आदेश के भवे प्रतिनिधित्व किया जाना चाहिए । अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में ऐसा संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा ।
- (13) यह लाइसेंस आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955 को अनुसूची-5 में शर्त सं. 1 के भी अधीन होगा ।
- (14) यदि किसी माल के आयात के समय लागू उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई नियंत्रण या विनियम लागू होंगे तो उस पर इस लाइसेंस का कोई प्रभाव नहीं होगा ।
- (15) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी भारात पर या ऐसो किसी भी भर्त का अनुशासन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या ढील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या भर्त के लिए वास्तविक उपभोक्ता (आर्थिकीय) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो । आयातक को उनके लागू अन्य कानूनों को शर्तों का पता करना चाहिए ।

[फा.सं.भाई.पो.सी.-3/5/90]

खुला समान्य लाइसेंस सं. 15/90 विनाक 30 मार्च, 1990 के लिए अनुसूची

1. निम्नलिखित प्रथापन सहायक साहित्य

- (1) ऐक्षिक प्रकृति का रोडर एवं प्रिंटर सहित या रहित माइक्रो-फ़िल्म और माइक्रो-फिल्म ; और
- (2) भोडियोफ़ेस्ट के साथ या बिना ऐक्षिक प्रकृति के किन स्ट्रिप्स सलाइड्स ; ऐक्षिक प्रकृति के भोडियो केसेट/बॉडियो टेब्स और ऐक्षिक प्रकृति का बॉडियो डिस्क ।

2. ब्लैल टाइपराइटर सहित अन्य व्यक्तियों के लिए अपेक्षित जीजार और उपकरण

3. आयात और नियंत्रि योति 1990-93 (खंड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची-2 में आवेदनी जावन दायक उपरकर और उनके प्रतिरक्त पुर्जे ।

4. परिवार कल्याण उपरकर/यन्त्र उपकरण अवधि, निम्नलिखित :—

- (1) (क) लप्त्रोस्कोप ;
 (ख) कल्ह स्पोष
 (ग) हाइस्ट्री-स्कोप ;
 (घ) वैम्यूम संक्षण एवरेट्रेस
 (ङ) उनके उपसाधिक और मणिकरण पुर्जे भी, और
- (2) रबड़ फंडूसेटिव वंड्र केवल डायफागमस्),

(3) डी फैम इस्टार्टर रोड, ट्रॉब फेज ,पी ई मोटोफिल्मेन्ट धारा, कापर बायर तथा सनीबज एवं पूर्व (रेनीन कंडाम, डायाकराम) औली और कोम टिकिवा, भारत के ग्रीष्म नियंत्रित, तद्द दिनों, द्वारा या अनुमोदित ।

(4) फ्लेपिक रिम्स (सिलस्टिक बैण्ड्स)

5. आयात नियंत्रि नाति, 1990-93 (खंड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची 3 में आवेदनी अपरिल्क्ष्य भेषज को प्रिपरेशन, जीवनदायक और फैसर रोधी भेषज ।

6. परिष्कृत रूप में होमोरोपेथ औषधियां या मूल रूप में भी/या किसी भी पोटेनसी के होमोरोपेथी भेषज (नियंत्र) "दुख चानो" सहित थोक में और बायोकैमिकल औषधियां ।

7. आयात नियंत्रि नाति 1988-91 (खंड 1) के परिशिष्ट-6 की सूची-4 के अनुसार आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियां बनाने के लिए अपेक्षित परिष्कृत भेषज (बैड, मोतियों और मूंगों के आयात को अनुमति केवल पूर्ण रूप में और केवल गैर अभूषण किरण के लिए दो जाएंगी) :

8. दाल

9. बजूर (गांस या मूँख) भारतीय पोत लदालों द्वारा आयातित

10. सैधा नमक

11(1) निम्नलिखित एक्सरे फिल्में (चिकित्सा)

- (1) माहन ऐन्जियोग्राफिक फिल्में
 (2) कापिंग (एक्सरे रेडियोप्राफ कापिंग के लिए)
 (3) दन्तय एक्सरे फिल्में
 (4) इपलोकेटिंग फिल्मों के लिए 35 भे.मी. नियोट्रिक एवं रिसेन टाइप
 (5) निजी मोनोट्रिंग
 (6) प्रोयाफिक फिल्में
 (7) कोटो टाइप सैटिंग घार पी स्टेबलाइजेशन पेपर
 (8) मुद्रण उद्योग के लिए वर्षोयाफिक पोलिमिड रेजिंग और एम्बोलिंग पाउडर
 (9) माइक्रो-फाइल फिल्में
 (10) इनफा रेड और आल्ड्रा बाथलैट फिल्में
 (11) गुर्दा शल्य चिकित्सा फिल्में

12. हाय पश्ची/दीचार घडी और टाइम पीस के लिए लेहक तेल

13. फिरिंग ट्रूक्स

14. (क) 16 एम.एम. या कम के गेज में ऐक्षिक एवं निवेशालक फिल्मों (विडियो फिल्मों सहित)/जिन्हें केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड द्वारा "प्रो-बोर्डेनेंटली शिकाप्रद" प्रमाणित किया गया हो ।
 (ख) 16 एम.एम. या कम ले गेज में विडियो फिल्मों सहित बच्चों को फिल्में जो कि लम्बाई में 800 मीटर या कम हों तथा केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड द्वारा "बच्चों की फिल्म" के लम्ब में प्रमाणित की गई हो ।

15. फोटो-ग्राफिक (रेनीन)

16. फोटोग्राफिक कलर पेपर

17. 120 भाइ रोल्स में मिश्र फोटोग्राफिक फिल्में (मादा)

18. घाषा लीड्स के लिए रिकार्ड

19. रक्ताश मनके
20. निम्नलिखित विनियमोंप्राप्तक फिल्में प्रबोधित ।—
 (1) ४एम.एम. (रंगीन) और
 (2) ४ एम.ए. (सफी नेटिव)
21. १९९०-७३ की आवात नियमत नीति (खण्ड १) के परिणाम्य-६ में सूची सं. ६ के अनुसार इनका उपयोग सामर्थी ।
22. आवात नियमत नीति, १९९०-७३ (खण्ड-१) के परिणाम्य-६ का सूची ९ के अनुसार आकाशमिक यद ।
23. आंजन जनरेटिंग अपरेंट्स
24. गुरमीक मीटर्स-हाईज बी. बोस्चटाइप आटोमोबाइक एगजास्ट के लिए ।
25. आटोमोबाइक इगजास्ट के लिए वाहनीय इगजास्ट से छोड़ने वाले भी, ओ., एक्स. सी., एन ओ. एक्स, भी ओ., २ (इन पोलोटेंट्स के एक शार्पिक) के मापन के लिए—एगजास्ट भैंस एनेलाइजर्स ।
26. निम्नलिखित ऊर्जा व्यक्ति/संरक्षण उपकरण जिसमें ऊर्जा के पुनर्व्यवहार और वैज्ञानिक स्रोतों के लिए कार्य करने वाले सिस्टम एवं डिजाइनिंग दोकान आवास शामिल हैं ।—
 (1) विद्रुत इंजिन जनरेटर्स
 (2) विद्रुत पत्ता
 (3) फोटोवोल्टेक गृहज/पुनर्व्यवहार सिस्टम्स का छोड़कर सारे ऊर्जा उपकरण
 (4) फोटोवोल्टिक गैंससं गहित आटोमेटिक इलेक्ट्रोमिक ड्रैकिंग किल्स के पुरावोल्टिक फोकसिंग सिस्टम ।
 (5) पोर्टेबल एकजास्ट गैस एवं कम्बूशन एनालाइजर
 (6) स्टाम ट्रैप लोक फ्रिटेकरट
 (7) अल्ट्रासोनिक लोक डिक्टेपूर
 (8) सौर ऊर्जा नियंत्रण फिल्म
 (9) एनेमोमीटर, डाटा लोगर्स आदि जैसे वायु मापक उपकरण
 (10) वायोमास ब्रेक्स एवं सोलर ब्रेक्स स्टर्लिंग हंजिन
 (11) ५० कि.वा. में प्रथम कमना लाले आयोमास गैसिफीयर्स
27. आवात नियमत नीति, १९९०-७३ (खण्ड १) के परिणाम्य-२, ३, शाय. क, ४ और १० में सम्मिलित पुर्जों को छोड़कर अतिरिक्त ।—
 (1) मुद्रण मशीनरी,
 (2) मणीनी औजार घोटा, सफड़ी, काम और व्हास्टिक को काटने विस्तै और पालिश करने के लिए, किसी भी भानक या बन्दूंची उपकरण सहित ।
 (3) निम्नलिखित सहित सिनेमाएटोग्राफिक उपकरण ।—
 (1) पिक्चर और साउण्ड प्रिंटिंग लैम्प्स
 (2) प्रोजेक्शन लैम्प्स-जेनेन या टांगस्टन
 (3) सिनेमास्कोप लैसों सहित लैस/जूम लैस
 (4) प्रोजेक्शन बाल्यूम इंशेक्टर्स
 (5) १० किलो वाट, ५ किलो वाट, २ किलो वाट, १ किलो वाट तथा ५०० किलो वाट कमता के ट्यूबिंग लैम्प
 (4) ड्राइलस
 २८. आउट बोर्ड सोटसं
29. १९९०-७३ की आवात नियमत नीति (खण्ड-१) के परिणाम्य-२, ३, ५ और दर्शित ८ का सूची में शुल्क विवरण में निम्न प्रत्येक गत्तेला अंतर संजग्य के मिलते हैं ।
30. विवरातिक गैसित

ORDER NO. 15/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/90

S.O. 294(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji goods of the description specified in the Schedule annexed to this Order, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Except in the case of "Teaching Aids" covered by Serial No. 1 all other items covered by the Schedule annexed to this Order, may be imported by any person, for stock and sale.
- (2) In the case of "Teaching Aids", import will be allowed only by recognised educational, scientific, technical and research institutions, libraries of such institutions, Central or State Government Departments, industrial units engaged in Research and Development work, registered medical institutions, hospitals, consultants, recognised Chambers of Commerce, productivity councils, management associations and professional bodies, for their own use. Importers of films (whether scientific or video) as teaching aids, shall produce to the Custom authorities a certificate from the Central Board of Film Certification that the films imported are 'predominantly educational'.
- (3) In the case of pulses, all eligible importers shall be required to register their contracts with the National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (NAFED). Import shall be made only after the connected contracts have been stamped by NAFED as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the NAFED; they will return one copy to the importer, duly stamped on each page, for production to the Customs authorities at the time of clearance of goods.
- (4) In the case of drug items, the requirements regarding possession of a valid licence under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, (23 of 1940) wherever necessary, should be complied with.
- (5) In the case of dates, homeopathic medicines, anticancer drugs, life saving drugs and crude drugs, import will also be allowed in traditional small packing.

- (6) (1) Importers of Life Saving Equipment appearing in List 2 of Appendix 6 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume 1) shall be required to produce the valid Certificate issued by the Director General of Technical Development or by any other agency designated for the purpose by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, at the time of customs clearance.
- (2) Importers of Life Saving Equipment shall be eligible to import spares of such equipment either alongwith the machines or separately.
- (7) Goods imported under Open General Licence are not permissible for export without the written permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.
- (8) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (9) In the case of energy saving/conservation equipment including systems and devices working on/used for Renewable and Alternate Sources of Energy, the importer shall furnish to the Department of Non-Conventional Energy Sources, Block No. 14, Lodi Road C.G.O. Complex, New Delhi-110003, the following information pertaining to the equipment imported within 15 days of the clearance of goods from Customs:
- Description of the equipment imported;
 - Its c.i.f. value;
 - Amount of customs duty paid on the imported equipment;
 - Country from which imported.
- (10) Import of Gibberellic Acid will be allowed only by persons having valid registration under the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968).
- (11) Such goods are shipped on through consignment to India on or before the 31st March, 1993, without any grace period, whatsoever.
- (12) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (11) above in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.
- (13) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.
- (14) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (15) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC|3|5|90]

SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE NO.
15/90 DATED THE 30TH MARCH, 1990

1. Teaching Aids, namely:—

- Microfilms and Microfiches of educational nature with or without readers-cum-printers; and
- Film strips/slides of educational nature with or without audio cassettes, audio cassettes/video tapes of educational nature and video discs of educational nature.
- Instruments and equipment required by blind, including Braile typewriters.
- Life-saving Equipment appearing in List No. 2 of Appendix-6 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume-1) and their spares.
- Family welfare equipment/instruments, appliances, namely:—
 - Laproscope;
 - Culdscope;
 - Hysteroscope;
 - Vacuum Suction apparatus;
 - Accessories and spares of the above items;
 - Rubber contraceptive (diaphragms only).
- Intrauterine contraceptive devices, T-Frame, insertor rod, tube, flange, PE monofilament thread, copper wire and sleeves and pouch, coloured condoms, diaphragms, jelly and foam tablets, as approved by the Drugs Controller (India), New Delhi; and
- Falope rings (silastic bands). Finished drug preparations, life saving and anticancer drugs appearing in List No. 3 in Appendix 6 of the Import and Export Policy for 1990—93 (Volume I).
- Homoeopathic medicines in finished form of Homoeopathic drugs (single) in basic form and/or of any potency, including Sugar of Milk in bulk.
- Crude drugs required for making Ayurvedic and Unani medicines, as appearing in List No. 4 of Appendix 6 of Import and Export

- Policy for 1990—93 (Volume I) (Import of jade, pearls and corals will be allowed only in powder form and of non-jewellery quality only).
8. Pulses.
9. Dates (Wet or dry) (imported by Indian sailing vessels).
10. Rocks Salt.
11. (i) X-Ray films (medical), namely :—
 (1) Cine angiographic films.
 (2) Copying films (for copying X-ray radiograph).
 (3) Dental X-ray film.
 (4) 35mm negative and reversal types for duplicating films.
 (5) Personal monitoring films.
- (ii) Aerographic films.
- (iii) Photo type setting RC|Stabilisation paper.
- (iv) Thermographic polymid raising and embossing powder for printing industry.
- (v) Microfile films.
- (vi) Infra-red and ultra-violet films.
- (vii) Kidney surgery films.
12. Lubricating oils for watches, clocks, time pieces and house service meters.
13. Fishing hooks.
14. (a) Educational and instructional films (including video films) in a gauge of 16 mm. or less certified by the Central Board of Film Certification to be "pre-dominantly educational".
- (b) Children's films including video films in 16 mm gauge or less of 800 metres or less in length certified by the Central Board of Film Certification to be "Children's films".
15. Photographic films (colour).
16. Photographic colour papers.
17. Photographic films (black and white) other than 120 and 620 size rolls.
18. Records for learning languages.
19. Rudraksha beads.
20. Cinematographic films, not exposed the following :—
 (i) 8mm (colour) and
 (ii) 8 mm (black and white negative)
21. Dental items as per List No. 6 of Appendix 6 of Import and Export Policy for 1990—93 (Volume I).
22. Items of ophthalmic use as per List 9 of Appendix 6 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I).
23. Ozone generating apparatus.
24. Smoke metres—Hertiridge and Bosch Types for automobile exhaust.
25. Exhaust Gas analyses for measurement of CO, HC, NOX, CO₂ (one or more of these pollutants) coming from vehicular exhaust—for automobile exhaust.
26. Energy saving/conservation equipment including systems and devices working on used for Renewable and Alternate Sources of Energy, namely :—
 (i) Wind driven generators.
 (ii) Wind Pumps.
 (iii) Solar energy equipment excluding photovoltaic cells|panels|modules|systems.
 (iv) Parabolic focussing systems of the automatic electronic tracking type including photoclectric sensors.
 (v) Portable exhaust gas and combustion analysers.
 (vi) Steam trap leak detector.
 (vii) Ultrasonic leak detector.
 (viii) Solar heat control films.
 (ix) Wind measuring instruments such as anemometers, data loggers etc.
 (x) Biomass-based and Solar-based stirling engines.
 (xi) Biomass gasifiers of capacity above 50 KW.
27. Spares, except those included in the Appendices 2, 3 (Part A), 8 and 10 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I) of :
 (1) Printing machinery.
 (2) Machine tools for cutting forming, abrading and polishing metals, wood, glass and plastic including any standard or ancillary equipment; and
 (3) Cinematographic equipment including :—
 (i) Picture and sound printing lamps.
 (ii) Projection lamps—Xenon or tungsten.
 (iii) Lenses|zoom lenses including cinema-scope lenses.
 (iv) Projection volume indicators.
 (v) Studio lamps of capacity 10 KW, 5 KW, 2 KW, 1 KW and 500 watts.
- (4) Trawlers.
28. Out board Motors.
29. Laboratory and Reagent Chemicals other than those appearing in Appendices 2, 3 and 5, and in any of the Lists of Appendix 6 of the Imports and Export Policy for 1990—93 (Volume-I).
30. Gibberellic Acid.

आदेश सं. 16/90—९३

बूला समाच्छ लाइसेंस सं. 16/90

का.प्रा. 295 (म) .—आयात नियंत्रित विभाग प्रधिकार, 1947 (1947 का 18) के खंड-३ द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय भरकारी राजपत्र में सार्वजनिक मूच्चना जारी करके समय-समय पर यथासंभवित सार्वजनिक मूच्चना के लिए केन्द्रीय भरकार एवं द्वारा इसके माध्यम संलग्न अनुभूति से विशिष्टिकृत विवरण की घटों का विवरणी प्राप्तिका संषोधिती की छाड़कर निम्नलिखित गतों के प्रधीन किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक भारत में आयात की सामाच्छ अनुमति देती है:—

1. पाल्टी बैक्सीन के आयात के मामले में:—

(1) सीमाशुल्क से माल की निकासी के समय आयातक पशु-पालन भारत, भारत सरकार, फूलि विभाग से (विवरण/भाला/मूल्य) की प्रनिवार्यता के संबंध में एक विशिष्ट विभागित पत्र प्रस्तुत करेगा।

(2) बदल आयातक, सीमाशुल्क से प्रेषण की निकासी के 15 दिनों के भीतर फूलि विभाग की आयातित भवों, उनकी याहा और उनके लागत बीमा-माड़ा मूल्य के अंतर के संबंध में तृच्छा देंगे।

(3) आयातित माल संवेदित अकृकट फार्म/प्राथमिकासा के ग्राहों में “बास्तविक उपयोगता” गते के अधीन होगा।

2. प्रोस्ट्राइंड पी.जी.एफ-३ एल्फा के मामले में आयातक जी निकासी के समय सीमाशुल्क प्राथिकारियों की पशुपालन भागक, नई लिंस द्वारा जारी किया गया “प्रतिवार्ता प्रारूप-पत्र प्रस्तुत करका होगा”।

3. लिंकिता गैस सिलिंडरों के भासमें में आयात की स्वीकृति उन वास्तविकों उपयोगकारों (बौद्धिगिक) की जाएंगी जिनके पास विकिस्ता गैस (आवश्यक) और नाइट्रस आक्साइड के विनियम के लिए बौद्धिगिक लाइसेंस/पंजीकरण हैं और उनके पास अवैध तथा शुंगार प्रसाधन प्रविनियम, 1940 के अधीन जारी किया गया था वह लाइसेंस है। यह निम्नलिखित गतों के भी प्रधीन होगा:—

(1) आयातित लिंकिता गैस सिलिंडरों का उपयोग केवल लिंकिता प्रयोजनार्थ लिंकिता गैस कर्वेसिंग और सल्फराई के लिए होगा।

(2) आयात किए जाने काले लिंकित और इसमें कोई यात्रा मूल्य नियंत्रक विस्कोटक द्वारा अनुमोदित होने आहिए और गैस सिलिंडर नियम, 1981 के अधीन उपयोग के लिए स्वीकृत हो।

(3) गैस के आधारों के रूप में आयातित गैस सिलिंडर ऐसी सामग्री में निर्माता होने आहिए जो सामाच्छ: ऐसी गतों के लाने ले जाने में प्रयुक्त की जाती है।

(4). आयातक मूल्य नियंत्रक विस्कोटक से गैस सिलिंडर नियम, 1981 के अधीन अपेक्षित आवश्यक अनुमति प्राप्त करेगा।

4. अनिवार्यता के लिए 15 लिंडर गांठी की अनुमति तक के सी.ओ., (CO₂) गैस सिलिंडर के मामले, गैस उपर्युक्त (2), (3) और (4) में उल्लिखित गतों लागू होंगी।

5. बीकने हैल्किक मोटरों के मामले में बातु कतरन व्यापार कार-पोरेन सि./मुक्त नियंत्रक आयात नियंत्रित, नई लिंस द्वारा अनुमोदित कोई अन्य राज्य प्रधिकारण पाल आयातक होगा। आयातित ‘माल’ (एम. एम. डी.-सी.) बातु, कतरन, व्यापार, कामरेश्वर, सम्झौता, अस्पिट्यून, द्वारा, रेल जाएगा और पाल वास्तविक उपस्थितियों को विस्तृत विभाग आयेगा।

6. बीमेटिप इसेट्रोमेटिक बाटर कंडीशनिंग सिस्टम के मामले में स्वास्थ्य नियंत्रित (विनियमित कारपोरेशन आदि) सशारी विभाग और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र संस्थान पाल होंगे।

7. प्रेप ग्राउंड पेपर के मामले में पाल आयातक लेन्ट्र या राज्य भरकार/संघ आयातित क्षेत्र के कृषि विभाग नियंत्र, संग्राह द्वारा सामग्री पाल के लिए अनुभूति, छपरों के लिए होंगे। आयातित माल के बाल अंगूठे के उत्पादों के वितरण के लिए होंगा और आयातक आयातित भाल के वितरण का उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखे को मंत्रालय लाइसेंसिंग प्राविकारी और सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

8. अनुभूति की जग सं. 7 में उल्लिखित कोटो रसायनों के मामले में (1) राष्ट्र इस्टेटिलियरेंट के लिए लागू स्वास्थ्य के अधीन पंजीकृत वास्तविक उपयोगता और (2) राज्य उल्लोग नियंत्रक द्वारा प्रभागित फिल्म स्टूडियो, किस्य संमाधन प्रयोगशालाएं और पराक्रम प्रयोगशालाएं पाल आयातक होंगे।

9. अनुभूति की जग सं. 8 में उल्लिखित 3/१ इंच यूमुटिक और एक इंच बीडियो बैसेट्स/ट्रिप्स के मामले में पाल आयातक बीडियो सापट-बेमर उत्पादन के लिए भूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पास पंजीकृत होंगे।

10. अनुभूति की जग सं. 9 में उल्लिखित किंवदि तरह के भी कम्प्यूटर सापटबैर्स के मामले में निम्नलिखित आयातक पाल होंगे:—

(क) अपने उपयोग के लिए सरकारी विभाग और कम्प्यूटर विसिमिनाओ द्वारा सहित वास्तविक उपयोगता।

(ख) स्टाक और बिश्री के प्रयोग के लिए हेलट्रानिकी विभाग के साथ पंजीकृत किए हुए सापटबैर सदन।

(ग) स्टाक और बिश्री के लिए हल्कानिकी विभाग।

11. अनुभूति में जग स. 12 के अन्तर्गत आने वाले कोटनाशी, फॉक्सीवाली, ब्रास्टपतनाशी के मामलों में स्टाक और बिश्री के प्रयोगन के लिए आयात के बाल भारतीय लृपक उर्वरक सहकारी संघ, लृपक भारतीय सहकारी संघ, हिन्दुस्तान हस्टेक्टीसाइड लिमिटेड और राज्य कृषि उल्लोग नियम द्वारा अनुमति किया जाएगा।

12. पाली यूरेपिम चमड़े के मामले में, आयात-नियंत्रित के प्रयोगन के लिए इन्स्पेक्टर बालों के विनियम में कार्यरत वास्तविक उपभोक्ता (बौद्धिगिक) को अनुमति किया जाएगा और राज्य व्यापार नियम को नियंत्रित प्रयोगन के लिए इन्स्पेक्टर बालों के विनियम में वास्तविक उपयोगशालों को वितरण के लिए अनुमति किया जाएगा। यह भी निम्नलिखित गतों के अधीन होगा:—

(1) नियंत्रित के लिए इन्स्पेक्टर बालों के विनियम में रत ऐसे वास्तविक उपभोक्ता जो राज्य व्यापार नियम (एस.टी.सी.) से सीधी मद का आयात या प्राप्त करते के इच्छुक हैं तो उन्हें प्रयोगने टेके बेल सामान नियंत्रित संवर्धन परिषद (एस.जी.ई.पी.सी.) के पास पंजीकृत करने अपेक्षित होंगे। आयात के बाल ऐसे पंजीकरण के साथ के रूप में एस.जी.ई.पी.सी. द्वारा मोहर लगाने के पश्चात ही किए जाएंगे। इस प्रयोगन के लिए टेके की दो प्रतियां एस.जी.ई.पी.सी. के पास भेजी जाएंगी और वे इसमें एक प्रति बाल के निकासी के समय सीमाशुल्क को प्रस्तुत करने के लिए प्रत्येक पृष्ठ पर विशिष्ट मोहर लगाकर आयातक को लौटा देंगे।

(2) आयात के समय आयातक को खेलकूद सामान नियंत्रित संबंधन परिषद से सीमाशुल्क प्राधिकारी को इस अन्य का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि नियंत्रित के उद्देश्य के लिए आयातक इन्स्पेक्टर बाल का वितरण होता है।

(3) परवर्ती मंविश के पंजीकरण के रामपाल नियरेक को एवं नियरेट को दूषण की आयात प्रस्तुत करने ही से पंजीकरण के प्रबोधन के लिए पहले से ही पंजीकरण मंविश के प्राप्तानि माल की उपयोगिता एवं आयात का विवरण दिया हो।

(4) राज्य आयात नियम के लिए खेत क़द मामले मंविश संबंधी परिषद के साथ आयात मंविश का पंजीकरण करनाना अनिवार्य होगा।

13. अकिंग के लिए, इंडियन फलेंग बैमल के मामले में, निम्नानुसार सीमाशुल्क प्राधिकारियों को एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें बैमल की स्कैपिंग प्राधिकृत की गई हो।—

- (1) महानियैशक, जिपिंग, बच्चई से एक प्रमाण-पत्र जिन मामलों में बैमल उनके साथ पंजीकृत हों। (नौसेना मुख्यालय)
- (2) रक्षा मंविश (नौसेना मुख्यालय) से एक प्रमाण-पत्र जिन मामलों में बैमल उनके स्वयं के हों; और
- (3) पोर्ट ट्रस्ट, कोस्ट गार्ड प्रार्दि के बैमल के मामले में मंविश संघठनों से एक प्रमाण-पत्र।

14. मञ्जियों/फूलों के बीजों, सजावटी पीढ़ियों के बीजों, फूलों के द्रव्यरस और बल्बस और अनुसूची की मध्य म. 15 में संबंधित फूलों की कटिंग, सेपलिंग, बड़बूझ आदि के मामले में (क) राज्य सरकार के कृषि/आगवानी विभाग, राज्य कृषि विश्वविद्यालय और [भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई सी ए प्रार), (ख) बीज का उत्पादन करने वाली व भारतीय कम्पनियों/फैमें जो राष्ट्रीय बीज नियम के पास पंजीकृत हैं, (ग) राष्ट्रीय बीज नियम, राज्य बीज नियम, (घ) आद्य संसाधन प्रौद्योगिक यूनिट्स और (ङ) राज्य सरकारों के कृषि/आगवानी नियोजक के पास पंजीकृत फूलों और मञ्जियों के उत्पादक पाल आयातक होंगे।

15. (1) शर्त (13क) में संबंधित पाल आयातकों द्वारा सञ्जियों/फूलों के बीजों, सजावटी पीढ़ियों के बीजों, फूलों के द्रव्यरस और बल्बस का आयात, पादप, फल एवं बीज (भारत में आयात करने के लिए विनियमन) आदेश, 1981 (जिन्हें भारत आदेश कहा गया है), के प्रावधानों द्वारा ऐसे संगोष्ठी विनियमों को पूरे करने के बाद नियत किया जाएगा जो प्रथम नियोजन प्रयोगशाला नियोजन और बुद्धि परिशण के उद्देश्य के लिए उक्त आदेश के तहत नियरित किए गए हों। परेण्य तब तक बंधित गोदाम में आयातक की लागत पर रक्षा जाएगा जब तक संगरोध/सीमाशुल्क निकासी न हो दी जाए। सञ्जियों/फूलों/सजावटी पीढ़ियों के बीजों, फूलों के द्रव्यरस और बल्बों की सीमा शुल्क से निकासी उक्त आदेश में उल्लिखितानुसार संगरोध निकासी पाल की प्राप्ति होने पर की जाएगी।

(2) घगर परेण्य को देखने से यह पता चले कि उसमें किसी भीमारी, या भास्तामारी या विवेशी भीमारी के गोलकृषि सभी हूए हैं या प्रकट हैं तो सम्झौते परेण्य को अस्वीकार कर विभाग जाएगा और इसे नियरित प्रक्रिया के अन्तर्गत नाट कर दिया जाएगा।

16. (1) फूलों की कटिंग और सेपलिंग के पाल आयातकों के पास पारप संरक्षण सलाहकार द्वारा व्यशिल्पियांति पोस्ट एन्टी क्वारंटाइन सुविधाएं होनी चाहिए।

(2) फूलों के कटिंग, सेपलिंग, बड़बूझ प्रार्दि के आयात के लिए वास्तविक नियोजन एवं प्रयोगशाला नियोजन के प्रतिरिक्त पोस्ट एन्टी क्वारंटाइन अनिवार्य होगा। उक्त आदेश द्वारा यथा नियरित या उसके अधीन पोस्ट एन्टी क्वारंटाइन सुविधाएं शर्त (13क) में दिए गए के प्रतुसार पाल आयातकों द्वारा स्थापित की जानी होंगी।

(3) सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा पाल संसाधन सलाहकार गे वराटाइन निकासी प्राप्त होने पर परेण्य की सामाजिक निकासी भी जाएगी।

(4) फूलों के कटिंग, सेपलिंग बड़बूझ इत्यादि जिनके लिए वी.ई.क्यू.सु.विधा में लागत आएगा। पौधे, फल और बोज (भारत में आयात के लिए विनियमन) आदेश, 1984 के अधीन नियरित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किए जाएंगे। यदि संगरोध/सीमाशुल्क निकासी के उपरान्त उक्त प्राधिकारों नियोजन के दौरान यह देखका है कि इसमें कोई विवेशी कीड़ा या बीमारी है तो नियरित वंग से उसी समय सामरी को नाट कर दिया जाएगा।

17. माल की निकासी के समझ आयातक संबद्ध प्राधिकारी के पास मामला/पंजीकरण ध्योरे अर्थात् मान्यता/पंजीकरण प्रमाण की संख्या एवं दिनांक के अधीरे देते हुए सीमाशुल्क प्राधिकारी को एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा कि ऐसी मान्यता/पंजीकरण इन नहीं किया है या वापस नहीं लिया गया है या अन्यथा हप में अप्रसारी नहीं किया गया है ऐसे मामलों में जहाँ संबद्ध प्राधिकारी द्वारा अलग मान्यता पंजीकरण न हो अवैधित नहीं की गई है तो आयातक नीमाशुल्क प्राधिकारी को संतुष्टि के लिए अन्य साध्य प्रस्तुत करेगा।

18. दांत फूलों के मामले में राष्ट्रीय कृषि विषयन फेडरेशन (नेफड) द्वारा विस मंविश (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा विदेशी मुद्रा वी उत्पुक्ति पर ही आयात अनुमेय होगा। आयातित माल की निकासी के मध्य नेफड की सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास इसमें संबंधित आवश्यक साध्य प्रस्तुत करना होगा।

(1) विश्वविद्यालय नियमों माले गए विश्वविद्यालय और मान्यता प्राप्त शैक्षिक और शनुमंधान संस्थान प्राप्तिल है;

(2) पञ्चिक, राष्ट्रीय और राज्य पुस्तकालय;

(3) उच्च निकासी के संस्थान;

(4) पुस्तक विकेन्द्री नियन्त्री नियन्त्रण वार्तिक विकी प्राप्त 5 लाख रुपये हैं;

(5) श्रीयोगिक स्थापनाओं की अनुमध्यान और विकास इकाइयां, प्रौद्योगिक स्थापनाओं की अनुमध्यान और विकास इकाइयां,

(6) अपने व्याक्तिगत प्रयोग हेतु वैज्ञानिक, इक्टर, इनीशियर, विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिक, एड्डीकेट, मनी नेक्टायान इत्यादि जैसे व्यावसायिक वर्षों तिं उक्तका एक वित्तीय वर्ग में आयात लागत वीमा भाड़ा मुद्रा के 10,000 रु. से अधिक का न हो।

19. शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं नक्काशी पुस्तकों के मामले निम्नोक्त शर्तें लागू होंगी :

(क) पुस्तकों के विदेशी भरकरण विकास प्राधिकृत भारतीय पुस्तकिंग संस्करण उपलब्ध है, का आयात अनुमेय नहीं होगा।

(ख) भारतीय प्रकाशन के विदेशी पुस्तकिंग के आयात की शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली की विणिपित पूर्व विकास अनुमति के दिना प्रकृम्य नहीं किया जाएगा।

(ग) भारतीय कोस्ट लाइन के कोवल ऐसे नांसंशालन संवर्गी छार्टों के आयात को अनुमेय वसी किया जाएगा जबकि उक्तकी विशिष्टतः निकासी मुद्रा हाइट्रोप्राइन, गार्ड गर्कार, डेस्ट्राइट डार्स की जाएगी।

(घ) विदेशी में प्रकाशित पुस्तकों के अप्राधिकृत पुस्तकिंगों के आयात की अनुमेय नहीं किया जाएगा।

- (अ) पूर्णतः शैक्षिक स्वल्प के रिकार्डों या प्री-रिकार्डिंग आडियो सथा बीडियो कैसेटों या विडियो डिस्क तथा प्री रिकार्डिंग फ्लोपी डिस्क, जोकि पुस्तक के अधिन्द्र भंग हैं, का आयात किया जा सकता है वर्षाने कि मञ्चायर ने प्रमाणित कर दिया है कि रिकार्ड या प्री रिकार्डिंग कैसेट या बीडियो डिस्क या प्री-रिकार्डिंग फ्लोपी डिस्क पुस्तक के अधिन्द्र भंग है और सम्बद्ध वीडियो में रिकार्ड प्री रिकार्डिंग आडियो तथा बीडियो कैसेट या प्री रिकार्डिंग फ्लोपी डिस्कों या बीडियो डिस्कों का छोड़ा दिया गया है।
- (ब) पुस्तक विनेशा माय की निकासी के समय सीमांशुलक प्राधिकारियों के समक्ष बहुराह दुकान तथा प्रतिष्ठान के पंजीकरण सवधांश सम्बद्ध विधि के अन्तर्गत अपने पंजीकरण की मूल कारी (जो इस समय वैध है) या ऐसे मूल की फोटो कारी प्रस्तुत करेंगे या प्रकाशकों या पुस्तक विनेशाओं के किसी व्यावसायिक संघ की सदस्यता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे। सभी या सामग्र लेखकार या काम्पनी भविष्य, जो कि फर्म का साक्षीदार नहीं है निवेशक या फर्म के किसी कर्मचारी या इसके किसी सहयोगी द्वारा पुस्तकों की वायिक विक्री की आय को दर्शने द्वारा दिया गया प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करना अपेक्षित होता है।
- (स) पुस्तक विनेशा द्वारे सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित पुस्तकों के मूल्य के बारे में, मूल आदेश का ल्योग, क्या पुस्तकें तकनीकी हैं या गैर तकनीकी और प्रत्येक लेख दो का मूल्य बताते हुए तिमाही विवरण क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी को देंगे। ऐसा विवरण न भेजते पर आयात-निर्यात कोइ नहीं रहे हो सकता है।
- (द) प्रैक्षिक और अनुसंधान मंशानों, उच्च शिक्षा के संस्थानों तथा प्रौद्योगिक लाइब्रेरी का निकासी के समय सीमांशुलक प्राधिकारियों के समक्ष, कोई या राज्य सरकार अथवा विश्वविद्यालय द्वारा, जैसा भी सामना हो, उन्हें साम्यता दिए जाने से संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। और उन्हें इस आशय की एक घोषणा करनी होगी कि आयातित पुस्तकें उनके संघ के हार्डेमाल के लिए हैं। जिसी रूप से विनेशित अनुसंधान मंशानों को जिन्हें केन्द्र या राज्य सरकार से प्रीप्रारिशक रूप से साम्यता प्राप्त नहीं है, इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा कि उनके द्वारा किए जा रहे अध्ययन या अनुसंधान परियोनाश्रों के लिए सरकार से अनुदान प्राप्त हुआ है।
- (ज) व्यावसायिकों को निकासी के समय सीमांशुलक प्राधिकारियों को संगत व्यावसायिक निकाय या संघ की अपनी सदस्यता के संबंध में साम्य प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें वर्ष के द्वारा दिए गए आशयों का विवरण शीर इस आशय की घोषणा भी प्रस्तुत करनी होगी कि लाइसेंसिंग वर्ष के द्वारा उनका मूल आयात 10,000 रु. के मूल्य से अधिक का नहीं हुआ है।
- (झ) सीमांशुलक से निकासी के समय आयातकों को इस आशय का घोषणा देनी होगी कि आयातित पुस्तकों में वे पुस्तकें शामिल नहीं हैं जो आयात-निर्यात नीति (छंड-1) 1990-93 के अनुसार अनुप्रयोग नहीं हैं।
20. प्रैक्षिक वैज्ञानिक और सकारी परिकारों, द्व्यूज मैरिज और श्रमिकों के गामने में द्व्यूज भामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत सभी अधिकारी को उनका आयात करने की अनुमति होती है।
21. माल की निकासी के समय आयातकों की सीमांशुलक प्राधिकारी को यह घोषणा प्रस्तुत करनी होगी जिसमें संबंधित प्राधिकारी के साथ साम्यता प्राप्त पंजीकरण के विवरण दिये गये हों जिसे साम्यताप्राप्त पंजीकरण प्रमाणपत्र की संख्या तथा तारीख और यह वचनबद्धता कि ऐसी

साम्यता पंजीकरण को यह प्रथमा वापिस तथा अन्य प्रकार से प्रत्रभावी नहीं बनाया गया हो। जिन मामलों में, संभवित प्राधिकारी द्वारा साम्यता पंजीकरण भंग्या अन्य से नहीं हो गई हो। तो आयातकों को सीमांशुलक प्राधिकारी जी मंत्रिटि के लिए कोई अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा।

22. आयातकों को इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात किये गये माल की स्थान उपग्रेड का उत्तिल लेखा-जोड़ा निर्धारित प्रवक्त्र एवं विधि में रखना होगा और जैसा कि निर्धारित किया गया हो, उस अवधि के भीतर लाइसेंसिंग प्राधिकारी प्रथमा किसी अन्य सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करना होगा।

23. द्व्यूज सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित माल का नियति मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति नई दिल्ली की अनुमति के बिना अनुप्रयोग नहीं है।

24. इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका और किंजी में उत्पादित या विनिर्मित न हो।

25. ऐसे माल किसी भी रियायती प्रवधि, चाहे वह जो कुछ भी हो, के बिना लाइसेंस वर्ष के 31 मार्च, 1993, को या इससे पहले परेंट ने माल्यम से भारत के लिए लादा गया हो।

26. उपर्युक्त शर्तें सं. 25 में दी गई अवस्था के बावजूद भी नोक छित्र में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके द्व्यूज सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी माल के मामले में सरकार को ऐसी समय सीमा नियरित करने का प्रधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा द्व्यूजे गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय सामग्रपत्र द्वारा समर्पित पक्के आदेशों के मद्दे पीत लवान किया जाना आहिए अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में कोई सुरक्षा अवस्था प्रदान नहीं की जाएगी।

27. यह लाइसेंस आयात (नियन्त्रण) आवेदन 1955 की अनुसूची 5 की शर्तें मं. 1 के भी अधीन होगा।

28. किसी माल के लिए उसके प्रायात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य नियेष्य या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

29. अन्य कानून या विनियमों के अन्तर्गत वास्तविक उपयोक्ता को जो अनियार्यता या अनुपालन पूर्ण करते हैं, यह लाइसेंस उनसे कोई उच्चकृत छूट या रियायत किसी भी समय प्रदान नहीं करता है। आयातकों को सभी अन्य कानूनों के उपबन्धों का पालन करना आहिए जो उन पर लागू हैं।

[फाइल नं. आई.पी.सी. 3/5/90]

द्व्यूज सामान्य लाइसेंस सं. 16/88-91 दिनांक 30 मार्च, 1988 की अनुसूची

- पाल्टी बेक्सीन (सभी किसी)
- 10.2 लीटर पानी की क्षमता और कम क्षमता के मेहिकल गैस सिलेन्डर
- अग्नि शमकों के लिए 15 लीटर तक की पानी की क्षमता वाले डायक्साइड गैस सिलेन्डर
- गोकन-इलेक्ट्रिक गोट्टेर्स
- मेगनेटिक/इलैक्ट्रोमैग्नेटिक वाटर कंडीशनिंग सिस्टम
- प्रेप गार्ड पेपर
- फोटोप्राइक लेपिकल-डिवेलरप, फिल्सजरस, इन्टेशिलीफ़ायरम रिहम्सूसरस, टोनसे और कलीनिंग एंजेंट।
- हैंड यू-मैटिक और एक हैंड बीडियो फ्लोट/टिप्स।

9. किसी सीडिया में कम्प्यूटर साप्टवेयर, जिसमें 50 लघु या उससे कम के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य प्रति डिमकेट सहित प्रोप्रीटी डिमकेट साप्टवेयर शामिल है।
10. पोलियोयूंचन नैदर।
11. ब्रैकिंग के लिए डिप्लिन फ्लैग वैमन।
12. निम्ननिवित कीटनाशी, फक्सीनाशी और धारणात नाशी :—
- (1) मोलोक्रोटोफोग
 - (2) मिष्टाइल पैगाथियोन
 - (3) डिमिथोथेट
 - (4) बी एच. बी
 - (5) भेलाथियोन
 - (6) एन्डोमल्फान
 - (7) फोरेट
 - (8) डिप्लेन
 - (9) जिनेब
 - (10) पिराग
 - (11) 2, 4-डी
 - (12) ब्यूटा क्लोरोज
 - (13) बैथियोकार्ब
 - (14) आसमीप्रोट्रूरोज
13. ताजे फल
14. प्रोस्टाग्लैडिन पी जी एफ 2 एफ्का
- "15 (1) मछियों/फ़लों के बीज, मजावटी पौधों के बीज, फ़लों के ट्यूब्स और बन्दन।
- (2) फ़लों के कटिम, गेपलिम, बच्चड़ आदि।"
- "16. (क) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकें (ग्राहन नियन्त्रित नीति, 1990-93 (खण्ड I) के परिशिष्ट-6 की सूची-7 में विषयों की विस्तृत सूची दी गई है।
- (ख) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पत्रिकाएं, समाचार पत्रिकाएं और समाचार पत्र।"

ORDER No. 16/90- 93
OPEN OFFICE LICENCE NO. 16/90

S.O. 295(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, for import of the items of description specified in the Schedule annexed hereto as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, from any country except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions namely :—

- (1) In the case of import of poultry vaccines :—
- (i) The importer shall, at the time of clearance of goods from the Customs, furnish a specific recommendation from the Animal Husbandry Commissioner to the Government

of India, Department of Agriculture, New Delhi regarding the essentiality of the material (description|quantity|value) to the party concerned.

- (ii) The importer concerned shall within 15 days from the date of the clearance of the consignment from customs, send to the Department of Agriculture, New Delhi, particulars of the items imported, their quantity, and c.i.f. value.
- (iii) The imported material shall be subject to the "Actual User" condition at the hands of the poultry farm|hatchery concerned.
- (2) In the case of Prostaglandin PGF² Alpha, the eligible importer shall produce to the Customs authorities, at the time of clearance an 'Essentiality Certificate' issued by the Animal Husbandry Commissioner, New Delhi.
- (3) In the case of medical gas cylinders, import shall be allowed to Actual Users (Industrial) having Industrial Licence|Registration for manufacture of medical gas (oxygen) and nitrous oxide and having valid licence issued under the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940). It shall also be subject to the following conditions namely :—
- (i) Imported medical gas cylinders shall be used only for medical purposes for compressing and supplying medical gas.
- (ii) Cylinders and valves fitted thereto to be imported must be of a type as approved by the Chief Controller of Explosives and accepted for use under the Gas Cylinders Rules, 1981.
- (iii) Gas cylinders imported as containers of gas must be made of such material as is normally used for transporting such gases.
- (iv) The importer shall obtain necessary permission from the Chief Controller of Explosives as required under the Gas Cylinder Rules, 1981.

(4) In the case of CO₂ Gas Cylinders upto 15 litres water capacity for fire extinguishers, the condition referred to in sub-para 3(ii), (iii) and (iv) above shall apply.

(5) In the case of Broken Electric Motors, the eligible importer will be Metal Scrap Trade Corporation Ltd.|any other State agency approved by CCI&E, New Delhi. The imported material shall be salvaged by concerned agency and distributed to the eligible Actual Users.

(6) In the case of Magnetic Electromagnetic Water Conditioning System, the eligible importers shall be Local Bodies (Municipal Corporations, etc), Government Departments and other Public Sector Undertakings.

(7) In the case of Grape Guard Paper, the eligible importers will be Agriculture Development|Corporation of the Central or State Government|Union Territory Cooperative Societies of Farmers and Associations of Farmers, recognised by Government. The

imported material shall be for distribution to Grape growers only and the importer shall maintain proper account of distribution of the imported goods and produce such account to the licensing authority and other concerned Government authorities.

(8) In the case of photographic chemicals referred to in Serial No. 7 of the Schedule, the eligible importers will be (i) Actual Users registered under the local law applicable to shops and establishments and (ii) Film Studios, Film Processing Laboratories| Testing Laboratories certified as such by the State Director of Industries.

(9) In the case of 3/4 inch U-matic and 1 inch video cassettes/tapes referred to in Serial No. 8 of the Schedule the eligible importers will be units registered with the Ministry of Information and Broadcasting for video software generation.

(10) In the case of computer software in any media referred to in Serial No. 9 of the Schedule the eligible importers will be :—

- (a) actual users, including Government Departments, and computer manufacturers for their own use;
- (b) Software Houses registered with the Department of Electronics for the purpose of stock and sale.
- (c) Department of Electronics for stock and sale.

(11) In the case of Insecticides, Fungicides, Weedicides covered by Serial number 12 in the Schedule, import will be allowed only by Indian Farmers Fertiliser Co-operatives, Krishak Bharati Co-operative, Hindustan Insecticides Limited, Horticulture Corporation of Himachal Pradesh, Horticulture Corporation of Jammu and Kashmir, MARKFED (Punjab) and State Agro-Industries Corporations, for stock and sale.

(12) In the case of Polyurethane leather, import shall be allowed to actual users (industrial) engaged in the manufacture of inflatable balls for the purpose of exports, and SPC for distribution to actual users for manufacture of inflatable balls for export purposes. It shall also be subject to the following conditions namely :—

- (i) Actual Users engaged in the manufacture of inflatable balls for exports who wish to import directly or procure the item from State Trading Corporation (STC) shall be required to register their contracts with the Sports Goods Export Promotion Council (SGEPC). Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by SGEPC as evidence of such registration. For this purpose two copies of the contract shall be lodged with the SGEPC, and they will return one copy to the importer duly stamped on each page for production to the Customs at the time of clearance of goods.
- (ii) Importer shall also produce to the Customs authorities at the time of importation, a certificate from the SGEPC to the effect that the importer is a manufacturer of inflatable balls for the purpose of exports.

(iii) At the time of registration of a subsequent contract the eligible importer should also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation of the material imported against contracts registered earlier for the purpose of monitoring of manufacture and export of inflatable balls.

(iv) It shall not be necessary for STC to register the import contracts with SGEPC.

(13) Import of Indian Flag vessels for breaking will be subject to the condition of production by the importer of a certificate authorising the scrapping of the vessel to the Customs authorities at the time of clearance as mentioned below :—

- (i) A certificate from the Director General of Shipping, Bombay, in the case of vessels registered with them.
- (ii) A certificate from the Ministry of Defence (Naval Headquarters) in respect of vessels owned by them.
- (iii) In the case of vessels belonging to Port Trusts, Coast Guard etc., a certificate from the concerned organisation.

(14) In the case of seeds of vegetables|flowers, seeds of ornamental plants, tubers and bulbs of flower and cuttings, saplings, budwood, etc. of flowers referred to in Serial number 15 of the Schedule, the eligible importers shall be—(a) Departments of Agriculture/Horticulture of the State Governments, State Agricultural Universities and Indian Council for Agricultural Research (ICAR); (b) Seed producing Indian companies|firms which are registered with the National Seeds Corporation; (c) National Seeds Corporation, State Seeds Corporations; (d) Food Processing Industrial Units; and (e) Growers of flowers and vegetables registered with the Director of Agriculture|Horticulture of the State Governments.

(15) (i) Import of seeds of vegetables|flowers, seeds of ornamental plants, tubers and bulbs of flowers by the eligible importers referred to in condition (14) above shall be regulated by the provisions of the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984 (hereinafter referred to as the said Order), after satisfying such quarantine regulations, as prescribed under the said Order for the purpose of visual inspection, laboratory inspection and grow-out tests. The consignment shall be kept in a bonded warehouse at the cost of the importers, until quarantine|customs clearance is given. The customs clearance of vegetables, flowers|ornamental plant seeds, tubers and bulbs of flowers will be given on receipt of quarantine clearance as provided in the said Order.

(ii) In case the consignment shows the presence of manifestation of any disease or pest or nematode of exotic origin, the entire consignment shall be rejected and destroyed in the prescribed manner.

(16) (i) The eligible importers of cuttings and saplings etc., of flowers should possess post entry quarantine facilities as may be approved by the Plant Protection Adviser.

(ii) For import of cuttings, saplings, budwood etc., of flowers, in addition to visual inspection and laboratory inspection, post entry quarantine shall be essential. The post entry quarantine facilities, as prescribed by or under the said Order shall have to be established by the eligible importers referred to in condition 14.

(iii) Customs clearance shall be given by the customs authorities to the consignment on receipt of the quarantine clearance from the Plant Protection Adviser.

(iv) Cuttings, saplings, budwood etc., of flowers which require post entry quarantine inspection shall be grown in the post entry quarantine facility approved by the authority prescribed under the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India), Order, 1984. If after quarantine/customs clearance the said authority observes the presence of any exotic pest or disease during post entry quarantine inspection the material shall be forthwith destroyed in the prescribed manner.

(17) In the case of fresh fruits, import will be allowed only by the National Agricultural Marketing Federation (NAFED) against release of foreign exchange by the Ministry of Finance (Dept. of Economic Affairs). At the time of clearance of the imported goods NAFED will be required to produce necessary evidence to this effect to the Customs authorities.

(18) In the case of educational, scientific and technical books referred to in item under 16 of the Schedule, the persons eligible to import shall be,—

- (i) Universities, including deemed Universities and recognised educational research institutions ;
- (ii) Public, National and State Libraries ;
- (iii) Institutions of higher learning ;
- (iv) Booksellers having a minimum annual sales turnover of Rs. 10 lakhs ;
- (v) Research and development units of industrial establishments ; and
- (vi) Professionals like scientists, doctors, engineers, University professors, advocates, Chartered Accountants etc., for their own professional use provided the c.i.f. value of imports by them shall not exceed Rs. 10,000 in a financial year.

(19) In the case of import of educational scientific and technical books, the following conditions shall apply:

- (a) Import of foreign edition of books for which editions of authorised Indian reprints are available, will not be allowed.
- (b) Import of foreign reprints of Indian publication will not be allowed without a scientific prior written permission of the Department of Education, Government of India, New Delhi.

(c) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun.

(d) Import of unauthorised reprints of books published abroad will not be allowed.

(e) Import of records or pre-recorded audio and video cassettes or video disks and pre-recorded floppy disks forming an integral part of the book which are of purely educational nature can be made subject to the condition that the supplier has certified that records or pre-recorded cassettes or video disks or pre-recorded floppy diskettes form an integral part of the book and the connected invoice indicates the details of the records or pre-recorded audio and video cassettes or pre-recorded floppy diskettes or video disks.

(f) Booksellers shall at the time of clearance of the goods produce to the Customs authorities the original currently valid registration under relevant law relating to registration of shops and establishments for the time being in force or a photo-copy of such original or evidence of membership of one of the professional associations of booksellers. A certificate from Chartered or Cost Accountant or Company Secretary who is not a partner, a director or an employee of the firm or its associates, indicating the annual sales turnover of books shall also be required to be produced.

(g) The booksellers shall send quarterly returns to the concerned licensing authority in whose jurisdiction they are located about the value of books imported by them under Open General Licence giving the details of country or origin, whether the books are technical or non-technical and value in each category. Failure to send such returns may lead to cancellation of Import Export Code Number.

(h) Educational and research institutions, Institutions of Higher Learning and public libraries shall produce to the customs authorities at the time of clearance, evidence of their recognition by Central or State Government or University, as the case may be, and a declaration to the effect that the books imported are for their own use. Privately funded research institutions which do not have formal recognition either by the Central or State Government shall be required to produce evidence of having received Government grant for conducting studies or research projects undertaken by them.

(i) Professionals shall produce to the customs authorities at the time of clearance, evidence of their membership of the relevant professional body or association. They shall also be required to furnish a statement of

imports made during the year and a declaration that the total imports do not exceed the value of Rs. 10,000 during the licensing year.

- (j) At the time of clearance through customs, the importer shall furnish a declaration to the effect that the books imported do not include those which are not allowed as per Import and Export Policy, 1990—93 (Volume-I).

(2) In the case of educational, scientific and technical journals, news magazines and newspapers, import under Open General Licence can be made by all persons.

(21) At the time of clearance of goods, the importer shall furnish to the customs authority a declaration giving particulars of recognition/registration with the authority concerned, namely, number and date of recognition/registration certificate and affirming that such recognition/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate recognition/registration number has not been allotted by the authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authority.

(22) The importer shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods, imported under this Licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.

(23) Goods imported under Open General Licence are not permissible for export without the written permission of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.

(24) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, and Fiji.

(25) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March 1993 without any grace period, whatsoever.

(26) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (25) above in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.

(27) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

(28) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(29) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users may be subject to under other laws or regulations. The importer should comply with the provisions of all other laws applicable to him.

[Fine No. IPC/3/5/90]

OGL 16—Concl'd.

SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE NO. 16/90 DATED 30TH MARCH, 1990

1. Poultry vaccine call types).
2. Medical Gas Cylinders of 10.2 litre water capacity and below.
3. CO₂ Gas Cylinders upto 15 litres water capacity for fire extinguishers.
4. Broken Electric Motors.
5. Magnetic/Electromagnetic water conditioning system.
6. Grape Guard Paper.
7. Photographic chemicals—developers, fixers, intensifiers, reducers, toners and cleaning agents.
8. 3/4 inch U-Matic and 1 inch video cassettes| tapes.
9. Computer software in any media including software floppy diskette with average c.i.f. price of Rs. 50 or less per diskette.
10. Polyurethane leather.
11. Indian Flag vessels for breaking.
12. Insecticides, Fungicide and Weedicides, namely :—
 - (1) Monocrotophos.
 - (2) Methyl Parathion.
 - (3) Dimethoate.
 - (4) BHC.
 - (5) Malathion.
 - (6) Endosulfan.
 - (7) Phorate.
 - (8) Mancozeb.
 - (9) Zineb.
 - (10) Thiram
 - (11) 2, 4-D.
 - (12) Butachlor.
 - (13) Benthiocarb.
 - (14) Isoproturon.
13. Fresh fruits.
14. Prostaglandin PGF, Alpha.

15. (i) Seeds of Vegetables/flowers seeds of ornamental plants tubers and bulbs of flowers.
- (ii) Cuttings, Saplings, budwood etc. of flowers.
- 16(a) Educational, scientific and technical books (an illustrative of subjects is given in List 7 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1990-93 (Volume I),
- (b) Educational, scientific and technical journals; new magazines and newspapers.

आदेश संख्या 17/90-93

बृत्त सामान्य लाइसेंस नं. 17/90

का या 296 (अ).—प्रायात् एवं नियमि (अ) (आयात अधिनियम, 1947 (1947 का 18) (अ) के खण्ड 3 द्वारा प्रवस अधिकारी का प्रत्योग करते हुए कंट्री भरकार । अप्रैल, 1990 से 31 मार्च 1993 तक एन्ट्रीडारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन विक्रिय अफोका सब/फिजी को छोड़ कर किसी भी बेस से पूजीगत माल का सारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देता है।—

- (1) पात्र आयातक निम्नलिखित होने :-
- (1) कोल इंडिया नि.
 - (2) नेवेली लिग्नाइट कार्पोरेशन नि.
 - (3) भारत कॉर्किंग फॉल नि.
 - (4) नेट्रन कोल फील्ड्स नि.
 - (5) ईस्टर्न कोल फील्ड्स नि.
 - (6) बेस्टन कोल फील्ड्स नि.
 - (7) बेस्टन माईन प्लानिंग एंड डिजाइन इस्टर्न्स नि.
 - (8) मिरेनी कोलरीज एस्पनी नि.
 - (9) साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स नि.
 - (10) नार्वेन कोल फील्ड्स नि.

(2) आयात उत्प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा जारी की गई विदेशी मुद्रा के मध्ये किया जायेगा।

(3) सरकारी राजपत्र में सभी समय पर आरी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंशोधित आयात नियमि 1990-93 (खण्ड 1) के परिषिष्ठ 1 साथ के तत्त्वावधि पूजीगत माल और परिषिष्ठ 8 के अन्तर्गत वाले यत्के आयात की अनुमति नहीं दी जाएंगी। पूजीगत माल को अन्य मदों के मध्यमें (परिषिष्ठ 1 भाग खंड में दर्शाई गई मदों को छोड़कर), आयात सहनिदेशक, नवनीकी विकास, नहीं दिल्ली से प्राप्त की जाने वाली देशीय डूटिकोण से विकासी के अधीन, होगा। भारतीय इंस्ट्रुमेंटिंग और भरकार उपस्थार सहित किन्तु इस नीति के पैरा 6(17) में आरी वाले दूरसंचार उपस्थार को छोड़कर किसी अन्य इंस्ट्रुमेंटिंग मदों के मामूले यदि ऐसे आयातों का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक हो जाता है तो इस्ट्रुमेंटिंग विभाग से पूर्ण नियमों अनिवार्य होती है। पैरा 6(17) में आरी वाले दूरसंचार उपस्थार के लिए दूरसंचार विभाग (दूरसंचार आयात) ने पूर्ण विकासी लोकी आवश्यक होनी यदि ऐसे आयात का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक है। सरकारी राजपत्र में सभी समय पर आरी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंशोधित परिषिष्ठ 1, भाग-य से दर्शाई गई मदों के लिए देशीय डूटिकोण से विकासी की आवश्यकता नहीं होती।

- (4) ऐसा आयात किया गया माल नवा विनिर्मित होगा।
- (5) आयात (वाणिज्यिक उपयोग) शर्त के अधीन होगा।
- (6) यह नाउसेस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुदूत 5 की शर्त 1 के भी अधीन होगा।

(7) इस तरह आयात किया गया सार्वजनिक वित्तीय अपराध की नीत्यान्वयन के विवरण न किया गया है।

(8) भारत के ऐसे माल का लाइसेंस किसी भी विद्यार्थी अवधि के अन्त 31 मार्च, 1993 की या इसमें पूर्ण नियमों भवत्ता के विपरीत (वर्ता) के ग्राहक अंजूष्ट और का गई पक्षकी अधिकार के मध्ये अपने 31 मार्च 1993 की या इसमें पूर्ण भारत का कान दिया गया है।

(9) उपर्युक्त शर्त के इस दी गई अवधि से वाचवन भी लोक-मित्र में सरकारी राजपत्र में भवित्वात्मक सूचना जारी करके द्युने सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी मद के मामले में, सरकार की ऐसी समय भीषण विवरित करने का अधिकार है जिस के द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख रो पहले पात्र अधिकारी द्वारा किए गए पक्षके देके और विदेशी विनियम डॉकर द्वारा आदेशों के मध्ये दोनों विद्यार्थी जाना जाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में कोई ऐसी सुधार व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती।

(10) यदि माल के आयात के सभी उमरे मर्यादा पर प्रभाव आपने याना कोई नियेद या विनियम लागू होगा तो इतना लाइसेंस का उमरे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(11) यह लाइसेंस किसी भी व्यवस्थिक अपभोगता (औदायिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अवधीन नहीं हो, तो उसे उमरे दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति नहीं दी जाएगी। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपरन्धी का अनुपालन करना जाहिए।

[का. सं. आई पा सी-3/5/90]

ORDER NO. 17/90--93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 17/90

S.O. 296(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Capital Goods, subject to the following conditions namely :—

- (1) The eligible importers will be :—
 - (i) Coal India Limited.
 - (ii) Neyveli Lignite Corporation Limited.
 - (iii) Bharat Coking Coal Limited.
 - (iv) Central Coalfields Limited.
 - (v) Coalfields Limited.
 - (vi) Western Coalfields Limited.
 - (vii) Central Mine Planning and Design Institute Limited.
 - (viii) Singareni Collieries Company Limited.
 - (ix) South Eastern Coalfields Ltd.
 - (x) Northern Coalfields Ltd.
- (2) Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose.
- (3) Capital Goods mentioned in Appendix I Part A and instruments appearing in Appendix 8 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume-I)

as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, will not be allowed to be imported. In respect of other items of Capital Goods (excluding those appearing in Appendix I Part-B) import shall be subject to indigenous clearance to be obtained from DGTD, New Delhi. No indigenous clearance will be necessary for items appearing in Appendix-1, Part-B. In respect of any electronics item, including marine electronic and communications equipment but excluding telecommunications equipment covered under para 7(13) of the said policy prior clearance of the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under the said para 7(13), prior clearance of Department of Telecommunication (Telecommunication Commission) will be necessary if the such imports exceeds Rs. 25 lakhs. The Customs authorities will allow clearance under Open General Licence on production of evidence to this effect.

(4) The goods so imported shall be of new manufacture.

(5) The import shall be subject to Actual user condition.

(6) This Licence shall also be subject to the Condition No. (1) and 5 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.

(7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.

(8) Such Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1993 or on or before 31st March, 1994 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February 1993, without any grace period whatsoever.

(9) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (8) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contracts entered into and duly registered with a foreign exchange dealer (Bank) by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.

(10) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition of regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(11) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

का.आ. 297 (ग्र) :-आयातनिर्वात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के बंधु द्वारा प्रदत अधिकारों का प्रयोग करके हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा यथासंघीय पर जारी की गई मार्पणिक सूचनाओं के द्वारा यथासंघीय आयातनिर्वात नीति 1940-93 (खंड 1) के अन्तर्गत भारत में न रहने की (भारतीयों को उत्तराधीन सूचियाओं के अधीन वास्तविक उत्तराधीनों (औद्योगिक) हारा पुंजीगत माल वाहनों संघटकों, उपभोजनों और अन्तर्रिक्ष प्रूफों का विक्रिय घटकाना संघ/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1990 से 31 दिसंबर 1993 तक आयात करने की नियमिति जारी के पर्याप्त मायान्य अनुमति देती है:-

- (1) पात्र आयातक भारतीय अधिकारी हो (जिसमें वह द्वादिता की भारतीय प्राप्ति है जिसमें विदेशी राष्ट्रीयता प्राप्ति नहीं है) और वह व्यक्ति विदेश में रहने वाला हूँ वह से भारतीय है।
- (2) आयात की ३५ मंदे दरकार की औद्योगिक नीति के अन्तर्गत नदा औद्योगिक युनिट तथा नदा कर्मान संगठन के विचार विविधता, आशुतोषिकरण के लिए या गंगा उदाहरण लगाने के लिए हो।
- (3) आयात में सार्वजनिक मर्श विदेशी मद्रा की आयातक द्वारा व्यवस्था की जाएगी। आयात में भारत हारा कोई प्रेषण समिक्षित नहीं है।
- (4) आयातक हारा नदों विदेश की गई पुंजी और वही लाभांश स्वदेश भेजने के लिए अनुमति हो।
- (5) आयात "वास्तविक उपयोगिता" की जरूरत के अधीन हो। आयात की नियंत्रित से ५ वर्ष के अवधि तक के लिए उस पूर्णतामाल का वेचने की अनुमति नहीं ही जाएगी। नियंत्रण ऐसी विद्रोह योग्य नियंत्रित आयात नियमि, जहाँ दिल्ली की पुरानीमति में ही की जाएगी।
- (6) भौमाधारक के माध्यम से निकासी के समय आयातक को एक धौषणा प्रत्यक्ष करनी होती है।
 - (क) आयातित मणीनर्ता और अन्य माल आयातक द्वारा विदेश में कागई से लोटों से छोड़ा जाता है और उसमें भारत में कोई भौमाधार परेण्य शामिल नहीं है और
 - (ख) सीमा लाल के माध्यम से निकासी की नियंत्रि में मणीनर्ता के भीतर आयातक विषयाधीन मणीनर्ता और अन्य माल के आयात के विषय में उस गत्य उद्योग निवेशालय की सुवित करेगा जिसमें मणीनर्ता का उपयोग किया जाएगा। परन्तु इन्वेस्ट्राइनिक मदों के भारतीयों में सुवित इन्वेस्ट्राइनिक विभाग, जोक नायक भवन नहीं दिल्ली को भेजती जाएगी। ऐसी सुवित की प्रति सम्बन्धित प्राप्तिकर्ता प्राप्तिकारी तकनीकी प्राप्तिकारी को भी भेजनी चाहिए। जिसकी एक प्रति सम्बन्धित उद्योग निवेशक को भेजती जाएगी।
- (7) पात्र व्यक्ति परिषिष्ठ-1, भाग ख में नियंत्रित पूंजीगत माल का आयात कर सकते हैं। किसी औद्योगिक युनिट को लगाने के लिए ३५ वाहन (अवलम्बित लागत) व्यक्ति सूची तक के प्रति-वैसित सूची में नियंत्रित मदों के अन्तरिक्ष, अन्य पूंजीगत माल का आयात किया जासकता है।
- (8) इस लाइसेंस के अन्तर्गत पुरानी मणीनर्ता के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- (9) जिस उद्योग में आयातित मशीनरी का प्रयोग किया जाएगा, उसमें आयात-नियात नीति 1990—93 के अनुच्छेद 6(5) से लघू उद्योग वे लिए जाय की गई उपरी मीमा से अधिक समय वा मंगल जीर मशीनरी में पूँजीगत विवेश नहीं होगा।
- (10) पहले वर्ष में आवश्यक कच्ची गामी मंबटों, उपभोज्यों की अनुमति इस भाष्यके के अनुरूप विशेष अनुमोदन मस्ति (एन.आर.आई.) उद्योग मंत्रालय द्वारा अनुमति के आधार पर दी जाएगी। आयातक द्वारा आयातित कच्ची माल सबटक और उपभोज्य भारत में लाए जा रहे उद्योग में प्रयोग किया जायेगे।
- (11) मंबद्ध श्रीदौषित्र युग्म गां (यदि बनती है) निर्धारित नीति के अनुमात अंजाम माल के प्रायात की नियि से एक वर्ष की अवधि के अन्दर मंबद्ध प्रायोजक प्रायिकारी के पास स्वतं को पंजीकृत करवाना अनेकान्त होगा।
- (12) पात्र आयातक विदेशी मद्दा विनियमों के अनुदलन करने और लागू नियमों के अवधीन प्रायोजेशन विदेश में जैव विदेशी मद्दा रखने के लिए भारतीय रिक्वेट वैक यी आवश्यक अनुमति प्राप्त करेगा।
- (13) इस प्रकार आयातित माल विक्षण अफील भां/फिर्जा में नियमित न हो।
- (14) भारत यी देश माल का लगान रेप्या के माध्यम से नियी भी रिपायी अवधि के बिना, जाहे जो कुछ भी हो, की 31 मार्च 1993 को या इसमें पूर्व या तीव्र सांकेतिक नियमों को कर दिया जाना हो :—
- (क) उन कर्वे माल मंबटों और उपभोज्य सामग्री के मालों में 30 जून 1993 को या इसमें पूर्व जिनके लिए भहों परवरी 1993 माल की अनिय नियि को इसमें पूर्व अपरिवर्तनीय साथ-पत्र खोन दिया जाने है।
- (ख) उन पूँजीगत माल और अनियिक-गुर्जों के मालों में अगले 31 मार्च 1994 को या इसमें पूर्व जहा माल 1993 की अनिय नियि को इसमें पूर्व एक पक्की वंचिदा कर ली गई हा और उसे विदेशी मद्दा का नेतर्वेत करने वाले बैंक के पास पंजीकृत कर दिया जाना हो।
- (15) उपर्युक्त घर्ते स. 11 में दी गई अवधि के आवज्जद भी लोकहित में मरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके द्वारे सामग्री लाइसेंस में सेवी गई किसी भी मद के मालों में, मरकार को ऐसी ममय मीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा मार्यजनिक सूचना जानी करने की सारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा द्वारा भी गए और स्थापित थिए गए अपरिवर्तनीय माल वत द्वारा मर्यादित पर्वे आवेदों के मदे पोतलदान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आवेदों के मालों में ऐसा कोई संक्षण उपलब्ध नहीं होगा।
- (16) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होना तो इस लाइसेंस का उम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (17) यह लाइसेंस नियी भी गमय वास्तविक उपभोक्ता (श्रीदौषित्र या आयातक जब अन्य कानून या विनियमों की

शर्तों के बद्दोन आवा हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवधिकता का अनुगालन करने में कोई उत्पुक्षित छूट या ठीक प्रदान रखी करता है। आयातक को उसके निय लागू अस्य सभी कानूनों के उपरांतों का अनुपालन करना। चाहिए।

[फारम-आई-पा.०८०५.३/५/९०]

ORDER NO. 18/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 18/90

S.O. 297(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Capital goods, raw materials components, consumables and spares by Actual Users (Industrial) under the facilities available to Non-resident Indians/Persons of Indian origin in the Import and Export Policy for 1990—93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions :—

- (1) The eligible importers shall be Non-resident Indians (which includes Non-resident Indians who have acquired foreign nationality) and Persons of Indian origin residing abroad.
- (2) The items imported will be for setting up a new industrial unit or for expansion, diversification or modernisation of an existing unit in conformity with the industrial policy of the Government or setting up a service industry.
- (3) The entire foreign exchange involved in the import will have to be provided by the importer. The import does not involve any remittance from India.
- (4) Neither the capital invested nor the profits would be allowed to be repatriated by the importer.
- (5) Imports shall be subject to 'Actual User' condition. No permission to sell the capital goods will be allowed for a period of 5 years from the date of import. Thereafter, such sale may be made only with the prior permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.
- (6) At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish declaration that :
 - (a) The imported machinery and other materials have been purchased out of importer's earnings/resources abroad, and do not involve any remittance from India; and
 - (b) Within three months of the date of clearance from the Customs, the importer shall

send information about the import of the machinery and other materials, in question to the Director of Industries of the State in which the machinery shall be used. In the case of electronic items, the intimation should be sent to the Department of Electronics, Lok Nayak Bhawan, New Delhi, with a copy to the concerned Director of Industries. Copy of such information should be sent to the concerned sponsoring authority/technical authority also.

- (7) Eligible importers can import capital goods appearing in Appendix I Part B. Import of other capital goods except those in the Restricted List can also be made upto a value of Rs. 35 Lakhs cif for setting up an industrial unit.
- (8) Import of second hand machinery will not be allowed under this Licence.
- (9) The industry, in which the imported machinery shall be used, will not have a total capital investment in plant and machinery of a value more than the upper limit fixed for Small Scale Industries, in paragraph 7(5) of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I).
- (10) Raw materials, components, consumables and spares required during the first year will be allowed under this Licence on the basis of approval by the Special Approvals Committee (NRI), Ministry of Industry. The imported raw materials, components and consumables shall be used in the industry being set up by the importer in India.
- (11) The industrial units concerned (if they are new) will be required to get themselves registered with the sponsoring authorities concerned within a period of one year from the date of import of capital goods.
- (12) The eligible importers shall abide by the foreign exchange regulations and obtain necessary permission of the Reserve Bank of India to retain foreign currency balances abroad as required under the rules in force.
- (13) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (14) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March 1993 or on the dates mentioned below, without any grace period whatsoever:
 - (a) On or before the 30th March 1993 in the case of raw materials, components and Consumables for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before the last date of February 1993.
 - (b) On or before the 31st March 1994 in the case of capital goods where a firm contract

has been entered in to and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February, 1993.

- (15) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (14) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (16) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (17) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC|3|5|90]

आदेश म. 19/90—93

खला सामान्य लाभेंग म. 19/90

का.आ. २५४(अ) —प्राप्ति नियम नियंत्रण अधिनियम, १९९७ (१९९७ का १४) के लग ३ दिन पश्चात् विधिकारी का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एवं द्वारा घोषणा दर्ता होने तक विदेश में परियोजनाएँ ऐसे बाले परियोजनाएँ ठेकेदारों को, भारतीय रिजर्व बैंक, या अधिकारी वक्त आफ इंडिया याई थी वी प्राइ में अपेक्षित अनुमति लेने के बाद भारत से लिए गए या विदेश से भरीदे गए (i) संबंधित उपकरण, (ii) मणिनी और मन्डु अतिरिक्त पुर्जा (iii) संबंधित औजारों और (iv) संबंधित उपमाधिनों या दक्षिणी अफ्रीका मध्य, सथा दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका तथा फिजी नाम द्वारा करित के किसी भी देश में, परियोजनाएँ पूर्ण तो जाने पर देश में पून प्राप्ति/प्राप्ति करने की सामान्य अनुमति देती है। लेकिन ऐसे पून गारान्टी/प्राप्ति तात्पर्य की निकामी चलने समय पार्थिव आवेदन को समाप्त सीमा शुल्क प्रतिक्रियाओं के पास दृग संबंध में एक घापापापन दाखिल करना अंदित न होगा कि इन संबंधित उपकरणों मणिनी और मन्डु संबंधित अतिरिक्त पुर्जा, संबंधित औजारों और संबंधित उपमाधिनों का परियोजना (परियोजना का नाम देता है) के निष्पादन के लिए प्रयोग किया गया था और या तो भारत के लिए गए थे या विदेश ने यारीदे गए थे जिसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक मर. एविजम बैंक आफ इंडिया याई थी वी आई ग अपेक्षित अनुमति प्राप्त कर ली गई थी।

2. उपर्युक्त अनुमति सीमा शुल्क प्राधिकारियों को दृग संबंध में सन्तुष्टिप्रद गाध्य प्रस्तुत करने पर उस कार्यालय उपस्कर्त के मामले में भी उपर्युक्त शोनी चाहिए जिसका प्रयोग करने के काम एक वर्ष के लिए विदेश में परियोजना के निष्पादन के दौरान किया गया था।

पुनः आयात/प्रायात इस शर्त के अधीन होगा कि :—

- (1) ऐसे माल का लाइसेंस वर्ष की 31 मार्च की या इसमें पहले भारत के प्रवेश के माध्यम से प्रीलिसन कर दिया गया हो;
- (2) यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात मर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य नियंत्रण या विनियम लागू होंगे। इस लाइसेंस का उसकी प्रयोजनता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (3) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोक्ताओं (शैक्षणिक) आयातकों को किसी ऐसे आधार अनुपालन से किसी समय भी उन्मुक्ति दियाया या इस प्रवान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करते हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य मध्य कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।
- (4) उपर्युक्त अनुमति उस अन्य शर्तों के भी अधीन होती जो विषयाधीन माल की खरीद के लिए अनुमति देते समय भारतीय रिजर्व बैंक/एक्स्प्रेस बैंक आफ इंडिया आई ही या आई डारा लगाई गयी थी।

टिप्पणी. इस आदेश के प्रयोजनात्मक "लाइसेंसिंग वर्ग" और "आयात लाइसेंसिंग वर्ग" जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1990-93 की आयात एवं नियात नीति (बाणि 1) में उल्लिखित है।

[मि; सं. 1/2/74-ईप्सेंसी]

ORDER NO. 19|90—93.

OPEN GENERAL LICENCE NO. 19|90

S.O. 298(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to the project contractors taking up projects abroad for re-import/import from any country in the world except the Union of South Africa and Fiji of (i) related equipments, (ii) machines and related spares, (iii) related tools, and (iv) related accessories as were either taken from India or purchased abroad after taking necessary permission of the Reserve Bank of India, or Export-Import Bank of India/Industrial Development Bank of India, into the country, after completion of the projects. At the time of seeking clearance of such re-imported/imported goods, the project contractor shall, however, be required to file a declaration with the Customs Authorities concerned to the effect that these related equipments, machinery and related spares, related tools and related accessories were used for execution of the project (name of the project to be mentioned) and were either taken from India or purchased abroad for which necessary permission of the Reserve Bank of India or Export-Import Bank of India/Industrial Development Bank of India, was obtained.

2. The above permission should also be available in the case of office equipments which had been used during the course of the execution of the projects abroad for at least one year, subject to the production of satisfactory evidence to this effect to the customs authorities.

3. The re-import import shall be subject to the conditions that :—

- (1) such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March of the licensing year;
- (2) nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported or re-imported; and
- (3) the licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer would comply with the provisions of all other laws applicable to him.

4. The above permission shall also be subject to the conditions, if any, as may have been imposed by the Reserve Bank of India/Export-Import Bank of India/Industrial Development Bank of India, at the time of granting permission for purchase of the goods in question.

Note : For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", wherever appears in this Order shall have the meaning assigned to it in the Import and Export Policy (Volume I) for 1990-93.

[File No. 1/2/74-EPC]

आदेश सं. 20/90—93

खुले सामान्य लाइसेंस सं. 20/90

का.आ. 299(अ) —आयात एवं नियात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) को धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार मंबंधित थोकों में स्थापित वास्तविक उपयोक्ताओं को (1) पूँजीगत माल (चाहे नया हो या पुराना) (2) कच्चा माल (3) संघटक, (4) अतिरिक्त पुर्जे (5) उपयोज्य गामधी (6) वैकिग सामग्री (7) शौगार, जिम्स फिल्म्स और गेजिज या (8) आदि इन और तकनीकी नमूने को उत्पाद विविधकरण और विकास या मर्हांकन के लिए प्रयोक्त किसी के दो से अधिक नहीं हों (9) मुक्त व्यापार थोक नियात संसाधन थोक में जीजल जॉर्टिंग मर का आयात करने के लिए आये के आदेश होने तक सामान्य अनुमति प्रदान करती है जो प्रत्येक सामने में उस माल के लिए लागू वास्तविक उपयोक्ता शर्तों के अधीन होती। तथापि, आयात-नियात नीति 1990-93 खण्ड-एक के परिसिट 2, भाग 3 के अधीन धूम् रस सूक्षी कआ में आयात के लिए नियेव मदों की इस खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत मुक्त व्यापार थोक में आयात करने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।

2. पुराने पूँजीगत माल के आयात के लिए, आयातक माल की निकामी के समय सीमा शुल्क शाविकारी को अंग देश से आयात किया जाता है उस देश के स्वतन्त्र व्यवसायी समझता रहता है कि समतुल्य संस्था में एक प्रमाण-पत्र प्रक्रिया पुस्तक, 1990-93 के परिसिट 3 में लिए गए प्रपत्र में प्रमूल करेगा। आयातक के मशीन की शेष प्राप्त के संबंध में एक नियंत्रण थोक भी अप्रेक्षित होगा।

3. मंबंधित थोक के विकास प्राप्तकरण करने पर गोमे वास्तविक उपयोक्ता अपने स्वयं के उत्पादन/उपयोग, उत्पाद विविधकरण और विकास पर या मूल्यकरण के प्रयोजनार्थ (1) दिन 1 में न आने वाले

प्राप्ति स्वयं और सकलीकी ममूरों (2) ड्राइंग स्लू प्रिन्ट, बाटस, मार्गों के फिल्मों सहित तकलीकी बाटा और (3) कार्यालय उपकरण, भवित्वित पुर्जे और उनके उपभोज्यों का भी प्राप्ति कर सकते हैं।

4. ऐसे वास्तविक उपयोगका (1) क्षेत्र में उनके हारा मरम्मत/सुधार करने के बाब्द पुनः निर्यात किए जाएंगे या (2) विदेशी प्रेषिति को वास्तविक उपयोगका हारा प्रेषित माल की तिथि से तीन बर्षों की अवधि के भीतर (विदेशी मुद्रा विनियमन भागितियमन 1973 (1973 का 46) के प्रधानी संबद्ध औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाब्द) उमसे माल को आपसी के लिए प्राप्त माल का भी आयात कर सकते हैं।

5. आयातक, भ्रायात, खपत और सारे भ्रायातित माल का उपयोग और उसके द्वारा किए गए नियमों का निर्धारित प्रपत्र में टीक प्रकार से लेखा रखेगा और उसे क्षेत्र के विकास आयुक्त को और मर्बंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को उनके द्वारा यथा भ्रायेक्षण भ्रायविक रूप से संजेगा। भ्रायातक इस भाष्यमें सरकार द्वारा निर्धारित घृनतम मूल्य खपत की गति का अनुपालन करेगा। वह उसे जारी किए गए अनुमोदन पत्र/भ्रायवय पत्र/द्विवेशिक लाइसेंस में जोड़ी गई अन्य सभी शर्तों की पुष्टि का भी पालन करेगा। किसी भी उक्त शर्त का पालन करने में असमर्थता को ब्लैक सामान्य लाइसेंस का उल्लंघन माना जाएगा और भ्रायातक पर आयात (नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 के प्रवधानों और उसके अधीन बनाए गए नियमों के प्रधीन की जाने वाली कार्रवाई की जाएगी।

६ इस लाइसेंस पर किसी माल के लिए उसके माल को प्रभावी करने वाला कोई अन्य प्रतिवेदन या विनियम जो ऐसे माल के आयात कारने के समय लाग होंगे उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(7) यह साइरेंस आग्रह व्यापार नियंत्रण भारत में, 19/88-91, दिनांक 30 मार्च, 88 के अनुच्छेद में है।

[फा. सं. ६/१०८/८७-ई.पी.सी.]

ORDER NO. 2090-93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 20/90

S.O. 299(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission, till further orders, to the Actual Users located in the respective Free Trade Zones and Export Processing Zones for import of (1) Capital Goods (whether new second hand), (2) raw materials, (3) components, (4) spares, (5) consumables, (6) packing materials, (7) tools, jigs, fixtures and gauges, (8) prototypes and technical samples not exceeding two in number of each type for product diversification and development or evaluation, (9) Diesel Generating set, into the Free Trade Zones/Export Processing Zones, subject to the Actual User condition as applicable thereto in each case. However items banned for import in Domestic Tariff Area as specified in Appendix 2 Part-A of the Import and Export Policy 1990—93 (A.M. 1) shall not be allowed to be imported in the Free Trade Zones and Export Processing Zones under this Open General Licence:

2. For import of second hand Capital Goods, the importer shall produce to the Customs authority at the time of clearance, a Certificate proforma professional independent Chartered Engineer or an Institution of Engineers in the Country from which import is made in the proforma given in the Handbook of 944 GT/90-8

Procedures, 1990-93. The importer would also be required to give a personal declaration about the age and the residual life of the machinery.

3. On the recommendation of the Development Commissioner of the concerned Zone, such Actual Users may also import for the purpose of their own use, produce diversification and development or evaluation (i) prototypes and technical samples not covered in para 1. (ii) drawings, blue prints, charts, technical data including micro-films and (iii) office equipment, spares and consumables thereof.

4. Such Actual User may also import goods received (i) for repairs or reconditioning by them in the Zone and to be re-exported thereafter, or (ii) back from the overseas consignees within a period of three years from the date of their despatch to him by the Actual User after following the related formalities under the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973).

5. The importer shall maintain in the prescribed form proper account of the import, consumption and utilisation of all imported materials and of the exports made by him and submit them periodically, as required, to the Development Commissioner of the Zone and to the licensing authority concerned. The importer shall conform to the minimum value added condition stipulated by Government in his case. He shall also conform to all other terms and conditions incorporated in the Letter of Approval or Letter of Intent or Industrial Licence issued to him. Failure to abide by any of the said terms and conditions shall be construed as violation of this Open General Licence and the importer shall be liable to action under the provisions of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) and rules framed thereunder.

6. Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

7. This Licence is in supersession of the Government of India in the Ministry of Commerce Import Trade Control Order No. 19/88-91 dated the 30th March, 1988.

[File No. 61108187-EPC]

आदेश सं. २१ /९०--९३

खंडा सामाजिक लाइसेंस में ३१ / ९०

का. आ. 300(अ)--- आयाम एवं नियोजन (नियंत्रण)
अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रदल सकियों
का प्रयोग करने हो केंद्रीय संस्कार एवं बढ़ावार मक्तु आयाम लेने और
नियंत्रण संवाधन लेने में स्वित युनियों हाथ विस्तृति 'रिजेक्ट' को
निम्नलिखित शर्तों के अर्थात् घोलू टैरिफ लेने में आयाम करने के
पिए अगला आवेदन होने तक, सामाजिक अनुभवि देती है, अर्थात् :--

१. सभी अधिकारियों की "रिजेक्टस" के आधार करने के लिए अनुमति ही आएगी।

२ ग्रीष्मकाल में ये उत्ताप आते हैं जिनमें निश्चित विनियोग को सृष्टि हो और इन प्रकार में मृक्षा व्यापार क्षेत्रों द्वारा नियंत्रित मूल्यकांक क्षेत्रों में यन्हीं को धोखणा के अनुसार नियंत्रित करने के

मोग नहीं है। "रिजेक्ट्स" में उसे मार्गकोरुत उत्पाद भी शामिल है जिनमें अधिनियम पूर्ण आवाह छोड़ना (केंद्र) अथवा गहर उत्पाद भासित नहीं है। "रिजेक्ट्स" का विषय करने के लिए निम्नलिखित दिशा निर्देश अपनाये जाएः—

(1) यूनिट को यह प्रमाणित करना चाहिए कि इसके उत्पादों के विनियम में पूनिटदाता लागत या माल या औद्योगिक एवं सकारीको का कारण "रिजेक्ट्स" का होना अवश्यक था।

(2) घरेलू ट्रैफिक भेज में इसका रखोकृति के समय यूनिट द्वारा "रिजेक्ट्स" पर "रिजेक्ट्स" की मोहर लगाई जाए और बाजार पर भी "रिजेक्ट्स" लिखा जाए।

(3) यीमां सुन्दर महायक समाहर्ता और केंद्रीय आवाहन जिनके संचाय क्षेत्राधिकार में ऐसे यूनिट आते हैं उनकी संतुष्टि के लिए ही "रिजेक्ट्स" का नियंत्रण किया जायेगा। महायक गमाहर्ता यह नियन्त्रण करगा कि निम्नलिखित के मंजर्भ में अनुकूल मदर रिजेक्ट्स हैः—

- (a) जोता द्वारा विधिविहृत कोटि नियन्त्रण मापदण्ड,
- (b) यूनिट की आवाहक कोटि नियन्त्रण विभाग का रिपोर्ट, और
- (c) अन्य सकारीको गाय जिसे यह आवाहक समझे।

3. यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आवाहन पर प्रभाव डालने वाला कोई नियंत्रण या विनियम लागू होगा तो इस लाईसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4. यह लाईसेंस किसी भी समय जब आयात अव्य कानून या विनियमों की गती के प्रधान आका हो तो उसे उसके सायित्व या किसी आवाहकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या हील प्रवाह नहीं करता है।

5. आयातक को इसके लिए लागू अव्य भी कानूनों के उपरान्ती का अनुपालन करता चाहिए।

[फा. म. 6 / 108 / 87/ई. पी. सी.]

ORDER NO. 21/90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 21/90

S.O. 300(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import into the Domestic Tariff Area 'Rejects' manufactured by the units located in Free Trade Zones and Export Processing Zones subject to the following conditions, namely :—

- (1) 'Rejects' shall be permitted to be imported by all persons.
- (2) The term 'Rejects' shall cover the products which have definite manufacturing defect and as such are not exportable as per declaration of the units in Free Trade Zones and Export Processing Zones. 'Rejects' shall include sub-standard products but shall not include spares, tools, wastes or bye-products. The following guidelines may be observed for determining 'Rejects', namely :—
 - (i) the unit must certify that the 'Rejects' were unavoidable on account of flaws of

technology, techniques or material deployed by the unit in the manufacture of its products;

- (ii) the 'Rejects' are also invoiced and stamped by the unit as 'Rejects' at the time of clearance into the Domestic Tariff Area;
- (iii) the 'Rejects' shall be established as such to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs and Central Excise having jurisdiction over such units. The Assistant Collector may decide that an item is a 'Reject' with reference to—
 - (a) the quality control yard-sticks specified by the buyer;
 - (b) the report of the internal quality control department of the unit; and
 - (c) other technical opinion which he may consider necessary.
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations.
- (5) The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

[File No. 6/108/87-EPC]

आदेश सं. 22/90 --92

लाला सामान्य लाईसेंस सं. 22/90

का. आ. 301 (अ) :—आयात नियन्त्रण (नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 16) के खण्ड-3 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार आगली आदेश होने तक एतद्वारा सुन्दर व्यापार भेज और नियंत्रण संग्रहन भेज में स्थित यूनिटों द्वारा विनियमित माल को घरेलू ट्रैफिक भेज से आयात करते को सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के प्रधान देती है, अर्थात् :—

- (1) सभी व्यक्तियों को स्टाफ करने एवं विक्री के लिए आयात की अनुमति दी जाएगी।
- (2) सूक्ष्म व्यापार भेज / नियंत्रण संग्रहन भेज के स्थित यूनिटों द्वारा विनियमित माल के घरेलू ट्रैफिक भेज में [ऐसे आयात केवल नष्ट किए जा सकते हैं] जबकि सम्बुद्ध यूनिट व्यापार भेज/नियंत्रण गमाधन धैर के विवरणागुल से घरेलू ट्रैफिक भेज में ऐसे माल की विक्री को अनुमति दे दी हो।
- (3) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला को नियंत्रण या विनियम लागू होगा तो इस लाईसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (4) यह लाईसेंस किसी भी समय जब आयातक अव्य कानून या विनियमों की गती के अधीन आता हो तो उसे उसके द्वारा व्यापार या किसी आवाहकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति छूट या हील प्रदान नहीं करता है। आयातक ये इसके लिए लागू अव्य तर्फ कानूनों के द्वारा या अनुपालन जरूर चाहिए।

[फा. म. 6/108/87 ई. पी. सी.]

ORDER NO. 22/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 22/90

S.O. 301(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import, goods manufactured by the units located in Free Trade Zones, and Export Processing Zones, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale.
- (2) Such imports into Domestic Tariff Area of goods manufactured by units in Free Trade Zone or Export Processing Zone can be effected only on the basis of permission granted by the Development Commissioner of the concerned Free Trade Zone or Export Processing Zone for sale of such goods in the Domestic Tariff Area.
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

[File No. 6/108/87-EPC]

प्रावेश सं. 23/90—93

दूना सामान्य लाइसेंस सं. 23/90

का. आ. 302(भ).—आयात नियति (नियंत्रण) प्रबिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग जरूरी हुए केन्द्रीय नरकार, प्रधान अरेय और नक्ष उत्पादन मंत्रालय द्वारा भेद और नियति संसाधन लेव में दिए दुनियों द्वारा उत्पादन के बीच नमूना उत्पन्न लैप/वेस्ट अवधियों का घरेन् ईरिक थेल में आयात करने की सामान्य यन्मुक्ति निम्नलिखित गती के ग्रधीन देती है, अर्थात् :—

(1) भव्यार करने पर्यायी के लिए सभी अवधियों को आयात को अनुमति दी जाएगी।

(2) पृष्ठ व्यापार केन्द्र नियति संसाधन अंत में स्थित युनिटों द्वारा उत्पन्न के बीच नमूना उत्पन्न लैप/वेस्ट अवधियों का घरेन् ईरिक थेल में ऐसे आयात केन्द्र तक किए जा सकते हैं जब समान पृष्ठ व्यापार थेल या नियति संसाधन के लैप/वेस्ट विकासायुक्त के स्कैप/वेस्ट अवधियों को शिर्फ़ी की अनुमति दें गी।

(3) यदि इस प्रकार के माल को अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई नियोग या विनियम नागृ होगा तो उस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(4) यह लाइसेंस किसी भी समय जब आजातक अथवा कानून या विनियमों को गती के अधीन आना हो तो उसे उसके द्वारा या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने में कोई उम्हियत

दूट या दोष प्रवान नहीं करना है। आयातक को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपर्यादों का अनुपालन करना चाहिए।

[का. सं. 6/108/87 ई. पा. सं.]

ORDER NO. 23/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 23/90

S.O. 302(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import scraps/waste/remnants generated in the course of production by the units located in Free Trade Zones and Export Processing Zones, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale.
- (2) Such imports into Domestic Tariff Area of scraps/waste/remnants generated in the course of production by units in Free Trade Zone or Export Processing Zone can be effected only on the basis of permission granted by the Development Commissioner of the concerned Free Trade Zone or Export Processing Zone for sale of scraps/waste/remnants in the Domestic Tariff Area.
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

[File No. 6/108/87-EPC]

प्रावेश सं. 24/90—93

दूना सामान्य लाइसेंस सं. 24/90

का. आ. 303(घ).—आयात नियति नियंत्रण प्रबिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त प्रविकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय नरकार शत प्रतिशत नियति प्रभिमूल युनिटों के रूप में सरकार द्वारा अनुमोदित वास्तविक उपयोक्ताओं को आगे प्रावेश जारी होने तक निम्नलिखित के आयात की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) पूर्जीत माल (जाहे नए हों या पुराने) जनरेटिंग सेट महित,
- (2) उत्पाद विविधीकरण भीर विकास या मूल्यांकन के लिए प्रोटोटाइप और तकनीकी नमूने जो प्रत्येक टाइप की संख्या दो से अधिक न हों,
- (3) अच्छा माल संषटक, उपभोग्य और मध्यस्थी,
- (4) प्रतिरिक्ष पुर्जे,
- (5) पैकिंग सामग्री,

- (6) सामान संचालन उपकरणों से संबंधित सामान जैसे फोर्क लिफ्ट औवर हैड ऑफ (केवल यूनिट को प्रारंभिक स्थापना के लिए)
- (7)(क) स्वयं उत्पादन करने के लिए, उपयोग या उत्पाद विविधी करण या विकास या मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित में प्रत्येक का एक नग :-
- (1) सी सी आई डी टी जी 2 जी 3
प्रथमा सी सी आई डी टी जी-3 के नमूने के साथ फोर्सीमाइल मशीन
 - (2) हिकटेशन ट्रैप रिकार्डर
 - (3) पेपर ऐररिंग मशीन
 - (4) सिस्टोनाइज़ जलाइड प्रोजेक्टर
 - (5) बाई कपी लेने के लिए प्रबन्ध सहित प्रथमा रहित इलेक्ट्रॉनिक वहाइट बोर्ड
 - (6) कैल कारडर हिकोज़म पैज़र
 - (7) डिजीटल पैज़र
 - (8) टेलीराइटर
 - (9) माइक्रो फिल्मग उपस्कर रीडर ग्रिन्टर
 - (10) इलेक्ट्रॉनिक डायरी मीमो राइटर
 - (11) टेलीकॉर्सेंस उपस्कर (झुचना एवं प्रसारण मंत्रालय की सिफारिश पर और संचार विभाग के अनुमोदन पर)
- (क्ष) फोटोकार्पिंग पेपर, कलक्टरिंग मशीन पेपर रोल्स, टोनर और फोटोकार्पिंग प्रयोजनों के लिए डिस्पैसेंट, उपर्युक्त 7 (क) में (1) से (11) तक मशीनों के अतिरिक्त पूजे और इन मशीनों के लिए अपेक्षित प्रतिवर्ष 5000 रु. से कम के मूल्य के उपभोज्य शीज़ार,
- (8) उपभोक्ताओं को बारनी कवरेज उपलब्ध कराने के प्रयोजन या विकी बाब सेवा (चाहे निःशुल्क हो आया मूल्य पर हो) के लिए शक्ति प्रतिशत नियात अभियुक्त यूनिटों द्वारा विनियमित परिष्कृत उत्पाद संबंधी पूजों का आयात, इसके वायिक उत्पादन के फैक्ट्री मूल्य के 1.5 प्रतिशत की दर से या आयातित संघटकों के लागत बीमा आड़ा मूल्य के 2 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो, अनुमित किया जायेगा।
- निम्नलिखित शर्तों के अधीन :—
- (क) आयात बास्तविक उपयोगतः शर्तों के अधीन होगा।
 - (ख) माल कस्टम बॉर्डिंग फैक्टरी में आयात किया जाएगा।
 - (ग) एक सभी शर्तों की अनुपालना करेगा जो कि इस मामले में आयातित माल पर सीमा शुल्क के भुगतान की जूट की शर्त के अधीन हो।
 - (घ) पहल से फैक्टरी तक माल के बाह्यतालरण के प्रयोजन के लिए ट्रॉनिट बॉड सहित कस्टम बॉर्डिंग के लिए होने वाली सामान्य प्रक्रिया अपार्ट होगी।
 - (ङ) पूरा उत्पादन और कार्य संचालन कस्टम बॉर्डिंग फैक्टरी के अधीन होगा।
 - (च) आयात एवं नियात नीसि, 1990-93 (खण्ड-एक) के भाग-एक, परिशिष्ट-2 के अन्तर्गत घरेलू वर सूची लेख में आयात के लिए प्रतिबंधित मर्दों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

2. पुराने पूजीगत माल के आयात के लिए आयातक निकासी के समय जहाँ से आयात किया जाता है उस देश के स्वतंत्र व्यावसायिक संघीयता/किसी समतुल्य संस्था से एक प्रमाणपत्र प्रक्रिया पूर्तक 1990-93 (खण्ड एक) में दिए गए प्रपत्र में सीमा शुल्क प्राविकारी को प्रस्तुत करेगा। आयातक द्वारा मशीनरी को प्रत्यक्षित समयावधि के बारे में एक व्यक्ति घोषणा करना भी अपेक्षित होगा।

3. मुख्य नियंत्रक आयात नियात के कार्यालय, नई दिल्ली में नियात आयुक्त की पूर्व अनुमति पर ऐसे एकों को निम्नलिखित के आयात की अनुमति दी जाएगी :—

- (1) उपर्युक्त पैरा 1 के अन्तर्गत न आमे वाले प्रोटोटाइप्स और तकनीकी वस्तुते;
- (2) ब्राइस, ब्लू प्रिद्स, चार्ट्स, माइक्रोफिल्म्स सहित तकनीकी वस्तुते।

4. ऐसे एकों को, इस विशिष्ट उद्देश्य के लिए उनके द्वारा नियानित मशीनरी उपस्करों को विवेदों में भरमत के बाद पुनः आयात की अनुमति दी जाएगी।

5. इस छुटे सामान्य लाइसेंस के अधीन लिए गए प्रावधान कम से कम पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान पहले से ही अपने उत्पादन का 100 प्रतिशत नियात कर रहे आयोगिक एकों द्वारा किन्तु जो अभी तक 100 प्रतिशत नियात अभियुक्त एकों की योजना के अधीन सरकार द्वारा अनुमोदित नहीं है वस्तु किये जाने वाले योग्य सीमा-शुल्क के भुगतान करने पर निम्नलिखित शर्तों के अधीन पूजीगत माल (चाहे नया हो वा पुराना हो) के आयात के लिए भी लागू होंगे :—

- (1) जब पुराने माल का आयात किया जाता है तो आयातक सीमा-शुल्क के माध्यम से निकासी के समय उपर्युक्त अनुच्छेद (2) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा,
- (2) आयातक सीमा-शुल्क के माध्यम से निकासी, के समय संबद्ध आयातक नीति में निष्पारित कियविधि के अनुसार, मुख्य नियंत्रक आयात-नियात, नई दिल्ली से प्राप्त निष्पादन प्रमाण पत्र की पिछले तीन वित्तीय वर्षों में अपने 100 प्रतिशत नियानित उत्पादन के साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत करेगा,
- (3) आयातक को इस बारे में एक धोषणा भी देनी चाहिए कि इस प्रावधान के अन्तर्गत पूजीगत माल का आयात उसकी अनुशास्त्र/अनुमोदित क्षमता से अधिक नहीं होगा।
- (4) आयात बास्तविक उपयोगता शर्त के अधीन होगा,

6. आयातक को आयात, बाबत और सारे आयातित माल के उपयोग और उसके द्वारा किए गए लियार्टों का उचित लेखा नियंत्रित प्रपत्र में रखना होगा और बाणिज्य मंत्रालय, मुख्य नियंत्रक, आयात नियात के कार्यालय में नियात आयुक्त और सम्बद्ध लाइसेंसिंग प्राविकारी को यथा अपेक्षित लेखा सामयिक रूप से भेजना होगा। आयातक को उसके मामले में सरकार द्वारा निष्पारित अनुशास्त्र मूल्य अधिवृद्धि शर्त की अनुपालन करनी होगी। उसे उसके बाब में जारी किए गए अनुशास्त्र पत्र या आशय पत्र या आयोगिक लाइसेंस में ही गई सभी अध्य शर्तों की अनुपालन करनी होगी। उसके नियात की अनुपालन में असमर्थ होने पर खुला सामान्य लाइसेंस का उत्पादन माला आएगा और किसी अन्य कार्रवाई जैसे नियंत्रकरण या अनुशा पत्र या आशय पत्र या बौद्धिक लाइसेंस के प्रतिसंहार को व्याप्त में रखें जिना आयात-नियात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) और उसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अधीन इन्हीं की आएगी।

7. यह लाइसेंस बाणिज्य मंत्रालय, आयात (नियंत्रण) आदेश 23/88-91, दिनांक 30-3-88 के प्रतिक्रियम में है।

ORDER NO. 24/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 24/90

S.O. 303(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to the Actual Users approved by the Government as 100 per cent export oriented units for the import of—

- (1) Capital Goods (whether new or second-hand) including Generating sets.
- (2) Prototype and technical samples, not exceeding two in number, of each type for product diversification or development or evaluation.
- (3) Raw materials, components, consumables and intermediates.
- (4) Spares.
- (5) Packing materials.
- (6) Materials handling equipment like Fork lifts, Overhead Cranes (for initial setting up of the unit only).
- (7) (a) One number each of the following for its own production, use or product diversification or development or evaluation—
 - (i) Facsimile machine meeting with specifications of CCITT G2/G3 or CCITT G3.
 - (ii) Dictation tape recorder.
 - (iii) Paper shredding machine.
 - (iv) Synchronized slide projector.
 - (v) Electronic White Board with or without arrangements for taking hard copy.
 - (vi) Cam Corders.
 - (vii) Digital pager.
 - (viii) Telewriter.
 - (ix) Microfilming equipment|Reader-printer.
 - (x) Electronic diary|Memo-writer.
 - (xi) Teleconferencing equipment (on the recommendation of Ministry of Information & Broadcasting and approval of Deptt. of Telecommunications).
- (b) Spares of the machine from (i) to (xi) in 7(a) above and consumable tools required for these machines for a value not exceeding Rupees five thousands per year.
- (8) import of spares related to finished product manufactured by 100 per cent Export oriented units will also be allowed at the rate of 1.5 per cent of the ex-factory value of its annual production or 2 per cent of the c.i.f. value of imported components whichever is higher, for the purpose of providing warranty coverage or after sale service

(whether free of cost or at a price) to their customers;

Subject to the following conditions, namely :

- (a) Import shall be subject to actual user conditions,
- (b) the goods shall be imported in customs bonded factory,
- (c) the unit shall comply with all the conditions subject to which payment of Customs duty on the imported materials is exempt,
- (d) the normal procedure that is applicable for Customs bonding will be followed, including transit bond for the purpose of goods being taken from the port of importation to the factory,
- (e) the entire production and operations shall be by/under Customs bonded factory,
- (f) import of items which are banned for import in the Domestic Tariff Area as specified in Appendix 2, Part A of the Imports and Exports Policy 1990—93 (Vol. I) will not be allowed.

2. For import of second hand Capital Goods the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, certificate from a professional independent Chartered Engineer or an Institution of Engineers in the country from which import is made in the proforma given in the Hand Book of Procedure 1990—93 (Volume-I). The importer would also be required to give a personal declaration about the age and the residual life of the machinery

3. On prior clearance of the Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, such units may also be allowed to import the following, namely :—

- (i) prototypes and technical samples not covered by para 1 above.
- (ii) drawings, blue prints, charts, technical data including micro films.

4. Such units will also be allowed to re-import after repairs abroad, machinery/equipments exported by them for this specific purpose. Any foreign exchange payment necessary for this will also be allowed.

5. The provisions of this Open General Licence will also apply for the import of Capital Goods (whether new or second hand) by industrial units exporting 100 per cent of their production already, at least during the previous three financial years, but not approved as such by Government under the scheme of 100 per cent export oriented units, on payment of customs duty as may be leviable, subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer shall produce at the time of clearance through customs, the certificate referred to in para 2 above, when importing second hand Capital Goods;

- (ii) at the time of clearance through customs, the importer shall produce Export Performance Certificate obtained from the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, in accordance with the procedures laid down in the relevant import policy, as an evidence of having exported 100 per cent of its production in the previous three financial years;
- (iii) the importer should also give a declaration to the effect that the import of capital goods under this provision will not result in exceeding his licensed/approved capacity;
- (iv) the import shall be subject to Actual User condition.

6. The importer shall maintain in the prescribed form proper account of the import, consumption and utilisation of all imported materials and of the exports made by him and submit them periodically, as required, to the Ministry of Commerce, Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports and the licensing authority concerned. The importer shall adhere to the minimum value added condition stipulated by the Government in his case. He shall also conform to all other terms and conditions incorporated in the Permission issued to him. Failure to abide by any of the said terms and conditions shall be construed as violation of this Open General Licence and the importer shall be liable to penal action under the provisions of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) and rules framed there under, without prejudice to any other action, such as cancellation or revocation of permission Letter or Letter of Intent or Industrial Licence.

7. This Licence is in supersession of the Government of India in the Ministry of Commerce Import Trade Control Order No. 23/88-91 dated the 30th March, 1988.

[File No. 6/108/87-EPC]

मादेश सं. 25/90—93

लूप्ला सामान्य साइरेस मं. 25 90

का. अ. 304(ग) :—मायात-नियति (नियंत्रण) विधिनियम, 1947 (1947 का 17) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत द्वारे तक एतदद्वारा शत-प्रतिशत नियति अभिमुख यूनिटों द्वारा विनियमित माल के घरेलू ईरिक औत में आयात की सामान्य अनुमति नियन्त्रित शर्तों के अधीन देती है, नियमः—

- (1) सभी अक्षितों की घंटान पांच बिंदी के लिए आयात की अनुमति दी जाएगी।
- (2) शत-प्रतिशत नियति अभिमुख यूनिटों द्वारा विनियमित माल के घरेलू ईरिक औत में ऐसे आयात नहीं प्रभावी हो सकते हैं जब कि नियति आयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात नियति का कागजिय उद्दोग यवत् नहीं दिलाती तो घरेलू ईरिक औत में ऐसे माल को विक्री को अनुमति दी हो।
- (3) यदि वस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात ना आते तो वापाता कोई नियंत्रण या विनियम आया होता ही इस ताहतें का उस पर कोई प्रभाव नहीं उड़ेगा।

(4) यह लॉइसेंस किसी भी समय आयातक जब अन्य कानून के विविधों की शर्तों के अधीन प्राप्त होता हो तो उसके द्वितीय द्वारा किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उम्मुक्षिक छूट या ढीन प्रदान नहीं करता है। आयातक को उसके लिए लागू आवश्यक सभी कानूनों के उपर्योगों का अनुपालन करना चाहिए।

[का. सं. 6/108/87-EPC]

ORDER NO. 25/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 25/90

S.O. 304(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import, goods manufactured by 100 per cent Export Oriented Units, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale;
- (2) Such imports into Domestic Tariff Area of goods manufactured by 100 per cent Export Oriented Units can be effected only on the basis of permission granted by the Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, Udyog Bhawan, New Delhi for sale of such goods in the Domestic Tariff Area;
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulations affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported;
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

[File No. 6/108/87-EPC]

मादेश सं. 26/90—93

लूप्ला सामान्य साइरेस सं. 26 90

का. अ. 305(ग) :—मायात एवं नियति (नियंत्रण विधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा नियन्त्रित शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे यूनिटों को शत-प्रतिशत नियति अभिमुख यूनिटों को लिए गए अनुमोदन पत्र में दी गई अनुमति के अनुसार “बहिष्कृत माल” को घरेलू ईरिक औत में आयात करने के लिए, अगला आवेदन होने तक, सामान्य अनुमति देती है, नियमः—

- (1) सभी अक्षितों को “बहिष्कृत माल” आयात करने के लिए अनुमति दी जाएगी।
- (2) “बहिष्कृत माल” शब्द में वे उत्पाद आते हैं जिसमें नियन्त्रित विनियम की दृष्टि है और इस प्रकार गे संविधित शत-प्रतिशत नियति अभिमुख यूनिटों की पोषण के अनुसार नियोजित करने के बोय नहीं हैं तथा “बहिष्कृत माल” में उप-ग्रामकीकृत उत्पाद भी शामिल हैं जेकिये इसमें अतिरिक्त पुर्जे, प्रीजार, छीजें

(बैठ) भगवा सहजपात्र शासित नहीं है। "बहिष्कृत माल" का नियंत्रण करने के लिए विभागित माम्रांकों को प्रयोग जाए।

- (1) एकल को यह उद्देशित करना चाहिए कि उसके उत्पादों के विनियम में एक छारा लगाया गया था या प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी की कमी के कारण "बहिष्कृत माल" का होना आवश्यक था;
- (2) ब्रेक्ट टैरिक में उसकी स्थिकति के समय एक छारा "बहिष्कृत माल" पर "बहिष्कृत" की मोहर लगाई जाए और बीजक पर भी "बहिष्कृत" लिखा जाए;
- (3) सीमांशुल सहायक समाहृती और केन्द्रीय आबकारी जिनके जेनरलिकार में ऐसे यूनिट माल हैं, उनकी संचालित के लिए कि "बहिष्कृत माल" को स्थापित किया जाएगा। महायक समाहृती, जिना द्वारा विभिन्नकृति कोटि नियंत्रण माम्रांक, एक की आवारिक कोटि नियंत्रण की रिपोर्ट और प्रम्य तकनीकी राय जिसे महायक समाहृती मामले की आवश्यकतानुसार निर्णय से पूर्व जरूरी समझों तो इस संक्षेप में नियंत्रण लेने से पूर्व कि यह मद बहिष्कृत है, उपर्युक्त की जानकारी भेजा जाना है।
- (3) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आवार पर प्रमाण डालने वाला कोई नियंत्रण विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (4) यह लाइसेंस किसी भी समय आवारक अथवा अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्त छूट या शील प्रदान नहीं करता है आवारक को इसके लिए लागू प्रम्य सभी कामों के उपर्योग का अनुपालन करना चाहिए।

[का. सं. 6/108/87-ई.पी.सी]

ORDER NO. 26/90 - 93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 26/90

S.O. 305(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import into the Domestic Tariff Area 'Rejects' as permitted in the Letter of Approval of the 100 per cent Export Oriented Units issued to such units by the Central Government, subject to the following conditions, namely :—

- (1) 'Rejects' shall be permitted to be imported by all persons.
- (2) the term 'Rejects' shall cover the products which have definite manufacturing defects and as such are not exportable as per declaration of the 100 per cent export oriented unit concerned and shall include sub-standard products but shall not include spares, tools, wastes or bye-products. The following parameters shall be kept in view for determining 'Rejects', namely :—
 - (i) the unit must certify that the rejects were an unavoidable feature on account of flaws of technology, techniques or material deployed by unit in the manufacture of its products;

- (ii) 'Rejects' are also invoiced and stamped by the manufacturer as "REJECTS" at the time of clearance into the Domestic Tariff Area; and
- (iii) 'Reject' shall be established as such to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs and Central Excise having jurisdiction over such units. Assistant Collector shall decide that an item is indeed a 'Reject' with reference to quality control yardsticks prescribed by the buyer, report of the internal quality control department of the manufacturer, and other technical opinion which the Assistant Collector may consider necessary to call upon before deciding the matter.
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof in force at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

[File No. 6/108/87-FPC]

आदेश सं 27/90—93

मूला सामान्य लाइसेंस सं 27/90

का.सा. 306 (अ) :—आयात-नियंत्रित (विनियम) प्रतिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, अनान्य आदेश होने तक प्रदान वान-प्रतिनियम नियंत्रित अभिमूल यूनिटों द्वारा घरेलू टैरिक क्षेत्र में उदायन के दोस्रा बच्चे स्कॉल बेस्ट रिमोटेल्स के आवार की सामान्य अनुमति नियन्त्रित शर्तों के अधीन देनी है, नाम्रता :—

- (1) सभी व्यक्तियों को भारत एवं विदेश के निए आयात की अनुमति दी जायेगी।
- (2) गत-प्रतिनियम नियंत्रित अभिमूल यूनिटों द्वारा उदायन के दोस्रा बच्चे स्कॉल बेस्ट रिमोटेल्स के घरेलू टैरिक क्षेत्र में ऐसे प्रायात तरीके से कोई अनुमति दे दी हो।
- (3) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आवार पर प्रभाव डालने वाला कोई नियंत्रण विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उपर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (4) यह लाइसेंस किसी भी समय जब आवारक अवश्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्त छूट या शील प्रदान नहीं करता है। आवारक को उसके निए लागू प्रम्य सभी कामों के उपर्योग का अनुपालन करना चाहिए।

[का. सं. 6/108/87-ई.पी.सी.]

नेत्रेश याज्ञा, मूल नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

ORDER NO. 27/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 27/90

S.O. 306(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import, scraps, waste¹ remnants generated in the course of production by 100 per cent Export Oriented Units, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale ;
- (2) Such imports into Domestic Tariff Area of scraps, waste¹ remnants generated in the course of production by 100 per cent Export Oriented Units can be effected only on the basis of permission granted by the Ministry of Commerce for sale of such

scraps, waste¹ remnants in the Domestic Tariff Area;

- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported ;
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

[File No. 6/108/87-EPC]

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of
Imports & Exports